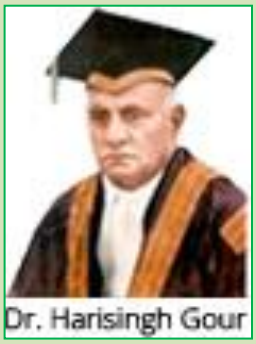

न्यूजलेटर

दिसम्बर 2024

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

संरक्षक

प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर

विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

सहयोग एवं परामर्श

डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय

कुलसचिव (प्र.)

संपादक

डॉ. विवेक जायसवाल

जनसंपर्क अधिकारी (प्र.)

संपादक सदस्य

डॉ. हेमंत पाटीदार

डॉ. आशुतोष

डॉ. शालिनी चोइथरानी

डॉ. संजय शर्मा

माधव चंद्रा

अग्निवीरों के शैक्षणिक उन्नयन की दिशा में विश्वविद्यालय तत्परता से कार्य कर रहा है- कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर भारतीय सेना के अग्निवीरों को रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम प्रदान करने की दिशा में तत्परता से कार्य कर रहा है.

विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज में संचालित 491 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया था जिनकी परीक्षा संपन्न कराकर परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है. सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में 320 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया था जिनमें से 306 अग्निवीरों ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण कर उत्तीर्ण हुए हैं. सर्टिफिकेट कोर्स इन इंटरप्रेन्योरशिप में 171 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया था जिसमें 166 अग्निवीरों ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण किया है. दोनों पाठ्यक्रमों को मिलाकर परीक्षा परिणाम 96.13 प्रतिशत रहा. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा भारतीय सेना के महार रेजीमेंट के अधिकारियों मेजर संदीप और लेफ्टीनेंट कर्नल जी. एस. पाटिल को परीक्षा परिणाम और उनकी अंकसूची सौंपी गई.

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि भारतीय सेना की एक इकाई के रूप में महार रेजीमेंट जहां बहादुर एवं कुशल सैनिक तैयार कर रही है वहीं एक विश्वविद्यालय के रूप में हम अपनी भूमिका का निर्वाह करते हुए उन्हें शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता के साथ डिग्री प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं ताकि भारतीय सेना के जवान सेवाकालीन समय में भी अपनी शिक्षा जारी रख सकें. कम्युनिटी कॉलेज अग्निवीरों के लिए उपयोगी नए पाठ्यक्रम भी शुरू करने जा रहा है. इसकी अगली कड़ी में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी जवानों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है. इसके माध्यम से अग्निवीरों को बेहतर भविष्य के लिये अपनी शैक्षणिक एवं व्यावसयिक योग्यता बढ़ाने में मदद मिलेगी.

कम्युनिटी कॉलेज के नोडल अधिकारी प्रो. सुशील कुमार काशव ने बताया कि कम्युनिटी कॉलेज के जिन दो पाठ्यक्रमों में अग्निवीरों को प्रवेश कर उनके परिणाम जारी किये गये उनमें से एक अग्निवीरों को व्यावसायिक भाषा ज्ञान में विशेष परिपक्वता प्रदान करेगा और दूसरा कम लागत में उद्यमिता के लिए प्रेरित करेगा. इस अवसर पर शिक्षा, जेसीओ अनिल सिंह,

प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र पी. गादेवार, कम्युनिटी कॉलेज के नोडल प्रभारी प्रो. सुशील काशव, मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित थे.

गौरलतब है कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में भारतीय सेना के महार रेजीमेंट और विश्वविद्यालय के बीच अकादमिक समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किये गये हैं जिसका उद्देश्य महार रेजीमेंट के अधिकारियों, सैनिक, अग्निवीर और उनके परिवारजनों के शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता का उन्नयन है. इसके तहत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न डिग्री एवं डिप्लोमा, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

विधि शिक्षण विभाग में संविधान दिवस समारोह के अवसर पर न्यायिक सुधार विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के विधि शिक्षण विभाग में संविधान दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के तारतम्य में कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. पी. राघवन (भा. प्र. से. सेनि., पूर्व कलेक्टर एवं कमिश्नर, सागर,

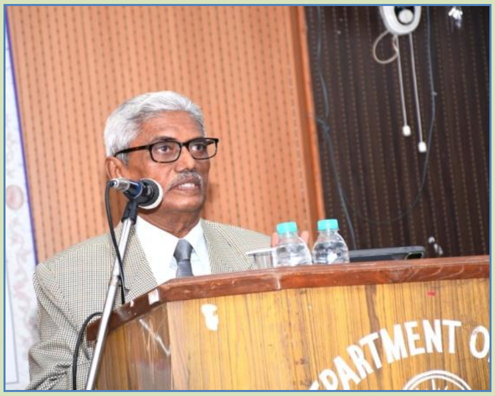

म.प्र.) के द्वारा "न्यायिक सुधार" विषय पर विशेष व्याख्यान दिया गया एवं 'छात्र संवाद' के माध्यम से विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ इसके पश्चात संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर संविधान के पालन की शपथ ली गई। विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ. राघवन ने न्यायिक सुधार के संबध में त्वरित न्याय, लंबी व खर्चीली न्यायालीन प्रक्रिया, लंबित वादों की संख्या, न्यायाधीशों के रिक्त पद, पक्षकारों को प्रक्रिया के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं, एवं न्यायिक जटिलता के संबंध में महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि आम आदमी के लिए त्वरित एवं कम खर्चीली न्याय व्यवस्था के बारे में व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करने होंगे। विद्यार्थियों को उनके जीवन की सफलता की शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में न्यायिक सुधारो का प्रबल पक्षधर बनने और व्यस्थात्मक सुधारों के लिए प्रेरित किया।

इसके अतिरिक्त उन्होंने शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का भी अनुभवजन्य व्यावहारिक समाधान किया। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. वाय. एस. ठाकुर के द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन दिया गया एवं विषय के विभिन्न पक्षों सहित

वर्तमान समस्याओं पर प्रकाश डाला। विधि शिक्षण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद भारद्वाज के द्वारा स्वागत उद्बबोधन प्रस्तुत किया गया। श्री कृष्ण कुमार के द्वारा विभाग की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को बताया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विकास अग्रवाल द्वारा विशिष्ट अतिथि का

परिचय प्रस्तुत किया गया। आभार डॉ. अनुपमा पंडित सक्सेना ने दिया। इस अवसर पर श्री विवेक दुबे, डॉ. रामदास राज, डॉ. रूपाली श्रीवास्तव, श्री भरत सिंह, श्री मुकेश कोरी, कु. ज्योति सोनी, श्री नवनीत सिंह, समस्त शोध छात्र एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थिति रहे।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग के शोधार्थी ने सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के शोधार्थी मनीष कुमार मांझी ने राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (NASI) के 94वें वार्षिक सत्र में जैविक विज्ञान श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीत कर संस्थान का नाम रोशन

किया. यह आयोजन 1 से 3 दिसंबर, 2024 के बीच IISER भोपाल में "विकसित भारत की ओर त्वरित अनुसंधान और विकास" विषय पर आधारित था.

पुरस्कार विजेता पोस्टर का शीर्षक "कोर्डिया मिक्सा के फलों के अर्क का उपयोग करके मैंगनीज ऑक्साइड नैनो कणों का जैव संश्लेषण और रोगजनक सूक्ष्म जीवों के विरुद्ध इस की संभावित प्रभाव शीलता" था, जिसमें पर्यावरण-अनुकूल नैनो कण संश्लेषण और उनके रोगाणुरोधी अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला गया। NASI द्वारा शोधार्थी को इस सत्र में भाग लेने के लिए TA और आवास की सुविधा प्रदान की गई.

वर्तमान में, मनीष डॉ. चंद्रमा प्रकाश उपाध्याय के मार्गदर्शन में रोगजनक सूक्ष्म जीवों को समाप्त करने और पौधों के रोगों को नियंत्रित करने के लिए ऑर्गेनोसल्फर युक्त सॉलिड लिपिड नैनो कणों पर एक परियोजना पर कार्य कर रहे हैं। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की नवाचारी वैज्ञानिक शोध में बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाती है.

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 'उल्लास' नव साक्षरता अभियान के अंतर्गत जागरूकता-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा निर्देशित विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए स्वयंसेवक (वालंटियर) के रूप में जन

भारत साक्षरता कार्यक्रम ‘उल्लास’ (ULLAS) एप पर नामांकन एवं क्रियान्वयन हेतु एक जागरूकता-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 05 दिसम्बर, 2024 को समय 03 बजे से किया गया. जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में प्रौढ़ साक्षरता को बढ़ावा देने और प्रौढ़शिक्षा के महत्व पर जन जागरूकता करना था.

कार्यक्रम की शुरुआत श्री प्रशांत तिवारी, जिला समन्वयक, प्रौढ़ शिक्षा विभाग, सागर ने उद्देश्यों और महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से इस पुनीत कार्य में सहभागिता करने हेतु अधिक से अधिक उल्लास एप पर पंजीकरण करने का आह्वान किया. इसी क्रम में खंड समन्वयक श्रीमती प्रतिभा तिवारी ने कहा कि नव साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना सीखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तियों को जीवन कौशल सिखाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शिक्षाशास्त्र विभाग विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ ग्रामीण समुदायों और समाज के वंचित वर्गों के लिए साक्षरता के महत्व को रेखांकित किया. साथ ही प्रतिभागियों को बुनियादी पढ़ने-लिखने और गणित के कौशल सिखाने के लिए विशेष कार्यशालाएँ आयोजित करने का आश्वासन भी दिया.

कार्यक्रम में श्री अरविन्द कुमार सोनी, प्रौढ़ शिक्षा विभाग ने उल्लास एप के बारे में चर्चा करते हुए विद्यार्थियों से इस पर पंजीकरण एवं उसके माध्यम से क्रियाकलाप को साझा किया| इस अवसर पर डॉ. रानी दुबे, डॉ. अनूपी समैया, डॉ. रजनीश अग्रहरि, डॉ. नवीन सिंह, डॉ. शिवशंकर, डॉ. अखंड शर्मा, डॉ. रमाकांत, डॉ. प्रवीण टीडी, योगेश सिंह सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन डॉ. सावन कुमारी एवं आभार डॉ. पुष्पिता राजावत ने किया.

शैक्षिक उन्नयन से संभव है जातिविहीन समाज की संकल्पना- प्रो. वाय. एस. ठाकुर

मानवीय गरिमा की रक्षा के लिए डॉ. अम्बेडकर ने आजीवन लड़ाई लड़ी- डॉ. दिलीप सिंह

डॉ. हरीसिंह विश्वविद्यालय सागर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर डॉ. आंबेडकर चेयर के तत्त्वावधान में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया. आयोजन में मुख्या वक्ता भारत सरकार के संचार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी डॉ.

दिलीप सिंह थे. अध्यक्षता प्रभारी कुलपति प्रो. वाय एस ठाकुर ने की. स्वागत भाषण देते हुए डॉ. अम्बेडकर चेयर के प्रभारी प्रो. राजेश गौतम ने संविधान के प्रस्तावना का वाचन कराया.

डॉ. दिलीप सिंह ने कहा कि बाबा साहब ने ऐसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आन्दोलन चलाया जो सामाजिक और पारंपरिक प्रथाओं के नाम की जा रही थी. सती प्रथा, अपृश्यता, बाल विवाह जैसी अमानवीय प्रथाएं संस्कृति के नाम पर की जा रही थीं. एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था जो मानवीय गरिमा के विरुद्ध थी, डॉ. आंबेडकर ने उसके उन्मूलन के लिए आजीवन प्रयास किया. डॉ. अम्बेडकर सामाजिक बदलाव चाहते थे. उनका मानना था कि जाति की समस्या मानसिक समस्या है जिसे जन्म से जोड़कर देखा जाने लगा. वे वैचारिक स्वतंत्रता, स्वतंत्र अभिव्यक्ति, वैयाक्तिक स्वतंत्रता, नागरिक अधिकार, मानवीय गरिमा के पक्षधर थे. पूरे विश्व में उन्होंने इसके लिए लड़ाई लड़ी. उन्होंने इस सम्बन्ध में गांधी, अम्बेडकर और सावरकार के विचारों का भी उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर चातुर्वर्ण व्यवस्था पर प्रहार करना चाहते थे क्योंकि उनका मानना था कि मानवीय गरिमा को बनाए और बचाए रखने के लिए वर्ण व्यवस्था का समाप्त होना आवश्यक है.

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये प्रभारी कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर ने कहा कि दुनिया के कई विकसित देशों में सरनेम की उपयोग कम किया जाता है इसलिए ऐसे देशों में जातिवाद की समस्या कम पाई जाती है. जाति की पहचान अज्ञानता के कारण है. यदि मनुष्य और समाज विकसित एवं ज्ञान आधारित होगा तो वह अपनी पहचान को अपनी प्रतिभा, कर्म एवं

व्यक्तित्व से निर्मित करेगा. शैक्षिक उन्नयन से ही जातिविहीन समाज की संकल्पना संभव है. प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने कहा कि डॉ. बी. आर अम्बेडकर ने समग्र दृष्टि से काम किया जिसके कारण उनके विचार एवं कार्य केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक हैं. उनके कार्यों को पूरी दुनिया में महत्त्व दिया जाता है. प्रो. कालीनाथ झा एवं डॉ. देवेन्द्र कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किये.

आयोजन में प्रो. नवीन कानगो, प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, प्रो. उतसव आनंद, प्रो. अनिल जैन, प्रो. एन पी सिंह, उप कुलसचिव सतीश कुमार, सहायक कुलसचिव आर.के पाल, डॉ. वीरेन्द्र मसटानिया, डॉ. रेखा सोलंकी, डॉ. आशुतोष, डॉ. हिमांशु, डॉ. किरण आर्य, डॉ. रामहेत गौतम, डॉ. अरविन्द सहित कई शिक्षक,कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे.

भारतीय ज्ञान परम्परा अमूल्य धरोहर है जो व्यक्तियों को मन से जोड़ती हैं - प्रो. दिवाकर शुक्ला

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के वैदिक अध्ययन विभाग द्वारा 5 दिसंबर 2024 को विभागीय स्थापना दिवस मनाया गया. इस कार्यक्रम का उद्घघाटन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर दिवाकर शुक्ला ने दीप प्रज्वलन कर किया. सरस्वती वन्दना सुश्री करिश्मा अहिरवार एवं श्रेया राजपूत ने की. विभागाध्यक्ष प्रो. दिवाकर शुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा भारतवर्ष की अमूल्य धरोहर है. हमारी परम्पराएं व्यक्तियों को मन से जोड़ती हैं तथा एक-दूसरे का सम्मान करना सिखाती हैं. ज्ञान का प्रवाह श्रद्धा भाव से उत्पन्न होता है। भारतीय वेदों, शास्त्रों में गूढ़ ज्ञान छिपा हुआ है जिसे खोजकर जन-जन तक पहुंचाना हम सभी का कर्तव्य है.

डॉ. खेड़लेकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों में भारतीय ज्ञान भरा पड़ा था जो कि समय के साथ विलुप्त हो गया. जो कुछ भी उपलब्ध है उसे पुनः हासिल करना है. भारतीय ऋषि-मुनियों ने परमाणु की अवधारणा को परिभाषित किया था। डॉ. आयुष गुप्ता ने गुरूत्वाकर्षण सिद्धांत एवं सूत्रों की अवधारणा पर प्रकाश डाला. सुश्री शिवानी खरे ने वैदिक गणित की तकनीक एवं सुगम गणना के वैदिक सिद्धांतों की जानकारी दी. व्याख्यान उपरांत वैदिक ज्ञान पर क्विज प्रतियोगिता हुई. शोधार्थियों ने वैदिक गीतों का पाठ किया। कुमारी स्नेहा जैन ने रसोई-हस्पताल की अवधारणा प्रस्तुत की. जिसमे रसोई में आयुर्वेदिक मसालों से रागों के निवारण का ज्ञान समाहित था. सुश्री महिमा चौबे द्वारा वैदिक गणित गणनाओं पर प्रस्तुतीकरण किया गया. श्री चन्द्रभान द्वारा महान व्यक्ति आर्यभट्ट के योगदान पर प्रकाष डाला गया. कार्यक्रम का संचालन सुश्री महिमा जैन एवं श्री चन्द्रभान द्वारा किया गया.

रंगोली प्रतियोगिता सुश्री प्रार्थना साहू ने जीती एवं पोस्टर प्रतियोगिता की विजेता रहीं अंशिका जैन। आयुर्वेद क्विज़ प्रश्नमंच के विजेता हर्षित, रितिक, अनुज, सौरभ, शुभांकर, करिष्मा, आशिका जैन, विशाल, हिमांशु, शिवानी इत्यादि रहे। कार्यक्रम में वैदिक विभाग के विद्यार्थी निधि सेन, शुभम रॉय, चन्द्रभान, देशना, अनुज पटेल, जितेन्द्र, महिमा, शिखा, करिश्मा, रितिक, आस्था जैन, दीप्ती साहू, विनीता द्विवेदी, ममता केसवानी दीप्ती पाण्डे, निधि ठाकुर, सौरभ पाण्डेय, पलक, मोहन प्रजापति, डॉ. सुधांशु कुमार, डॉ. भूपेन्द्र, शिवानी खरे, श्रेया राजपूत, डॉ. आर. के. पाण्डेय समेत 60 से अधिक लोग उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध छात्रा आकांक्षा नामदेव ने किया शोध पत्र प्रस्तुत

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर जीवनपर्यंत शिक्षा विभाग की शोध छात्रा सुश्री आकांक्षा नामदेव ने त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल में 8-9 दिसंबर को 'समावेशी शिक्षा के परिप्रेक्ष्य और क्रियान्वयन: मुद्दे, सीखे गए सबक और

भविष्य की दिशाएँ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में "अंडरस्टैंडिंग द इंक्लूजन, इन्क्लूजिविटी एंड इन्क्लूसिवनेस : थ्रू पॉलिसी डिस्कोर्स" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया. जिसमें उन्होंने भारत सहित वैश्विक परिदृश्य में 'विकलांगता की अवधारणा की एक ऐतिहासिक और उद्विकासीय पड़ताल करके भारत की शिक्षा नीतियों में उसके प्रभावों पर प्रकाश डाला. सुश्री आकांक्षा को दिव्यांगता के अनुभव विषय पर आयोजित परिचर्चा में विषय विशेषज्ञ के रूप में विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया, जहां उन्होंने अपने शिक्षायी अनुभवों के आधार पर दिव्यांगता से सशक्तिकरण की यात्रा को प्रस्तुत किया. पत्र वाचन के लिए त्रिभुवन विश्वविद्यालय ने यात्रा हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की है. सुश्री आकांक्षा नामदेव स्वतंत्रता पश्चात भारत में शिक्षा नीतियों के सामाजिक, राजनैतिक परिप्रेक्ष्य पर अपना शोध कार्य कर रही है.

विविधता में एकता की अद्भुत मिसाल है डॉ. गौर विश्वविद्यालय- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

भारतीय भाषा उत्सव: विभिन्न भाषाओं में रचनात्मक प्रस्तुतियों से दिया अनेकता में एकता का संदेश

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के वैली कैंपस (पथरिया जाट) स्थित कौटिल्य भवन में संचालित अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान विभाग में अनेकता में एकता थीम पर 'भारतीय भाषा उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने माँ सरस्वती एवं डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया. इस अवसर पर प्रो. नवीन कानगो, प्रो देवाशीष बोस एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय मंचासीन थे. स्वागत भाषण प्रो. देवाशीष बोस ने दिया.

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय इस मायने में अपने आप में अनूठा है कि यहाँ लगभग सभी भारतीय भाषा-भाषी शिक्षक और विद्यार्थी हैं. यह अनेकता में एकता की अप्रतिम मिसाल है. भारत सरकार की मंशा के तहत हमारा विश्वविद्यालय भारतीय भाषाओं और मातृभाषाओं को लेकर संजीदगी से कार्य कर रहा है. कई भाषाओं का प्रतिनिधि करने वाले हमारे शिक्षक और विद्यार्थी एक बहुसांस्कृतिक वातावरण का निर्माण कर रहे हैं जो विविधता में एकता प्रकट करते हैं. विश्वविद्यालय में 25 राज्यों के विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं. विविधता का एक स्थान पर होने वाला यह संगम सबको एक सूत्र में बांधता है. उन्होंने विभिन्न भाषाओं में प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर इन्हें पुरस्कृत किया जाएगा.

कार्यक्रम में भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के सदस्यों ने जिसमें बांग्ला, अरुणाचली, नागामेसे में डॉ पुष्पा घोष, गुजराती में डॉ रूपेंद्र जुगल चौरसिया, कन्नड़ में डॉ. मोहन टी ए, मैथिली में डॉ कालीनाथ झा, मलयालम में डॉ. सतीस सी, मणिपुरी में प्रो. ए के सिंह, मराठी में प्रो नवीन कांगो, उड़िया में डॉ महेश्वर पांडा, संस्कृत में डॉ किरण आर्या, पंजाबी में डॉ. वंदना विनायक, तमिल में डॉ. महेंद्र सिम्हा, तेलगु में डॉ चिट्टीबाबू, उर्दू में डॉ. वसीम अनवर, बुन्देली में प्रो. राजेंद्र यादव ने भारतीय भाषाओं में अपनी प्रस्तुतियाँ दी.

डॉ. गौर के स्केच चित्र का कुलपति ने किया अनावरण, विद्यार्थियों ने बनाई आकर्षक रंगोली

कार्यक्रम से पूर्व विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डॉ. हरीसिंह गौर के स्केच चित्र का अनावरण किया और पुष्पांजलि दी. इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विविधता में एकता का संदेश देती हुई आकर्षक रंगोली भी बनाई गई जिसमें भारत के मानचित्र के साथ विभिन्न संस्कृतियों का चित्रण किया गया.

बंगाली, गुजराती, मराठी, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु भाषाओं में शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन

इस अवसर पर कुलपति ने भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा विभिन्न भारतीय भाषाओं बंगाली, गुजराती, मराठी, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु भाषाओं में शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों के डिजिटल संस्करण का विमोचन किया. डॉ. रूपेंद्र चौरसिया ने गुजराती में क्लाउड कम्प्यूटिंग, प्रो. देवाशीष बोस ने बंगाली में एविडेंस-फिंगर प्रिंट, डॉ. किरण आर्य ने संस्कृत में श्री हर्ष

प्रणीतम नैशधीय चरितं, डॉ. महेंद्र सिंह कर्ण ने तमिल में फंडामेंटल ऑफ़ क्रिमिनोलॉजी, डॉ. चिट्टी बाबू ने तेलुगु में प्रौढ़ शिक्षा, प्रो. नवीन कानगो ने मराठी में प्रायोगिक सूक्ष्म विज्ञान शीर्षक से पुस्तकों का लेखन किया है.

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विविध भारतीय भाषाओं के प्रतिनिधि विद्यार्थी ने रंगोली, पोस्टर एवं परिधान प्रदर्शनी में प्रतिभागिता की. आयोजन में सभी राज्यों के आकर्षक परिधानों की प्रदर्शनी भी लगाईं गई. इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न भारतीय भाषाओं को एक मंच प्रदान करना था. वर्तमान में विश्वविद्यालय में 15 से अधिक भाषा-भाषी विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं. और इतने ही भाषा-भाषी शिक्षक अध्यापन में संलग्न हैं. यह आयोजन सामासिक संस्कृति एवं अनेकता में एकता के भाव को प्रदर्शित करने के उद्धेश्य से आयोजित किया गया. कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्वयक एवं भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. देवाशीष बोस थे. संचालन डॉ. किरण आर्य ने किया और आभार ज्ञापन डॉ. नौनिहाल गौतम ने किया. कार्यक्रम में प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. अनिल जैन, डॉ. पंकज तिवारी, प्रो. ममता पटेल, डॉ. मुकेश चौरसिया, डॉ. विवेक मेहता, प्रो. हैरेल थामस, प्रो. जे के मिश्रा, डॉ अभिलाषा बोस, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. आशुतोष, प्रो. राजेन्द्र यादव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं अधिकारी उपस्थित थे.

उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्व से सुनिश्चित होगी विकसित भारत की संकल्पना - कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

शिक्षा मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आईआईटी दिल्ली के डोगरा सभागार में 'वूमेन लीडर्स : शेपिंग एकेडमिक एक्सीलेंस फॉर विकसित भारत 2047' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया

गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. धर्मेन्द्र प्रधान, शिक्षा मंत्री भारत सरकार, केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री डॉ. सुकांता मजूमदार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उपाध्यक्ष प्रो. दीपक श्रीवास्तव थे. इस अवसर पर डॉक्टर हरीसिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने 'इन विजनिंग द फ्यूचर ऑफ़ वूमेन इन हायर एजुकेशन लीडरशिप फॉर विकसित भारत 2047' विषय पर उद्बोधन दिया.

उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि देश की वर्क फ़ोर्स में 35-40 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है. वर्ष 2047 तक 110 मिलियन अतिरिक्त संख्या के साथ यह आंकड़ा 45 प्रतिशत तक पहुँच जायेगी. उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी यह कहा है कि विकसित भारत की संकल्प यात्रा में महिलाओं की महती और केंद्रीय भूमिका है. महिलाओं के महत्त्वपूर्ण भागीदारी और योगदान से विकसित भारत की संकल्पना अवश्य पूरी होगी. उन्होंने भारत सरकार के महिला सशक्तीकरण के लिए संचालित बेटी बचाओ,-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, उड़ान, सुकन्या समृद्धि योजना, मिशन इन्द्रधनुष, महिला शक्ति केंद्र, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, महिला ई-हाट, प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, महिला समाख्या कार्यक्रम, स्वाधार गृह योजना जैसी महत्त्वपूर्ण योजनाओं के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि ये महत्त्वाकांक्षी योजनायें बेटियों एवं महिलाओं के सशक्तीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. उन्होंने शहरी और ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण के विभिन्न प्रारूपों की भी चर्चा की जिनमें महिला उद्यमिता और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की बात प्रमुखता से कही. उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिला

उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक ईको सिस्टम बनाना होगा और समग्रता में सभी चुनौतियों को भी हल करना होगा. इसके लिए उन्हें आर्थिक सहायता, कौशल विकास, मेंटरशिप जैसे कई रास्ते भी सुझाए साथ ही घरेलू उद्योग, क्षमता वर्धन कार्यक्रम, पूंजी निवेश और पहुँच, सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की.

शहरी क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण के लिए विभिन्न व्यावसायिक कौशल, काउंसिलिंग, घरेलू कार्यों के साथ प्रबंधन एवं रोजगार के अवसरों में बढ़ोत्तरी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग जैसी मिश्रित प्रविधियों की चर्चा. उन्होंने कहा कि

शासन व्यवस्था और राजनीति में भी महिला नेतृत्व और उनकी भागीदारी बढ़ाने के सुदृढ़ प्रयासों की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि इसके लिए पारदर्शी एवं समान प्रतिनिधित्व, सुनिश्चित राजनीतिक भागीदारी के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण और जेंडर भेद को समाप्त करने एवं महिलाओं को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों की आवश्यकता है. उन्होंने उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्व की स्थिति को आंकड़ों के माध्यम से प्रस्तुत किया और बढ़ती महिला नेतृत्व एवं भागीदारी को प्रदर्शित करने वाले उदाहरण भी प्रस्तुत किये. उन्होंने भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले से लेकर कादम्बिनी गांगुली, इंदिरा गांधी, मेघना मल्होत्रा जैसे महत्त्वपूर्ण हस्ताक्षरों का भी उल्लेख किया. उन्होंने उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्व की भागीदारी बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा कि आज भारत में उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्व 10 प्रतिशत से भी कम है जबकि उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 50 प्रतिशत है. उन्होंने कहा कि इतिहास में भले ही हम यह नहीं कर पाए लेकिन भविष्य के द्वार खुले हैं. उन्होंने डॉ. हरीसिंह गौर विवि सहित देश के कई विश्वविद्यालयों में प्रथम कुलपति के रूप में महिला नेतृत्व के कदम को सुखद बताते हुए कहा कि इस परिवर्तन से डॉ. हरीसिंह गौर विवि में छात्राओं और महिला शिक्षिकाओं में बढ़ोत्तरी हुई है. विवि के विद्यापरिषद, कार्यपरिषद, विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष सहित प्रशासनिक और अन्य महत्त्वपूर्ण पदों पर भी महिला भागीदारी और नेतृत्व में बढ़ोत्तरी हुई है. यह बढ़ोत्तरी व्यापक स्तर पर सामाजिक बदलाव में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. उन्होंने जेंडर समानता, नीतियों में परिवर्तन, महिला छात्रवृत्ति, एनरोलमेंट, विभिन्न क्षेत्रों में महिला प्रोत्साहन, साझेदारी कार्यक्रम, महिला शिक्षा को जरूरी कदम बताया.

इस अवसर पर देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, आईआई टी के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, निदेशक और प्रतिनिधि उपस्थित थे.

बुंदेलखण्ड की लोक संस्कृति जानने विद्यार्थियों ने किया संग्रहालय का अवलोकन

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन हेतु आईटीईपी प्रथम सेमेस्टर के छात्रों द्वारा बुन्देलखण्ड की लोककला एवं संस्कृति के अध्ययन हेतु सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय एवं जिला पुरातत्व संग्रहालय का क्षेत्र भ्रमण किया गया. जिसमें छात्रों को बुन्देलखण्ड की प्राचीनतम लोककला एंव संस्कृति से जुडी तकरीबन 300 वर्ष पुरातन धरोहर के संग्रहित वस्तुओं से संबंधित

ज्ञान संग्रहालय के संस्थापक अध्यक्ष श्री दामोदर अग्निहोत्री के द्वारा दिया गया. यह भ्रमण पाठ्यक्रम की आवश्यकतानुसार संचालित किया गया. कार्यक्रम के निर्देशक विभागाध्यक्ष, प्रो. अनिल कुमार जैन ने भी छात्रों के साथ भ्रमण में भाग लिया.

भारतीय ज्ञान परंपरा के भ्रमण श्रृंखला की समन्वयक एवं कक्षा प्रभारी डॉ. चिन्तन वर्मा एवं पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि जैन ने भी छात्रों के साथ भ्रमण में भाग लिया तथा शिक्षाशास्त्र विभाग से डॉ. रमाकांत एवं डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे. छात्रों के ज्ञानार्जन हेतु डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति एवं कार्यक्रम की मुख्य संरक्षक प्रो. नीलिमा गुप्ता का प्रोत्साहन प्राप्त हुआ.

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 सागर में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के 62 वें स्थापना दिवस का रंगारंग आयोजन

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 में, केन्द्रीय विद्यालय संगठन का 62 वां स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केन्द्रीय विद्यालय की प्रबंध समिति के नामित अध्यक्ष प्रो. नवीन कानगो एवं विशिष्ट अतिथि के

रूप में श्रीमती रेनू यादव (पूर्व प्रधानाध्यापिका केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 सागर) शामिल हुई. कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्जवलन से हुआ. मुख्य अतिथियों का स्वागत प्राचार्य श्री राजेंद्र सिंह वर्मा के साथ विद्यालय के शिक्षक श्री महेंद्र सिंह राजपूत द्वारा हरित पौधा प्रदान करके किया गया. छात्रों ने इस अवसर पर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिनमें केन्द्रीय विद्यालय गीत, भारत नाट्यम, कथक, कुमायूं लोक नृत्य आदि कार्यक्रम शामिल रहे. कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के संस्कृत शिक्षक श्री आनंद कुमार जैन के साथ कक्षा नवमी की छात्रा शिवांगी सिंह

कुर्मी एवं रक्षा तिवारी ने किया. मुख्य अतिथि प्रो. नवीन कानगो जो कि स्वयं भी केन्द्रीय विद्यलय के छात्र रह चुके हैं, उन्होने अपनी यादो को सांझा कर केन्द्रीय विद्यालय के गौरवपूर्ण इतिहास की जानकारी प्रदान की, इसी के साथ श्रीमती रेनु यादव ने अपने लगभग 35 वर्षों के अनुभवों को सांझा करते हुये विद्यार्थियों को भविष्य मे बेहतर प्रदर्शन करने के लिये प्रेरित किया.

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ विद्यालय के कक्षा छटवीं के छात्र रुद्रांश डे ने विज्ञान मॉडल की प्रस्तुति दी जिसमें विज्ञान पर आधारित विभिन्न धारणाएं जैसे की ट्रांसफार्मर, सर्किट, मोबाइल चार्जर आदि के बारे में बड़े ही रोचक ढंग से दर्शाया एवं समझाया जिसे अतिथियों सहित कार्यक्रम में मौजूद पालकों एवं सभी कर्मचारियों द्वारा सराहा गया. छात्रों को योग का महत्त्व बताने के लिए विद्यालय की कक्षा चौथी की छात्रा निशिका दुबे द्वारा योग पर आधारित एक प्रस्तुति दी गई. स्थापना दिवस का समापन विद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन से, शिक्षकों और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ. कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के शिक्षक श्री मनोज कुमार नेमा ने सभी का आभार व्यक्त किया.

'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत फिट इंडिया सप्ताह का शुभारम्भ

शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत फिट इंडिया सप्ताह 2024 का प्रारंभ दिनांक 16 दिसंबर 2024 को शारीरिक शिक्षा विभाग खेल मैदान में प्रो. डी.के. नेमा के मुख्य आतिथ्य में एवं निदेशक

शारीरिक शिक्षा डॉ. विवेक बी साठे की अध्यक्षता में हुआ. संचालन महेंद्र कुमार ने किया. पहले दिन की शुरुआत मनोरंजन खेलों से की गई जिसके तहत हॉप एंड रन, थ्री लेग रन, निशानेबाजी एंड कैच द बॉल इन बास्केट जैसे खेलों में विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और खूब मनोरंजन किया. इन खेलों के समन्वयक अनवर ख़ान एवं विनय शुक्ला रहे. इसी क्रम में 17 दिसंबर 2024 को छात्र/छात्राओं ने पोस्टर मेकिंग एवं क्विज कांटेस्ट में भाग लेकर इस अभियान को सफल बनाया. इस कांटेस्ट की समन्वयक सहायक निदेशक डॉ सुमन पटेल रही. इस अवसर डॉ मनोज जैन, डॉ रंजन मोहंती, दीपक दुबे उपस्थित रहे. दिनांक 18 दिसंबर 2024 को पारंपरिक खेलों का आयोजन दोपहर 3:00 बजे किया जाएगा.

सदियों तक गूँजता रहेगा वाह ताज़

उस्ताद ज़ाकिर हुसैन की स्मृति में स्वरांजलि कार्यक्रम आयोजित

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में प्रख्यात तबला वादक पद्म विभूषण उस्ताद ज़ाकिर हुसैन के आकस्मिक निधन पर स्वरांजलि एवं तालांजलि अर्पित की गई. कार्यक्रम में पुष्पांजलि उपरांत विभागीय छात्र अनिकेत

आठया एवं विकास रविदास ने झपताल एवं तीनताल में तबला एकल वादन प्रस्तुत किया जिसमें पेशकार, कायदा, रेला, टुकड़े एवं चक्रदार प्रस्तुत किये. विभागीय शोध छात्रा स्तुति खंपरिया ने राग पूरिया धनाश्री में तीनताल में बड़ा ख्याल एवं छोटा ख्याल प्रस्तुत किया. तबला पर संगत शैलेन्द्र सिंह राजपूत एवं हारमोनियम पर संगत अतुल पथरौल एवं मयंक विश्वकर्मा ने की. कार्यक्रम का संचालन आकाश जैन ने किया. इस अवसर डॉ. विभूति मलिक, श्री मनमोहन श्रृंगीऋषि, डॉ हरिओम सोनी जी, विभागीय शोध छात्र यश गोपाल श्रीवास्तव, गगन राज, सत्यम नामदेव, अनुकृति रावत, तेजस पटेल ने खाँ साब के संस्मरण सुनाए व अपने विचार व्यक्त किए.

कार्यक्रम में डा. राहुल स्वर्णकार ने उस्ताद जाकिर हुसैन के कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में उस्ताद जाकिर तबला के पर्याय माने जाते रहे हैं. तबला को जितनी प्रसिद्धी उस्ताद जाकिर हुसैन ने दिलाई है उतनी किसी ने नहीं. शास्त्रीय संगीत जगत उनके योगदान को भुला नही सकता. सदियों तक वाह ताज़ हमारे कानों में गूँजता रहेगा. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय एवं शहर के गणमान्य नागरिक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे. विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक अहिरवार के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ. आभार श्री अरुण रैकवार ने माना.

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत पारंपरिक खेलों का आयोजन

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा “फिट इंडिया मूवमेंट” के तहत फिट इंडिया सप्ताह 2024, दिनांक 16 दिसंबर 2024 को शारीरिक शिक्षा विभाग खेल मैदान पर प्रारंभ हुआ. निदेशक शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. विवेक बी साठे के मार्गदर्शन में तीसरे दिन पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया जिसमे विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने गिल्ली डंडा, पिट्टू, रस्साकशी में बढ़ चढ़कर भाग लिया. इन खेलों के समन्वयक महेंद्र कुमार एवं विनय शुक्ला रहे. इस अवसर पर डॉ सुमन पटेल, अनवर ख़ान, डॉ मनोज जैन, डॉ रंजन मोहंती, दीपक दुबे उपस्थित रहे.

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 में मनाया गया वार्षिक खेल दिवस, बच्चों ने दिखाया दमखम

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 में गुरुवार को वार्षिक खेल दिवस मनाया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय प्रबंधन समिति के नामित अध्यक्ष प्रो. नवीन कांगो एवं विशिष्ट अतिथि शारीरिक शिक्षा

विभाग के निर्देशक प्रो. विवेक बी. साठे का विद्यालय के प्राचार्य श्री राजेंद्र सिंह वर्मा ने हरित पौधा प्रदान कर स्वागत किया. मुख्य अतिथियों द्वारा वार्षिक खेल समारोह का मशाल जलाकर विधिवत उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर बच्चों ने स्वागत गीत जैसे "आपका स्वागत हैं" से कार्यक्रम का शुभारंभ किया. विद्यालय के प्राचार्य ने अपने भाषण द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया. झंडा रोहण कर वार्षिक खेल उत्सव का आगाज किया गया. इस अंतर सदनीय प्रतियोगिता में चार सदन शिवाजी, टैगोर, अशोका व रमन सदनों के छात्र छात्राओं द्वारा मार्च पास्ट कर विद्यालय के वार्षिक खेल दिवस में पूरे तन मन से प्रतिभाग करने की शपथ ली गई. इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने एरोबिक नृत्य के माध्यम से बच्चों से लेकर बड़ों को खेलों में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया. इसके बाद बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें 100 मी, 200 मी दौड़, रिले दौड़ के अलावा क्रिकेट, चेस, गोला फेंक आदि भी सम्मिलित की गई.

इसमें पहले स्थान पर अशोका सदन, दूसरे स्थान पर टैगोर सदन तथा तीसरे स्थान पर रमन सदन रहा. विद्यालय के अध्यापक-अध्यापिकाओं के लिए भी 100 मी. दौड़ एवं क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि प्रो. नवीन कांगो ने अपने संबोधन में खेल को बच्चों के शारीरिक विकास के लिए आवश्यक बताया. वहीं प्रोफेसर साठे ने बच्चों को खेल गतिविधियों में सहभागिता हेतु प्रोत्साहित किया. प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया. इस दौरान प्राचार्य ने विद्यालय के शिक्षकों की बच्चों के प्रति समर्पण भाव की प्रशंसा की. कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के शिक्षक श्री योगेन्द्र कुमार द्वारा सभी प्रतिभागियों को, उत्साहवर्धन करने वाले दर्शक व विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी तथा सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों, अतिथियों एवं खेल प्रभारी का आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम का समापन झंडा उतार कर राष्ट्रगान के साथ हुआ. सभी विद्यार्थियों को विद्यालय द्वारा अल्पाहार वितरण किया गया. खेल दिवस का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य, वरिष्ठ शिक्षक श्री मनोज कुमार नेमा के मार्गदर्शन एवं शिक्षकों और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.

बायोटेक्नोलॉजी विभाग के डॉ. उपाध्याय को उत्कृष्ट शोध के लिए मिला फेलो अवार्ड

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के सहायक प्रो. डॉ चन्द्रमा प्रकाश उपाध्याय को

मंगलायतन विश्वविद्यालय अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में एसोसिएशन आफ़ बायोटेक्नोलॉजी एंड फार्मेसी द्वारा आयोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में सोसाइटी फेलो के रूप में गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. डॉ उपाध्याय को यह सम्मान उनके कृषि बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट रिसर्च के लिए दिया गया. विदित हो कि सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजी एंड फार्मेसी अपने वार्षिक अधिवेशन में देश-विदेश के आठ वैज्ञानिकों को बायोटेक्नोलॉजी और फार्मेसी के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध करने वाले वैज्ञानिकों को नामित कर सम्मानित करती है. इस सोसाइटी के देश और विदेश में पाँच हज़ार से ज़्यादा सदस्य पंजीकृत हैं. सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी प्रोफ़ संभाशिवा राव (पूर्व कुलपति नागालैंड केंद्रीय विश्वविद्यालय) ने शुभकामनाएं व्यक्त कीं. मुख्य अतिथि जॉर्जिया विश्वविद्याल के निदेशक प्रॉफ़ टी स्वामी ने यह सम्मान प्रदान किया. इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश और दुनिया के लगभग दो सौ से ज़्यादा वैज्ञानिकों ने भाग लिया जिसमे अमेरिका, कनाडा, जापान, ब्राजील, कोरिया आदि देशों के वैज्ञानिक शामिल हुए. डॉ. उपाध्याय की इस उपलब्धि पर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शुभकामनाएं दी हैं. विश्वविद्यालय के शिक्षक समुदाय ने भी उन्हें बधाई प्रेषित की है.

डॉ. गौर से जुड़ी स्मृतियाँ अमूल्य धरोहर हैं - कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय ने भेंट की डॉ. गौर से संबंधित सामग्री

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय का अवलोकन किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति ने कहा कि डॉ. गौर और उनके द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से जुडी स्मृतियाँ हमारे लिए अमूल्य धरोहर हैं. विश्वविद्यालय में स्थित नव निर्मित डॉ. गौर संग्रहालय में इन स्मृतियों को सहेजा जाएगा. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है कि डॉ. गौर और विश्वविद्यालय से जुड़ी दुर्लभ सामग्री एकत्रित की जाएँ. उन्होंने अपील भी की कि यदि किसी के पास डॉ. गौर से जुड़ी स्मृति सामग्री या दस्तावेज हों तो वे

विश्वविद्यालय स्थित गौर संग्रहालय में प्रदान कर सकते हैं. उन्होंने सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय के अवलोकन के दौरान बुंदेली संस्कृति से जुडी दुर्लभ एवं प्राचीन सामग्रियों के बारे में जानकारी ली. संग्रहालय में पुराने सिक्के, औजार,

तकनीकी उपकरण, फोन, खेती के औजार, बुंदेली संस्कृति के वस्त्र, समाचार-पत्र, वाद्य यंत्र, बर्तन, मापक-यंत्र, आभूषण, घड़ी जैसी वस्तुओं का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के गौर संग्रहालय में बुंदेलखंड की संस्कृति और कला से संबंधित सामग्रियों की भी प्रदर्शनी लगाई जा रही है.

संग्रहालय के संस्थापक एवं अध्यक्ष दामोदर अग्निहोत्री ने कुलपति को विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. गौर से जुड़ी सामग्री भेंट की. उन्होंने विश्वविद्यालय पर केन्द्रित कई स्मृति दस्तावेज भी सौंपे. भेंट की गई मूलप्रतियों में डॉ. गौर द्वारा सागर में विश्वविद्यालय की स्थापना, प्रारंभिक तैयारियों एवं सागर के बहुमुखी विकास हेतु उनके सतत् प्रयासों को सफल बनाने हेतु अपील के दस्तावेज, खादी कपड़े पर हस्तनिर्मित डॉ. गौर का दुर्लभ चित्र, सागर विश्वविद्यालय के 1948 में आयोजित प्रथम दीक्षांत समारोह में पं. रविशंकर शुक्ल जी का समाचार पत्र में प्रकाशित भाषण, वर्ष 1969 में प्रकाशित विश्वविद्यालय की पत्रिका का मुख पृष्ठ आदि सम्मिलित हैं. उन्होंने डॉ. हरीसिंह गौर द्वारा लिखित दुर्लभ पत्र, विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह 1948 की विशेष खबर, महात्मा गांधी जी के निधन पर डॉ. गौर साब द्वारा दी गई श्रद्धांजलि, विश्वविद्यालय में पृथ्वीराज कपूर के सम्मान से सम्बंधित दस्तावेज भी सौंपे.

इस अवसर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, गौर पीठ के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो, निदेशक फैकल्टी अफेयर्स प्रो. अजीत जायसवाल, शिक्षा अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रो. अनिल जैन, डॉ. रमाकांत, डॉ. चिंतन वर्मा, प्रवीण राठौर एवं विवि के अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत फिट इंडिया सप्ताह 2024 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा “फिट इंडिया मूवमेंट’’ के तहत योग एवं मेडिटेशन में

छात्र/छात्राओं ने भाग लेकर योग किया। फिट इंडिया सप्ताह 2024 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह शारीरिक शिक्षा विभाग खेल मैदान पर प्रो. अनिल जैन अधिष्ठाता स्कूल ऑफ़ एजुकेशन के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ. अध्यक्षता डॉ विवेक बी साठे, निदेशक शारीरिक शिक्षा विभाग ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ रेखा गर्ग सोलंकी रहीं।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में सभी खिलाड़ियों को अनुशासन में रहने एवं अपनी फिटनेस को बनाए रखने सलाह दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथि ने सभी खिलाड़ियों को फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत शपथ दिलाई तत्पश्चात सभी खिलाड़ियों को मेडल प्रदत्त किए। आभार सहायक निदेशक डॉ सुमन पटेल ने माना एवं संचालन महेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर विनय शुक्ला, अनवर ख़ान डॉ मनोज जैन, उपस्थित रहे।

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में पहला पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के भौतिकी विभाग में पहला पूर्व छात्र मिलन समारोह बड़े उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। यह आयोजन विभाग के पूर्व छात्रों, वर्तमान विद्यार्थियों और शिक्षकों को एक मंच पर लाने का एक

प्रयास था, जिसका उद्देश्य पुराने संबंधों को पुनर्जीवित करना और विभाग की प्रगति में पूर्व छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत पंजीकरण प्रक्रिया और अनौपचारिक परिचय से हुई। इसके बाद मां सरस्वती और विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरिसिंह गौर को पुष्पांजलि अर्पित की गई। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत ने कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास का वातावरण निर्मित किया।

समारोह में कई प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों और गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। इनमें शामिल थे: प्रो. एन.पी. दीक्षित, पूर्व कुलपति, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग, श्री देवेंद्र सिंह, पूर्व विधायक, यू.पी.-एम.पी. सीमा क्षेत्र, मेहरौनी, श्री भारत

भार्गव, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अभियंता, इन सभी अतिथियों ने अपने-अपने अनुभव साझा किए और विभाग के विकास में अपने सुझाव एवं योगदान का आश्वासन दिया।

कुलपति, प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अपने प्रेरणादायक भाषण में पूर्व छात्रों की उपलब्धियों को सराहा और उनके योगदान को विश्वविद्यालय के विकास के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों की भागीदारी से विभाग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। विभागाध्यक्ष, प्रो. आशीष वर्मा ने अपने स्वागत भाषण में विभाग की उपलब्धियों और प्रगति का उल्लेख करते हुए पूर्व छात्रों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इस आयोजन को विभाग और पूर्व छात्रों के बीच एक सेतु के रूप में परिभाषित किया। पूर्व छात्रों ने अपनी शैक्षणिक और पेशेवर यात्राओं को साझा करते हुए विभाग के साथ अपने जुड़ाव को याद किया। उन्होंने वर्तमान विद्यार्थियों को अपने अनुभवों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया और विभाग के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का वादा किया। गणमान्य अतिथियों का सम्मान विभाग की ओर से किया गया। इसके बाद धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह आयोजन न केवल पूर्व छात्रों और विभाग के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने का माध्यम बना, बल्कि एक प्रेरणादायक पहल साबित हुई। इसने वर्तमान विद्यार्थियों को अपने भविष्य के लिए मार्गदर्शन और प्रेरणा दी और विभाग की प्रगति के लिए पूर्व छात्रों की सहभागिता का मार्ग प्रशस्त किया। इस कार्यक्रम की एंकरिंग शोध छात्रा ऋतु आर्या ने की, भौतिकी विभाग के इस आयोजन ने विश्वविद्यालय की गौरवशाली परंपरा को और मजबूती प्रदान की है और इसे एक यादगार क्षण के रूप में चिह्नित किया गया।

इस अवसर पर सन् 1970 से 2023 तक के छात्र छात्राएं एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। श्री अशोक कुमार सिंह, श्री प्रदीप हजारी, डॉ. एम एन बापट, डॉ. रमाशंकर वर्मा, मुरलीधर डेहरबार, श्री नरेंद्र सिंघाई, डॉ उमाकांत मिश्रा, डॉ. एल एल दुबे, डॉ. चित्रा लाल, श्री रमेश बिडवई, श्री प्रीताशु विश्वास, प्रो. रणवीर कुमार, डॉ. संध्या पटेल, डॉ. रेखा गर्ग सोलंकी, डॉ. प्रशांत शुक्ला, डॉ. महेश्वर पांडा, डॉ. शिशिर जैन, डॉ. प्रवीण कुमार लिटोरिया, प्रिंस सेन, आदि 120 से अधिक पुराछात्र - छात्राएं एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गणित दिवस का आयोजन

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में विश्वविख्यात गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गणित दिवस का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. आर. के. गंगेले ने बताया कि गणित दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों हेतु एक क्विज़ का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 150 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। क्विज़ के विजेताओं को राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. वी.एन. मिश्रा, अध्यक्ष गणित विभाग ट्राइबल विश्वविद्यालय, अमरकंटक तथा डॉ.

के.एस. माथुर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, ने इस अवसर पर व्याख्यान दिये। विभागाध्यक्ष प्रो. आर.के. गंगेले द्वारा मुख्य अतिथी प्रो. अजीत जायसवाल एवं विशिष्ट वक्ताओं प्रो. वी.एन. मिश्रा, डॉ. के.एस. माथुर, एवं डॉ. दीना सुनील का

स्वागत व अभिनंदन किया गया। प्रो. वी.एन. मिश्रा ने रामानुजन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर भाषण देकर विद्यार्थियों को उनके गणितिय समस्याओं के समाधान बताने के विशिष्ट दृष्टिकोण का विश्लेषण किया। उन्होंने "श्रीनिवास रामानुजन एक असाधारण व्यक्तित्व" का व्याख्यान दिया। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के डॉ. के.एस. माथुर ने गणितीय माडलिंग पर व्याख्यान दिया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय ट्राइबल विश्वविद्यालय के डॉ. दीना सुनील ने क्वांटम कम्प्यूटिंग के वर्तमान अनुप्रयोग पर तथा डॉ. आर.के. पाण्डेय ने रामानुजन के द्वारा हल की गयी गणितीय प्रमेयों का सत्यापन करने की तकनीक का प्रदर्शन किया। इस उपलक्ष्य पर लगभग 150 विद्यार्थी क्विज़ में सम्मिलित हुए। इसके विजेताओं में प्रथम पुरस्कार श्री विकुल यादव, द्वितीय पुरस्कार श्री पारस प्रजापति एवं तृतीय पुरस्कार श्री हर्ष मिश्रा व श्री शरद कुमार विश्वकर्मा को प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक बंसल विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विभाग, डॉ. रंजीत रजक, डॉ. आर.के. पाण्डेय, डॉ. कविता श्रीवास्तव, डॉ. विपिन कुमार तथा गणित विभाग के समस्त शोध छात्र एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। इस प्रोग्राम का संचालन डॉ. एस. कुमार एवं कु. शिवानी खरे ने किया। इस अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया जिसमें शोधार्थियों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार कु. शिवानी चौरसिया, कु. साक्षी गौतम, श्री मनोहर चौधरी, कु. दीप्ती पाण्डे तथा कु. निधि यादव एवं द्वितीय पुरस्कार श्री रमेश कुमार केसरी, श्री हर्षित खरे एवं श्री हीरा अहिरवार को दिया गया। छात्रों की श्रेणी में कु. युक्ता विजयवर्गीय (एम. एस. सी) एवं अनुराग लोधी (बी. ए.) को पुरस्कृत किया गया। अंत में विभागाध्यक्ष प्रो. आर.के. गंगेले ने प्रोग्राम के सफल आयोजन हेतु सभी का आभार प्रकट किया।

डॉ. गौर की पुण्य तिथि पर भजन प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि दी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के महान शिक्षाविद, प्रख्यात विधिवेता संविधान सभा सदस्य एवं विश्वविद्यालय के संस्थापक दानवीर डॉक्टर सर हरीसिंह गौर की पुण्यतिथि 25 दिसम्बर, 2024 को प्रातः 9:00 बजे गौर समाधि स्थल पर भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया गया. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने गौर समाधि पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी. विश्वविद्यालय के संगीत विभाग की शोधार्थी अनुकृति रावत ने कबीरदास के भजन 'माया महा ठगनी हम जानी, स्तुति खम्परिया ने 'चदरिया झीनी रे झीनी',

‘क्रोध ने छोड़ा..झूठ न छोड़ा..सत्य वचन क्यों छोड़ दिया..नाम जपन क्यों छोड़ दिया’ भजन की प्रस्तुति दी. विभाग के विद्यार्थी पलक विश्वकर्मा, मानवी श्रीवास्तव, वर्षा रानी, गौरी पांडे, करिश्मा दीक्षित, नमन जैन ने गांधी जी के भजन ‘वैष्णव जन तो तेने कहिये’ की प्रस्तुति दी. तबले पर संगत शैलेन्द्र सिंह राजपूत एवं शोधार्थी आकाश जैन ने की। डॉ. राहुल स्वर्णकार एवं डॉ. अवधेश तोमर के निर्देशन में भजन प्रस्तुति हुई.

कार्यक्रम में प्रो. पी.के. कठल, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो. आशीष वर्मा, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. यू. के. पाटिल, प्रो. जे. के जैन, प्रो. आर. के. त्रिवेदी, प्रो. राजेंद्र यादव, डॉ. मोहन टी. ए., प्रो. नेत्रपाल सिंह, डॉ. एस.पी.गादेवार, डॉ. संजय शर्मा, उपकुलसचिव सतीश कुमार, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. केशव टेकाम, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. ऋतु यादव, डॉ. अलीम खान, डॉ. रजनीश, डॉ. विवेक जायसवाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

जेंडर संवेदनशील समाज ही उत्कृष्ट राष्ट्र का निर्माण कर सकता है- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

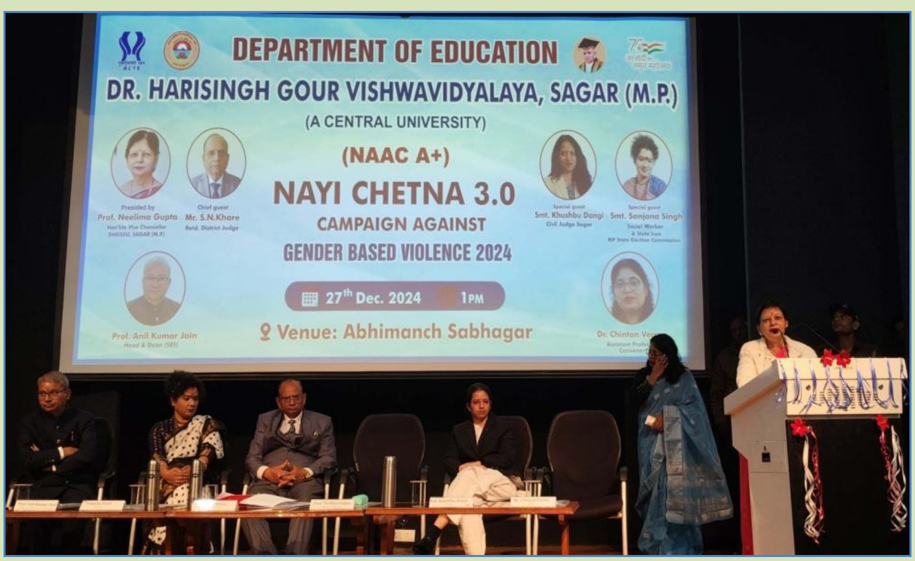

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शिक्षा विभाग तत्त्वावधान में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के नई चेतना 3.0 कार्यक्रम के तहत जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध जागरूकता अभियान का समापन कार्यक्रम विवि के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवनारायण खरे, सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश एवं वर्तमान में धर्मशास्त्र विधि विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर, विशिष्ट अतिथि खुशबू दांगी (न्यायाधीश सागर) और

सामाजिक कार्यकर्ता संजना सिंह थीं. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. स्वागत वक्तव्य देते शिक्षा अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार जैन ने सात दिवसीय कार्यक्रम का प्रतिवदेन प्रस्तुत किया. विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. चिंतन ने कार्यक्रम का संयोजन किया.

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा किये गये सात दिवसीय कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि जेंडर संवेदनशील समाज ही राष्ट्र निर्माण कर सकता है. आज जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध बहुत से कानून हैं लेकिन उसके बारे में जागरूकता की कमी है. उन्होंने कहा कि कई बार क़ानून का सही ढंग से उपयोग भी नहीं हो पता. बदलते समय में समाज को अपनी मानसिकता में बदलाव लाना होगा तभी जेंडर आधारित भेदभाव समाप्त होंगे. शिक्षकों और विद्यार्थियों का यह दायित्व है कि वे समाज को जागरूक करें. तभी हर जेंडर को समाज में बराबरी का स्थान मिलेगा. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में होने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश के आंकड़े जेंडर समानताको प्रदर्शित करते हैं. उन्होंने कहा कि समाज में जेंडर संवेदनशीलता और जागरूकता के लिए वे लगातार प्रयास करेंगी कि इस तरह के कार्यक्रम आयोजित हों ताकि समाज में बदलाव लाया जा सके.

विशिष्ट अतिथि खुशबू दांगी ने अपने विधिक जीवन के कई अनुभव साझा किये. उन्होंने बताया कि अपने सेवा के दौरान कई पीड़ित महिलाओं के अनुभव सुनने पड़े जिसमें महिलाओं को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ा. उन्होंने घरेलू हिंसा, पास्को एक्ट कार्य स्थलों पर होने वाले शोषण, दहेज़ से संबंधित कानूनों सहित कई कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी दी. उन्होंने संविधान में मौजूद समानता के अधिकारों और नागरिक कर्तव्यों का भी उल्लेख किया.

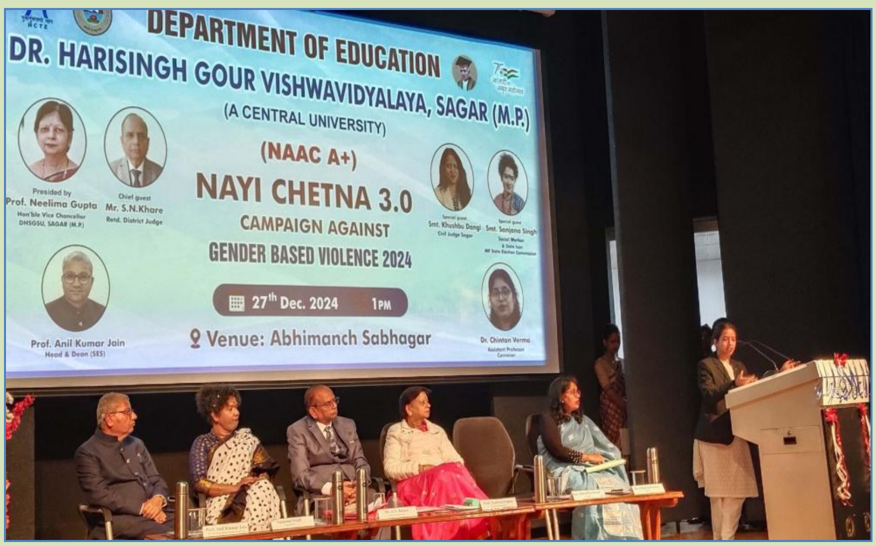

विशिष्ट अतिथि संजना सिंह ने अपने जीवन के व्यक्तिगत अनुभव साझा किये. उन्होएँ बताया कि ट्रांसजेंडर होने के कारण बचपन से ही उन्हें भेदभाव का शिकार होना पड़ा. उन्होंने कहा कि लिंग निर्धारण प्रकृति के हाथ में हैं. उसमें किसी भी व्यक्ति गलती नहीं होती और न ही कोई चाहकर उसे बदल सकता है. उन्होंने बताया कि परिवार, समाज और पढ़ाई के दौरान अध्यापकों और सहपाठियों द्वारा कई प्रकार से भेदभाव सहन करना पड़ा लेकिन सभी संघर्षों का उन्होंने डटकर सामना किया. आज समाज में उन्हें समानजनक स्थान मिला है. वर्ष 2016 में मध्य प्रदेश सरकार ने स्वच्छता ब्रांड अम्बेसडर बनाया और वर्तमान में वे चुनाव आयोग की आइकॉन हैं. उन्होंने कहा कि समाज मांगलिक कार्यों में किन्नर समाज को बुलाया जाता है लेकिन उसके बाद उनके उपेक्षा की जाती है.

मुख्य अतिथि शिवनारायण खरे ने अपनी 28 वर्षों की विधिक सेवा के अनुभव साझा किये. उन्होंने बताया कि जेंडर आधारित हिंसा के बहुत से मामले उनके सामने आये जिसका निष्पादन किया. उन्होंने भारत सरकार की योजना नयी चेतना के तहत बनाए गए केन्द्रों के बारे में जानकारी दी जिसमें हिंसा ग्रस्त महिलाओं की हर प्रकार से सहायता प्रदान की जाती है.

इसमें चिकित्सा, विधि और पुलिस आदि की सहायता सम्मिलित है. उन्होंने घरेलू हिंसा निवारण अधिनियम, बाल विवाह

निषेध अधिनियम के साथ मातृत्व अवकाश आदि के प्रावधानों के बारे में विस्तार से चर्चा की. कई केस स्टडी के माध्यम से उन्होंने बताया कि महिलाओं के संघर्ष से समाज में समानता में वृद्धि हुई है. उन्होंने ट्रांसजेंडर व्यक्ति अधिकार सरंक्षण अधिनियम 2019 और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए स्थापित होने वाले गरिमा ग्रह के बारे में भी जानकारी दी.

विद्यार्थियों ने लगाईं क्राफ्ट प्रदर्शनी

शिक्षा शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने अनुपयोगी वस्तुओं से बनी क्राफ्ट प्रदर्शनी लगाई. प्रदर्शित वस्तुओं में घरेलू उपयोग एवं घरेलू साज-सज्जा की सामग्री थी जिसका अतिथियों ने अवलोकन किया. क्राफ्ट आर्ट शिक्षा शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों के

पाठ्यक्रम का हिस्सा है. इस कार्यक्रम के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें प्रथम पुरस्कार निकिता विश्वकर्मा, द्वितीय पुरस्कार जतिन जाटव और तृतीय पुरस्कार अनीशा सिंह को प्राप्त हुआ. संचालन डॉ अपर्णा श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन डॉ नवीन सिंह ने किया. कार्यक्रम में विवि के प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे.

अध्ययन एवं शोध का प्रासंगिक का क्षेत्र है वन प्रबंधन - डॉ. एस. पी. सिंह

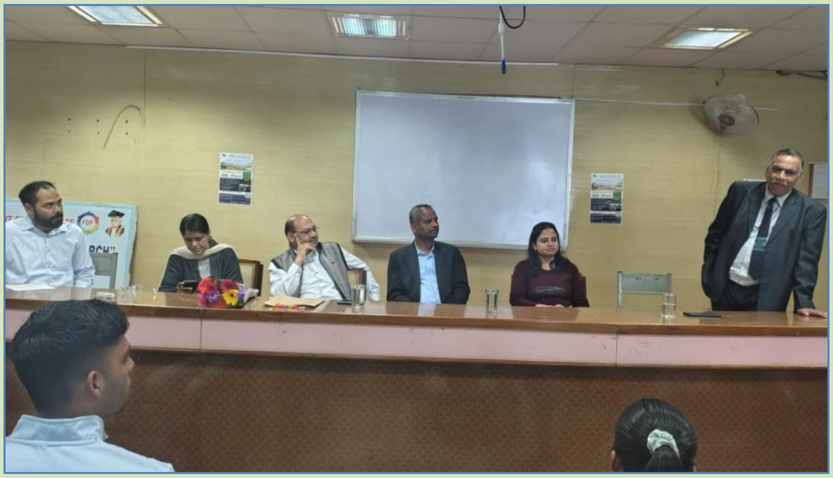

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अर्थशास्त्र विभाग और अंतर्राष्ट्रीय संयोजन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में कुलपति प्रो. डॉ. नीलिमा गुप्ता के निर्देशन में भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (IIFM) भोपाल द्वारा आउटरीच कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य वन प्रबंधन और संबंधित विषयों के क्षेत्र में अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने और

ज्ञान का प्रसार करने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करना था. कार्यक्रम में भारतीय वन प्रबंधन संस्थान भोपाल के डॉ. एस. पी. सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. केशव टेकाम ने स्वागत भाषण दिया.

डॉ. एस. पी. सिंह ने विद्यार्थियों को वन प्रबंधन के अकादमिक क्षेत्र और शोध आयामों के बारे में महत्त्वपूर्ण चर्चा की. उन्होंने कहा कि यह प्रबंधन का एक नया क्षेत्र हैं जिसमें विद्यार्थी अपना कैरियर बना सकते हैं. उन्होंने संस्थान में अध्ययन के पाठ्यक्रमों और शोध पाठ्यक्रमों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि पूरे विश्व में पर्यावरण और वनों के संरक्षण की बात की जा रही है. जीव जगत के अस्तित्व के लिए वन संपदा की प्रचुर मात्रा आवश्यक है. प्रबंधन के कई आयामों पर बहुत से पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं लेकिन वन प्रबंधन भी आज के समय में महत्त्वपूर्ण विषय के रूप में उभर रहा है. उन्होंने विश्वविद्यालय और भारतीय वन प्रबंधन संस्थान के बीच अकादमिक और शोध साझेदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा की. उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर भी दिए.

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. आर. वेंकटमुनि रेड्डी ने कार्यक्रम का संयोजन करते हुए कहा कि शिक्षा के प्रसार, अंतरानुशासनिक विषय के प्रति विद्यार्थियों के रुझान को बढ़ाने, शैक्षणिक साझेदारी जैसी पहल के लिए दोनों संस्थानों की साझा प्रतिबद्धता से नए आयाम विकसित होंगे. इस तरह की पहल से अनुसंधान और नवाचार के सहयोगात्मक प्रयासों से उत्कृष्टता बढेगी. इस अवसर पर विभागीय शिक्षक डॉ. वीना थावरे, डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ. एकता श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे. कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने भागीदारी की.

------//------

खबरों में विश्वविद्यालय

अग्निवीरों के शैक्षणिक उन्नयन की दिशा में विश्वविद्यालय तत्परता से कार्य कर रहा है : कुलपति

कम्युनिटी कॉलेज से 491 अग्निवीरों ने किया सर्टिफिकेट कोर्स

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय भारतीय सेना के अग्निवीरों को रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम प्रदान करने की दिशा में तत्परता से कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज में संचालित 491 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया था। जिनकी परीक्षा संपन्न कराकर परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है।

सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में 320 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया था, जिनमें से 306 अग्निवीरों ने पाठ्यक्रम पूर्ण कर उत्तीर्ण हुए हैं। सर्टिफिकेट कोर्स इन इंटरप्रेन्योरशिप में 171 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया था जिसमें 166 अग्निवीरों ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण किया है। दोनों पाठ्यक्रमों को मिलाकर परीक्षा परिणाम 96.13 प्रतिशत रहा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारतीय सेना के महार रेजिमेंट के अधिकारी मेजर संदीप और लेफ्टिनेंट कर्नल जीएस पाटिल को परीक्षा परिणाम और उनकी अंकसूची सौंपी।

कुलपति ने भारतीय सेना के महार रेजिमेंट के अधिकारियों को सौंपी मार्कशीट

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि भारतीय सेना की एक इकाई के रूप में महार रेजिमेंट जहां बहादुर एवं कुशल सैनिक तैयार कर रही है, वहीं एक विश्वविद्यालय के रूप में हम अपनी भूमिका का निर्वाह करते हुए उन्हें शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता के साथ डिग्री प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। कम्युनिटी कॉलेज अग्निवीरों के लिए उपयोगी नए पाठ्यक्रम भी शुरू करने जा रहा है। इसकी अगली कड़ी में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी जवानों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कम्युनिटी कॉलेज के नोडल अधिकारी प्रो. सुशील कुमार काशव ने बताया कि जिन दो पाठ्यक्रमों में अग्निवीरों को प्रवेश कर उनके परिणाम जारी किए गए, उनमें से एक व्यावसायिक भाषा ज्ञान में विशेष परिपक्वता प्रदान करेगा और दूसरा कम लागत में उद्यमिता के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर अनिल सिंह, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र पी गादेवार, प्रभारी प्रो. सुशील काशव एवं मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित थे।

आयोजन

अग्निवीरों के शैक्षणिक उन्नयन की दिशा में विवि तत्परता से कार्य कर रहा है: कुलपति

भारतीय सेना के महार रेजीमेंट के अधिकारियों को सौंपी अंकसूची

● सागर / राज न्यूज नेटवर्क

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर भारतीय सेना के अग्निवीरों को रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम प्रदान करने की दिशा में तत्परता से कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज में संचालित 491 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया था जिनकी परीक्षा संपन्न कराकर परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है।

सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में 320 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया था जिनमें से 306 अग्निवीरों ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण कर उत्तीर्ण हुए हैं। सर्टिफिकेट कोर्स इन इंटरप्रेन्योरशिप में 171 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया था जिसमें 166 अग्निवीरों ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण किया है। दोनों पाठ्यक्रमों को मिलाकर परीक्षा परिणाम 96.13 प्रतिशत रहा।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा भारतीय सेना के महार रेजीमेंट के अधिकारियों मेजर संदीप और लेफ्टीनेंट कर्नल जीएस पाटिल को परीक्षा परिणाम और उनकी अंकसूची सौंपी गई। इस अवसर पर कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि भारतीय सेना की एक इकाई के रूप में महार रेजीमेंट जहां बहादुर एवं कुशल सैनिक तैयार कर रही है वहीं एक विवि के रूप में हम अपनी भूमिका का निर्वाह करते हुए उन्हें शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता के साथ डिग्री प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं ताकि भारतीय सेना के जवान सेवाकालीन समय में भी अपनी शिक्षा जारी रख सकें। कम्युनिटी कॉलेज अग्निवीरों के लिए उपयोगी नए पाठ्यक्रम भी शुरू करने जा रहा हैं। इसकी अगली कड़ी में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी जवानों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसके माध्यम से अग्निवीरों को बेहतर भविष्य के लिये अपनी शैक्षणिक एवं व्यावसयिक योग्यता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

कम्युनिटी कॉलेज के नोडल अधिकारी प्रो सुशील कुमार काशव ने बताया कि कम्युनिटी कॉलेज के जिन दो पाठ्यक्रमों में अग्निवीरों को प्रवेश कर उनके परिणाम जारी किये गये उनमें से एक अग्निवीरों को व्यावसायिक भाषा ज्ञान में विशेष परिपक्वता प्रदान करेगा और दूसरा कम लागत में उद्यमिता के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर शिक्षा, जेसीओ अनिल सिंह, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डॉ सुरेंद्र पी गादेवार, कम्युनिटी कॉलेज के नोडल प्रभारी प्रो सुशील काशव, मीडिया अधिकारी डॉ विवेक जायसवाल उपस्थित थे। गौरलतब है कि विवि की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में भारतीय सेना के महार रेजीमेंट और विवि के बीच अकादमिक समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किये गये हैं जिसका उद्देश्य महार रेजीमेंट के अधिकारियों, सैनिक, अग्निवीर और उनके परिवारजनों के शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता का उन्नयन है। इसके तहत विवि द्वारा संचालित विभिन्न डिग्री एवं डिप्लोमा प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

आम आदमी के लिए कम खर्चीली न्याय व्यवस्था के लिए व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करने होंगे

विधि शिक्षण विभाग में न्यायिक सुधार विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि शिक्षण विभाग में संविधान दिवस समारोह के उपलक्ष्य में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डा. पी राघवन (भाप्रसे सेनि, पूर्व कलेक्टर एवं कमिश्नर, सागर) द्वारा "न्यायिक सुधार" विषय पर विशेष व्याख्यान एवं 'छात्र संवाद' के माध्यम से विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

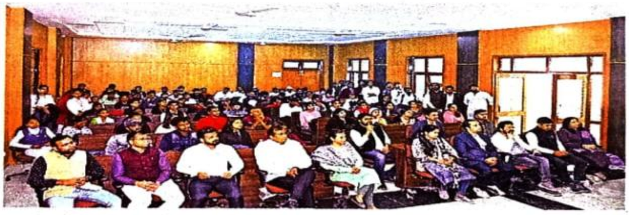

कार्यशाला के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शिक्षक मौजूद थे।● नवदुनिया

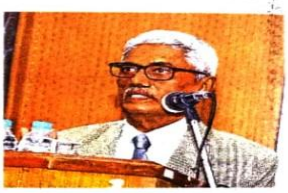

विवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि।● नवदुनिया

इस दौरान संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर संविधान के पालन की शपथ ली गई। विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता डा. राघवन ने न्यायिक सुधार के संबध में त्वरित न्याय, लंबी व खर्चीली न्यायालीन प्रक्रिया, लंबित वादों की संख्या, न्यायाधीशों के रिक्त पद, पक्षकारों को प्रक्रिया के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं एवं न्यायिक जटिलता के संबंध में महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि आम आदमी के लिए त्वरित एवं कम खर्चीली न्याय व्यवस्था के बारे में आवश्यक सुधार करने होंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में न्यायिक सुधारों का प्रबल पक्षधर बनने और व्यस्थात्मक सुधारों के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. वायएस ठाकुर द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन दिया गया। विधि शिक्षण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद भारद्वाज के द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया।

कृष्ण कुमार द्वारा विभाग की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को बताया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डा. विकास अग्रवाल द्वारा विशिष्ट अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया गया। आभार डा. अनुपमा पंडित सक्सेना ने दिया।

इस अवसर पर विवेक दुबे, डा. रामदास राज, डा. रूपाली श्रीवास्तव, भरत सिंह, मुकेश कोरी, कु. ज्योति सोनी, नवनीत सिंह सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थिति रहे।

संविधान दिवस समारोह के अवसर पर न्यायिक सुधार विषय पर व्याख्यान

कम खर्चीला हो न्याय, व्यवस्थाओं में सुधार करने की है ज्यादा जरूरत : डॉ. पी राघवन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि शिक्षण विभाग में संविधान दिवस समारोह के अवसर पर "न्यायिक सुधार" विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया।

विशिष्ट अतिथि पूर्व कलेक्टर डॉ. पी राघवन ने न्यायिक सुधार के संबंध में त्वरित न्याय, लंबी व खर्चीली न्यायालीन प्रक्रिया, लंबित वादों की संख्या, न्यायाधीशों के रिक्त पद, पक्षकारों को प्रक्रिया के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं, एवं न्यायिक जटिलता के संबंध में महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि आम आदमी के लिए त्वरित एवं कम खर्चीली न्याय व्यवस्था के बारे में व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करने होंगे। इसके अतिरिक्त उन्होंने शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. वायएस ठाकुर ने विभिन्न पक्षों सहित वर्तमान समस्याओं पर प्रकाश डाला। विधि शिक्षण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद भारद्वाज ने स्वागत उद्बोधन दिया। कृष्ण कुमार के ने विभाग की गतिविधियों को बताया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विकास अग्रवाल ने अतिथि परिचय प्रस्तुत किया गया। आभार डॉ. अनुपमा पंडित सक्सेना ने दिया।

इस अवसर पर विवेक दुबे, डॉ. रामदास राज, डॉ. रूपाली श्रीवास्तव, भरत सिंह, मुकेश कोरी, ज्योति सोनी, नवनीत सिंह एवं समस्त शोध छात्र एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थिति रहे।

पत्रिका सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह और बीना में प्रकाशित हुई खबरों की फाइल कुलपति को सौंपी, प्रधानमंत्री कार्यालय भेजी जाएगी

25 जनवरी को हो सकती है भारत रत्न की घोषणा, सभी कर रहे प्रयासः कुलपति

डॉ. हरिसिंह गौर को मिले भारत रत्न, विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भी लिखा पोस्टकार्ड

155वीं जयंती पर विशेष
पत्रिका
सागर के गौरव 'सर गौर'

पत्रिका के आह्वान के बाद बुंदेलखंड में लिखे जा चुके हैं अब तक 27 हजार से ज्यादा पोस्टकार्ड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. दानवीर, शिक्षाविद डॉ. सर हरिसिंह गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए पत्रिका के आह्वान पर पोस्टकार्ड अभियान पूरे बुंदेलखंड में चल रहा है। संभाग में 27 हजार से अधिक पोस्टकार्ड लिखकर प्रधानमंत्री कार्यालय तक भेजे जा चुके हैं।

मंगलवार को डॉ. हरिसिंह गौर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भी पोस्टकार्ड लिखा और पीएमओ कार्यालय भेजा। इस मौके पर पत्रिका की टीम ने उन्हें पोस्टकार्ड अभियान की जानकारी दी। साथ ही एक माह से किए जा रहे प्रयासों, लगातार प्रकाशित हो रहीं खबरों की फाइल सौंपी। कुलपति इस फाइल को प्रधानमंत्री कार्यालय भेजेंगी।

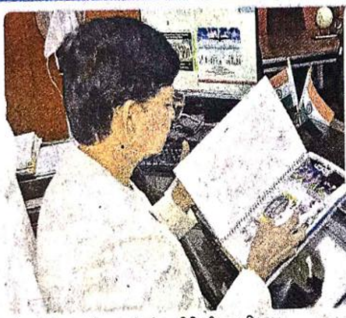

पत्रिका अभियान की फाइल देखते हुए विवि की कुलपति।

डॉ.हरिसिंह गौर विवि की कुलपति डॉ. नीलिमा गुप्ता को भारत रत्न दिलाने संबंधी प्रकाशित खबरों की फाइल सौंपते हुए पत्रिका सागर के संपादकीय प्रभारी प्रवेंद्र तोमर।

प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डॉ. हरिसिंह गौर को भारत रत्न मिलना चाहिए और इसके लिए हम सभी सामूहिक प्रयास कर रहे हैं। इस बार उम्मीद है कि 25 जनवरी 2025 को भारत रत्न मिलने की घोषणा हो जाए। उन्होंने पीएमओ कार्यालय में यह जानकारी भेजी है कि डॉ. हरिसिंह गौर को भारत रत्न क्यों मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि डॉ. गौर ने जो कल्पना कि और उसे साकार किया। उन्होंने पत्रिका के अभियान की तारीफ की। कहा कि 27 हजार पोस्टकार्ड का लेखन बड़ी बात है। ऐसे ही सामूहिक प्रयासों से हम आगे बढ़ेंगे।

100 से अधिक स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी हुए शामिल

पोस्टकार्ड अभियान में सागर संभाग के 100 से ज्यादा स्कूल और कॉलेज शामिल हुए हैं। वहीं व्यापारी, समाजसेवी संगठन, जन प्रतिनिधियों ने भी पत्रिका के आह्वान पर पोस्टकार्ड लिखकर पीएमओ भेजे हैं। अधिवक्ता और व्यापारी भी इस मुहिम में शामिल हुए हैं। सागर के शासकीय स्कूल रविशंकर में छात्राओं ने भारत रत्न के आकार की मानव श्रृंखला बनाकर भारत रत्न देने की मांग की थी।

शिकायत करें

विवि के शोधार्थी मनीष ने जैविक विज्ञान श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता

सागर| डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के शोधार्थी मनीष कुमार मांझी ने राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के 94वें वार्षिक सत्र में जैविक विज्ञान श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता। भोपाल में हुए आयोजन के पुरस्कार विजेता पोस्टर का शीर्षक \'कोर्डिया मिक्सा के फलों के अर्क का उपयोग करके मैग्नीज ऑक्साइड नैनो कणों का जैव संश्लेषण और रोगजनक सूक्ष्म जीवों के विरुद्ध इस की संभावित प्रभावशीलता था। जिसमें पर्यावरण-अनुकूल नैनो कण संश्लेषण और उनके रोगाणु रोधी अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला गया। मनीष डॉ. चंद्रमा प्रकाश उपाध्याय के मार्गदर्शन में एक परियोजना पर कार्य कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के शोधार्थी ने सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता

सागर। डॉ हरीसिंह गौर विश्ववद्यालय सागर के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के शोधार्थी मनीष कुमार मांझी ने राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत के 94वें वार्षिक सत्र में जैविक विज्ञान श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीत कर संस्थान का नाम रोशन किया। यह आयोजन 1 से 3 दिसंबर के बीच आईआईएसईआर भोपाल में विकसित *भारत की ओर त्वरित अनुसंधान और विकास विषय पर आधारित था।*

पुरस्कार विजेता पोस्टर का शीर्षक कोर्डिया मिक्सा के फलों के अर्क का उपयोग करके मैंगनीज ऑक्साइड नैनो कणों का जैव संश्लेषण और रोगजनक सूक्ष्म जीवों के विरुद्ध इस की संभावित प्रभाव शीलता था, जिसमें पर्यावरण अनुकूल नैनो कण संश्लेषण और उनके रोगाणुरोधी अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला गया। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत द्वारा शोधार्थी को इस सत्र में भाग लेने के लिए टीए और आवास की सुविधा प्रदान की गई। वर्तमान में मनीष डॉ चंद्रमा प्रकाश उपाध्याय के मार्गदर्शन में रोगजनक सूक्ष्म जीवों को समाप्त करने और पौधों के रोगों को नियंत्रित करने के लिए ऑर्गेनोसल्फर युक्त सॉलिड लिपिड नैनो कणों पर एक परियोजना पर कार्य कर रहे हैं। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की नवाचारी वैज्ञानिक शोध में बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाती है।

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 'उल्लास' नव साक्षरता अभियान के अंतर्गत जागरूकता-प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

जनचिंगारी- 9302303212

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा निर्देशित विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए स्वयंसेवक (वालंटियर) के रूप में जन भारत साक्षरता कार्यक्रम 'उल्लास' एप पर नामांकन एवं क्रियान्वयन हेतु एक जागरूकता-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 05 दिसम्बर, 2024 को समय 03 बजे से किया गया. जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में प्रौढ़ साक्षरता को बढ़ावा देने और प्रौढ़शिक्षा के महत्व पर जन जागरूकता करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रशांत तिवारी, जिला समन्वयक, प्रौढ़ शिक्षा विभाग, सागर ने उद्देश्यों और महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से इस पुनीत कार्य में सहभागिता करने हेतु अधिक से अधिक उल्लास एप पर पंजीकरण करने का आह्वान किया. इसी क्रम में खंड समन्वयक श्रीमती प्रतिभा तिवारी ने कहा कि नव साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना सीखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तियों को जीवन कौशल सिखाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शिक्षाशास्त्र विभाग विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ ग्रामीण समुदायों और समाज के वंचित वर्गों के लिए साक्षरता के महत्व को रेखांकित किया. साथ ही प्रतिभागियों को बुनियादी पढ़ने-लिखने और गणित के कौशल सिखाने के लिए विशेष कार्यशालाएँ आयोजित करने का आश्वासन भी दिया।

कार्यक्रम में अरविन्द कुमार सोनी, प्रौढ़ शिक्षा विभाग ने उल्लास एप के बारे में चर्चा करते हुए विद्यार्थियों से इस पर पंजीकरण एवं उसके माध्यम से क्रियाकलाप को साझा किया। इस अवसर पर डॉ. रानी दुबे, डॉ. अनूपी समैया, डॉ. रजनीश अग्रहरि, डॉ. नवीन सिंह, डॉ. शिवशंकर, डॉ. अखंड शर्मा, डॉ. रमाकांत, डॉ. प्रवीण टीडी, योगेश सिंह सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सावन कुमारी एवं आभार डॉ. पुष्पिता राजावत ने किया।

प्रशिक्षक

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 'उल्लास' नव साक्षरता अभियान के अंतर्गत जागरूकता-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नव साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना सीखने तक सीमित नहीं : प्रशांत तिवारी

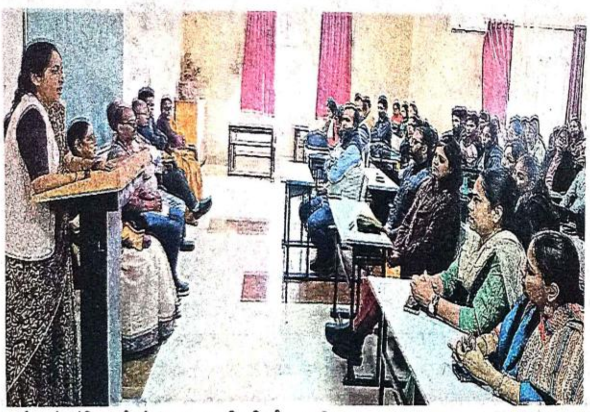

कार्यक्रम को संबोधित करती हुई खंड समन्वयक प्रतिभा तिवारी। • नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए स्वयंसेवक के रूप में जन भारत साक्षरता के लिए उल्लास एप पर नामांकन एवं क्रियान्वयन के लिए जागरूकता-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य समाज में प्रौढ़ साक्षरता को बढ़ावा देने और प्रौढ़शिक्षा के महत्व पर जन जागरूकता करना था। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रौढ़ शिक्षा विभाग के जिला समन्वयक प्रशांत तिवारी ने उद्देश्यों और महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से इस पुनीत कार्य में सहभागिता करने हेतु अधिक से अधिक उल्लास एप पर पंजीकरण करने का आह्वान किया। खंड समन्वयक प्रतिभा तिवारी ने कहा कि नव साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना सीखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तियों को जीवन कौशल सिखाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कौशल सिखाने होती रहेंगी कार्यशालाएं : कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शिक्षाशास्त्र विभाग विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ ग्रामीण समुदायों और समाज के वंचित वर्गों के लिए साक्षरता के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही प्रतिभागियों को बुनियादी पढ़ने-लिखने और गणित के कौशल सिखाने के लिए विशेष कार्यशालाएं आयोजित करने का आश्वासन भी दिया।

कार्यक्रम में अरविन्द कुमार सोनी प्रौढ़ शिक्षा विभाग ने उल्लास एप के बारे में चर्चा करते हुए विद्यार्थियों से इस पर पंजीकरण एवं उसके माध्यम से क्रियाकलाप को साझा किया। इस अवसर पर डा. रानी दुबे, डा. अनूपी समैया, डा. रजनीश अग्रहरि, डा. नवीन सिंह, डा. शिवशंकर, डा. अखंड शर्मा, डा. रमाकांत, डा. प्रवीण टीडी, योगेश सिंह सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. सावन कुमारी एवं आभार डा. पुष्पिता राजावत ने किया।

जिले की सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाशित हुई प्रथम काफी टेबल बुक का विमोचन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में सागर जिले की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया।

इस विशेष पुस्तक का विमोचन कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल और कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया। कॉफी टेबल बुक का संपादन प्रो. नागेश दुबे और प्रो. बीके श्रीवास्तव ने किया, और इसमें कई प्रमुख संपादक मंडल सदस्य शामिल रहे, जैसे डॉ. सुरेंद्र कुमार यादव, डॉ. राघवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. शिवकुमार पारोच, डॉ. मशकूर अहमद कादरी और अन्य। इस पुस्तक का प्रकाशन मप्र शासन के संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय भोपाल द्वारा किया गया है। इस पुस्तक में सागर जिले के प्रागैतिहासिक काल से लेकर 20वीं शताब्दी तक की सांस्कृतिक यात्रा को चित्रों और शोधपरक विवरणों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में जिले के प्रमुख पुरास्थल जैसे एरण, चित्रित शैलाश्रय, ऐतिहासिक मंदिर, गढ़पहरा, धामोनी, राहतगढ़ जैसे किले, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, पुरातत्व संग्रहालय, जिला पुरातत्व संग्रहालय और सागर शहर की अन्य महत्वपूर्ण विरासतों का समावेश किया गया है। पुस्तक के 189 पृष्ठों में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में विस्तृत जानकारी दी गई है, जिससे विद्यार्थी, शोधार्थी और आम जन सागर के समृद्ध इतिहास और संस्कृति के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा यह पुस्तक सागर की सांस्कृतिक विरासत को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त करने का प्रयास है और इसे संकलित कर प्रस्तुत किया गया है।

शैक्षिक उन्नयन से संभव है जातिविहीन समाज की संकल्पना : प्रो. वाय. एस. ठाकुर

मानवीय गरिमा की रक्षा के लिए डॉ. अम्बेडकर ने आजीवन लड़ाई लड़ीः डॉ. दिलीप सिंह

सागर(एसबीन्यूज)। डॉ. हरीसिंह विश्वविद्यालय सागर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर डॉ. आंबेडकर चेयर के तत्वावधान में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्या वक्ता भारत सरकार के संचार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. दिलीप सिंह थे। अध्यक्षता प्रभारी कुलपति प्रो. वाय एस ठाकुर ने की। स्वागत भाषण देते हुए डॉ. अम्बेडकर चेयर के प्रभारी प्रो. राजेश गौतम ने संविधान के प्रस्तावना का वाचन कराया। डॉ. दिलीप सिंह ने कहा कि बाबा साहब ने ऐसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आन्दोलन चलाया जो सामाजिक और पारंपरिक प्रथाओं के नाम की जा रही थी। सती प्रथा, अपृश्यता, बाल विवाह जैसी अमानवीय प्रथाएं संस्कृति के नाम पर की जा रही थीं. एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था जो मानवीय गरिमा के विरुद्ध थी, डॉ. आंबेडकर ने उसके उन्मूलन के लिए आजीवन प्रयास किया। डॉ. अम्बेडकर सामाजिक बदलाव चाहते थे. उनका मानना था कि जाति की समस्या मानसिक समस्या है जिसे जन्म से जोड़कर देखा जाने लगा. वे वैचारिक स्वतंत्रता, स्वतंत्र अभिव्यक्ति, वैयाक्तिक स्वतंत्रता, नागरिक अधिकार, मानवीय गरिमा के पक्षधर थे। पूरे विश्व में उन्होंने इसके लिए लड़ाई लड़ी. उन्होंने इस सम्बन्ध में गांधी, अम्बेडकर और सावरकार के विचारों का भी उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर चातुर्वर्ण व्यवस्था पर प्रहार करना चाहते थे क्योंकि उनका मानना था कि मानवीय गरिमा को बनाए और बचाए रखने के लिए वर्ण व्यवस्था का समाप्त होना आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये प्रभारी कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर ने कहा कि दुनिया के कई विकसित देशों में सरनेम की उपयोग कम किया जाता है इसलिए ऐसे देशों में जातिवाद की समस्या कम पाई जाती है. जाति की पहचान अज्ञानता के कारण है। यदि मनुष्य और समाज विकसित एवं ज्ञान आधारित होगा तो वह अपनी पहचान को अपनी प्रतिभा, कर्म एवं व्यक्तित्व से निर्मित करेगा. शैक्षिक उन्नयन से ही जातिविहीन समाज की संकल्पना संभव है. प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने कहा कि डॉ. बी. आर अम्बेडकर ने समग्र दृष्टि से काम किया जिसके कारण उनके विचार एवं कार्य केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक हैं. उनके कार्यों को पूरी दुनिया में महत्त्व दिया जाता है. प्रो. कालीनाथ झा एवं डॉ. देवेन्द्र कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

आयोजन में प्रो. नवीन कानगो, प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, प्रो. उतसव आनंद, प्रो. अनिल जैन, प्रो. एन पी सिंह, उप कुलसचिव सतीश कुमार, सहायक कुलसचिव आर.के पाल, डॉ. वीरेन्द्र मसटानिया, डॉ. रेखा सोलंकी, डॉ. आशुतोष, डॉ. हिमांशु, डॉ. किरण आर्य, डॉ. रामहेत गौतम, डॉ. अरविन्द सहित कई शिक्षक,कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

भारतीय ज्ञान परंपरा अमूल्य धरोहर है जो व्यक्तियों को मन से जोड़ती है : प्रो. दिवाकर शुक्ला

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के वैदिक अध्ययन विभाग द्वारा शुक्रवार को विभागीय स्थापना दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्घघाटन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर दिवाकर शुक्ला ने दीप प्रज्वलन कर किया। सरस्वती वन्दना करिश्मा अहिरवार एवं श्रेया राजपूत ने की।

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर दिवाकर शुक्ला ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा भारतवर्ष की अमूल्य धरोहर है। हमारी परम्पराएं व्यक्तियों को मन से जोड़ती हैं तथा एक-दूसरे का सम्मान करना सिखाती हैं। ज्ञान का प्रवाह श्रद्धा भाव से उत्पन्न होता है। भारतीय वेदों, शास्त्रों में गूढ़ ज्ञान छिपा हुआ है जिसे खोजकर जन-जन तक पहुंचाना हम सभी का कर्तव्य है। डा. खेड़लेकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों में भारतीय ज्ञान भरा पड़ा था जो कि समय के साथ विलुप्त हो गया जो कुछ भी उपलब्ध है उसे पुनः हासिल करना है।

वैदिक अध्ययन विभाग में शुक्रवार को विभागीय स्थापना दिवस मनाया गया। • नवदुनिया

भारतीय ऋषि-मुनियों ने परमाणु की अवधारणा को परिभाषित किया था। डा. आयुष गुप्ता ने गुरूत्वाकर्षण सिद्धांत एवं सूत्रों की अवधारणा पर प्रकाश डाला। शिवानी खरे ने वैदिक गणित की तकनीक एवं सुगम गणना के वैदिक सिद्धांतों की जानकारी दी।

वैदिक ज्ञान पर क्विज प्रतियोगिता हुई. शोधार्थियों ने वैदिक गीतों का पाठ किया। कुमारी स्नेहा जैन ने रसोई-हस्पताल की अवधारणा प्रस्तुत की, जिसमें रसोई में आयुर्वेदिक मसालों से रागों के निवारण का ज्ञान समाहित था। महिमा चौबे द्वारा वैदिक गणित गणनाओं पर प्रस्तुतीकरण किया। चन्द्रभान ने महान व्यक्ति आर्यभट्ट के योगदान पर प्रकाश डाला। रंगोली प्रतियोगिता प्रार्थना साहू ने जीती एवं पोस्टर प्रतियोगिता की विजेता अंशिका जैन थी। आयुर्वेद क्विज प्रश्नमंच के विजेता हर्षित, रितिक, अनुज, सौरभ, शुभांकर, करिष्मा, आशिका जैन, विशाल, हिमांशु, शिवानी आदि रहे। वैदिक विभाग के विद्यार्थी निधि सेन, शुभम, चन्द्रभान, देशना, अनुज पटेल, जितेन्द्र, महिमा, शिखा, करिश्मा, रितिक, आस्था जैन, दीप्ती साहू, विनीता द्विवेदी, ममता, दीप्ती पाण्डे, निधि ठाकुर आदि कार्यक्रम में उपस्थित थे।

'नव साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना सीखने तक सीमित नहीं है'

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए स्वयंसेवक के रूप में जन भारत साक्षरता कार्यक्रम उल्लास एप पर नामांकन एवं क्रियान्वयन के लिए जागरुकता-प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। इसका उद्देश्य समाज में प्रौढ़ साक्षरता को बढ़ावा देने और प्रौढ़ शिक्षा के महत्व को जागरूक करना था। प्रौढ़ शिक्षा विभाग के जिला समन्वयक प्रशांत तिवारी ने विद्यार्थियों से इस पुनीत कार्य में सहभागिता करने के लिए अधिक से अधिक उल्लास एप पर पंजीकरण करने का आह्वान किया। प्रतिभा तिवारी ने कहा नव साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना सीखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तियों को जीवन कौशल सिखाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने की। अरविन्द कुमार सोनी ने विद्यार्थियों को एप पर पंजीकरण एवं उसके माध्यम से क्रियाकलाप को साझा किया। इस मौके पर पर डॉ. रानी दुबे, डॉ. अनूपी समैया, डॉ. रजनीश अग्रहरि, डॉ. नवीन सिंह, डॉ. शिवशंकर, डॉ. अखंड शर्मा आदि मौजूद थे। संचालन डॉ. सावन कुमारी ने किया। आभार डॉ. पुष्पिता राजावत ने माना।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध छात्रा आकांक्षा नामदेव ने किया शोध पत्र प्रस्तुत

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर जीवनपर्यंत शिक्षा विभाग की शोध छात्रा आकांक्षा नामदेव ने त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल में 8-9 दिसंबर को 'समावेशी शिक्षा के परिप्रेक्ष्य और क्रियान्वयनः मुद्दे, सीखे गए सबक और भविष्य की दिशाएं' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में अंडरस्टैंडिंग द इंक्लूजन, इन्क्लूजिविटी एंड इन्क्लूसिवनेस : थ्रू पॉलिसी डिस्कोर्स विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने भारत सहित वैश्विक परिदृश्य में 'विकलांगता की अवधारणा की एक ऐतिहासिक और उद्विकासीय पड़ताल करके भारत की शिक्षा नीतियों में उसके प्रभावों पर प्रकाश डाला। सुश्री आकांक्षा को दिव्यांगता के अनुभव विषय पर आयोजित परिचर्चा में विषय विशेषज्ञ के रूप में विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया, जहां उन्होंने अपने शिक्षायी अनुभवों के आधार पर दिव्यांगता से सशक्तिकरण की यात्रा को प्रस्तुत किया। पत्र वाचन के लिए त्रिभुवन विश्वविद्यालय ने यात्रा हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की है। आकांक्षा नामदेव स्वतंत्रता पश्चात भारत में शिक्षा नीतियों के सामाजिक, राजनैतिक परिप्रेक्ष्य पर अपना शोध कार्य कर रही है।

टीकमगढ़, मंगलवार 10 दिसम्बर, 2024 2

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध छात्रा आकांक्षा नामदेव ने किया शोध पत्र प्रस्तुत

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर जीवनपर्यंत शिक्षा विभाग की शोध छात्रा सुश्री आकांक्षा नामदेव ने त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल में 8-9 दिसंबर को समावेशी शिक्षा के परिप्रेक्ष्य और क्रियान्वयनः मुद्दे, सीखे गए सबक और भविष्य की दिशाएँ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में अंडरस्टैंडिंग द इंक्लूजन, इन्क्लूजिविटी एंड इन्क्लूसिवनेस : थ्रू पॉलिसी डिस्कोर्स विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने भारत सहित वैश्विक परिदृश्य में विकलांगता की अवधारणा की एक ऐतिहासिक और उद्विकासीय पड़ताल करके भारत की शिक्षा नीतियों में उसके प्रभावों पर प्रकाश डाला। सुश्री आकांक्षा को दिव्यांगता के अनुभव विषय पर आयोजित परिचर्चा में विषय विशेषज्ञ के रूप में विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया। जहां उन्होंने अपने शिक्षायी अनुभवों के आधार पर दिव्यांगता से सशक्तिकरण की यात्रा को प्रस्तुत किया। पत्र वाचन के लिए त्रिभुवन विश्वविद्यालय ने यात्रा हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की है। सुश्री आकांक्षा नामदेव स्वतंत्रता पश्चात भारत में शिक्षा नीतियों के सामाजिक, राजनैतिक परिप्रेक्ष्य पर अपना शोध कार्य कर रही है।

दैनिक जनचिंगारी सागर/आस पास भोपाल, गुरुवार

विविधता में एकता की अद्भुत मिसाल है डॉ. गौर विश्वविद्यालयः कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

भारतीय भाषा उत्सव-विभिन्न भाषाओं में रचनात्मक प्रस्तुतियों से दिया अनेकता में एकता का संदेश

दै.जनचिंगारी

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के कैली कैंपस (पथरिया जाट) स्थित कौटिल्य भवन में संचालित अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान विभाग में अनेकता में एकता थीम पर 'भारतीय भाषा उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने माँ सरस्वती एवं डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया. इस अवसर पर प्रो. नवीन कान्गो, प्रो देवाशीष बोस एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय मंचासीन थे. स्वागत भाषण प्रो. देवाशीष बोस ने दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय इस मायने में अपने आप में अनूठा है कि यहाँ लगभग सभी भारतीय भाषा-भाषी शिक्षक और विद्यार्थी हैं. यह अनेकता में एकता की अप्रतिम मिसाल है. भारत सरकार की मंशा के तहत हमारा विश्वविद्यालय भारतीय भाषाओं और मातृभाषाओं को लेकर संजीदगी से कार्य कर रहा है. कई भाषाओं का प्रतिनिधि करने वाले हमारे शिक्षक और विद्यार्थी एक बहुसांस्कृतिक वातावरण का निर्माण कर रहे हैं जो विविधता में एकता प्रकट करते हैं. विश्वविद्यालय में 25 राज्यों के विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं. विविधता का एक स्थान पर होने वाला यह संगम सबको एक सूत्र में बांधता है. उन्होंने विभिन्न भाषाओं में प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर इन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के सदस्यों ने जिसमें बांग्ला, अरुणाचली, नागामेसे में डॉ पुष्पा घोष, गुजराती में डॉ रूपेंद्र जुगल चौरसिया, कन्नड़ में डॉ. मोहन टी ए, मैथिली में डॉ कालीनाथ झा, मलयालम में डॉ. सतीस सी, मणिपुरी में प्रो. ए के सिंह, मराठी में प्रो नवीन कांगो, उड़िया में डॉ महेश्वर पांडा, संस्कृत में डॉ किरण आर्या, पंजाबी में डॉ. वंदना विनायक, तमिल में डॉ. महेंद्र सिम्हा, तेलगु में डॉ चिट्टीबाबू, उर्दू में डॉ. वसीम अनवर, बुन्देली में प्रो. राजेंद्र यादव ने भारतीय भाषाओं में अपनी प्रस्तुतियाँ दी।

डॉ. गौर के स्केच चित्र का कुलपति ने किया अनावरण, विद्यार्थियों ने बनाई आकर्षक रंगोली : कार्यक्रम से पूर्व विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डॉ. हरीसिंह गौर के स्केच चित्र का अनावरण किया और पुष्पांजलि दी. इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विविधता में एकता का संदेश देती हुई आकर्षक रंगोली भी बनाई गई जिसमें भारत के मानचित्र के साथ विभिन्न संस्कृतियों का चित्रण किया गया।

दैनिक दबंग बुन्देलखण्ड
सच का साहस.......

सागर

विविधता में एकता की अद्भुत मिसाल है डॉ. गौर विश्वविद्यालय : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के वैली कैंपस (पथरिया जाट) स्थित कौटिल्य भवन में संचालित अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान विभाग में अनेकता में एकता थीम पर भारतीय भाषा उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने माँ सरस्वती एवं डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर प्रो. नवीन कानगो, प्रो देवाशीष बोस एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय मंचासीन थे. स्वागत भाषण प्रो. देवाशीष बोस ने दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय इस मायने में अपने आप में अनूठा है कि यहाँ लगभग सभी भारतीय भाषा-भाषी शिक्षक और विद्यार्थी हैं। यह अनेकता में एकता की अप्रतिम मिसाल है। भारत सरकार की मंशा के तहत हमारा विश्वविद्यालय भारतीय भाषाओं और मातृभाषाओं को लेकर संजीदगी से कार्य कर रहा है। कई भाषाओं का प्रतिनिधि करने वाले हमारे शिक्षक और विद्यार्थी एक बहुसांस्कृतिक वातावरण का निर्माण कर रहे हैं जो विविधता में एकता प्रकट करते हैं। विश्वविद्यालय में 25 राज्यों के विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। विविधता का एक स्थान पर होने वाला यह संगम सबको एक सूत्र में बांधता है। उन्होंने विभिन्न भाषाओं में

प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर इन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के सदस्यों ने जिसमें बांग्ला, अरुणाचली, नागामेसे में डॉ पुष्पा घोष, गुजराती में डॉ रूपेंद्र जुगल चौरसिया, कन्नड़ में डॉ. मोहन टी ए, मैथिली में डॉ कालीनाथ झा, मलयालम में डॉ. सतीस सी, मणिपुरी में प्रो. ए के सिंह, मराठी में प्रो नवीन कांगो, उड़िया में डॉ महेश्वर पांडा, संस्कृत में डॉ किरण आर्या, पंजाबी में डॉ. वंदना विनायक, तमिल में डॉ. महेंद्र सिम्हा, तेलगु में डॉ चिट्टीबाबू, उर्दू में डॉ. वसीम अनवर, बुन्देली में प्रो. राजेंद्र यादव ने भारतीय भाषाओं में अपनी प्रस्तुतियाँ दी। डॉ. गौर के स्केच चित्र का कुलपति ने किया अनावरण, विद्यार्थियों ने बनाई आकर्षक रंगोली कार्यक्रम से पूर्व विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डॉ. हरीसिंह गौर के स्केच चित्र का अनावरण किया और पुष्पांजलि दी। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विविधता में एकता का संदेश देती हुई आकर्षक रंगोली भी बनाई गई। जिसमें भारत के मानचित्र के साथ विभिन्न संस्कृतियों का चित्रण किया गया। बंगाली, गुजराती, मराठी, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु भाषाओं में शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन इस अवसर पर कुलपति ने भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा विभिन्न भारतीय भाषाओं बंगाली, गुजराती, मराठी, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु भाषाओं में शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों के डिजिटल संस्करण का विमोचन किया. डॉ. रूपेंद्र चौरसिया ने गुजराती में क्लाउड कम्प्यूटिंग, प्रो. देवाशीष बोस ने बंगाली में एविडेंस-फिंगर प्रिंट, डॉ. किरण आर्य ने संस्कृत में श्री हर्ष प्रणीतम नैशधीय चरितं, डॉ. महेंद्र सिंह कर्ण ने तमिल में फंडामेंटल ऑफ क्रिमिनोलॉजी, डॉ. चिट्टी बाबू ने तेलुगु में प्रौढ़ शिक्षा, प्रो. नवीन कानगो ने मराठी में प्रायोगिक सूक्ष्म विज्ञान शीर्षक से पुस्तकों का लेखन किया है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विविध भारतीय भाषाओं के प्रतिनिधि विद्यार्थी ने रंगोली, पोस्टर एवं परिधान प्रदर्शनी में प्रतिभागिता की। आयोजन में सभी राज्यों के आकर्षक परिधानों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न भारतीय भाषाओं को एक मंच प्रदान करना था। वर्तमान में विश्वविद्यालय में 15 से अधिक भाषा-भाषी विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं और इतने ही भाषा-भाषी शिक्षक अध्यापन में संलग्न हैं। यह आयोजन सामासिक संस्कृति एवं अनेकता में एकता के भाव को प्रदर्शित करने के उद्धेश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्वयक एवं भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. देवाशीष बोस थे. संचालन डॉ. किरण आर्य ने किया और आभार ज्ञापन डॉ. नौनिहाल गौतम ने किया. कार्यक्रम में प्रो. ममता पटेल, डॉ. मुकेश चौरसिया, डॉ. विवेक मेहता, प्रो. हैरेल थामस, प्रो. जे के मिश्रा, डॉ अभिलाषा बोस, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. आशुतोष, प्रो. राजेन्द्र यादव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं अधिकारी उपस्थित थे।

डॉक्टर गौर विश्वविद्यालय विविधता में एकता की अद्भुत मिसाल जैसाः कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के वैली कैंपस (पथरिया जाट) स्थित कौटिल्य भवन में संचालित अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान विभाग में अनेकता में एकता थीम पर 'भारतीय भाषा उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने माँ सरस्वती एवं डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर प्रो. नवीन कानगो, प्रो देवाशीष बोस एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय मंचासीन थे। स्वागत भाषण प्रो. देवाशीष बोस ने दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय इस मायने में अपने आप में अनूठा है कि यहाँ लगभग सभी भारतीय भाषा-भाषी शिक्षक और विद्यार्थी हैं। यह अनेकता में एकता की अप्रतिम मिसाल है। भारत सरकार की मंशा के तहत हमारा विश्वविद्यालय भारतीय भाषाओं और मातृभाषाओं को लेकर संजीदगी से कार्य कर रहा है। कई भाषाओं का प्रतिनिधि करने वाले हमारे शिक्षक और विद्यार्थी एक बहुसांस्कृतिक वातावरण का निर्माण कर रहे हैं जो विविधता में एकता प्रकट करते हैं। विश्वविद्यालय में 25 राज्यों के विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। विविधता का एक स्थान पर होने वाला यह संगम सबको एक सूत्र में बांधता है। उन्होंने विभिन्न भाषाओं में प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर इन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।

कार्यक्रम में भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के सदस्यों ने जिसमें बांग्ला, अरुणाचली, नागामेसे में डॉ पुष्पा घोष, गुजराती में डॉ रूपेंद्र जुगल चौरसिया, कन्नड़ में डॉ. मोहन टी ए, मैथिली में डॉ कालीनाथ झा, मलयालम में डॉ. सतीस सी, मणिपुरी में प्रो. ए के सिंह, मराठी में प्रो नवीन कांगो, उड़िया में डॉ महेश्वर पांडा, संस्कृत में डॉ किरण आर्या, पंजाबी में डॉ. वंदना विनायक, तमिल में डॉ. महेंद्र सिम्हा, तेलगु में डॉ चिट्टीबाबू, उर्दू में डॉ. वसीम अनवर, बुन्देली में प्रो. राजेंद्र यादव ने भारतीय भाषाओं में अपनी प्रस्तुतियाँ दी।

उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्व से सुनिश्चित होगी विकसित भारत की संकल्पना : कुलपति

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। शिक्षा मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आई आई टी दिल्ली के डोगरा सभागार में वूमेन लीडर्स शेपिंग एकेडमिक एक्सीलेंस फॉर विकसित भारत 2047 विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. धर्मेन्द्र प्रधान, शिक्षा मंत्री भारत सरकार, केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री डॉ. सुकांता मजूमदार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उपाध्यक्ष प्रो. दीपक श्रीवास्तव थे। इस अवसर पर डॉक्टर हरीसिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इन विजनिंग द फ्यूचर ऑफ वूमेन इन हायर एजुकेशन लीडरशिप फॉर विकसित भारत 2047 विषय पर उद्बोधन दिया।

उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि देश की वर्क फोर्स में 35-40 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। वर्ष 2047 तक 110 मिलियन अतिरिक्त संख्या के साथ यह आंकड़ा 45 प्रतिशत तक पहुँच जायेगी। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी यह कहा है कि विकसित भारत की संकल्प यात्रा में महिलाओं की महती और केंद्रीय भूमिका है। महिलाओं के महत्त्वपूर्ण भागीदारी और योगदान से विकसित भारत की संकल्पना अवश्य पूरी होगी। उन्होंने भारत सरकार के महिला सशक्तीकरण के लिए संचालित बेटी बचाओ,-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, उड़ान, सुकन्या समृद्धि योजना, मिशन इन्द्रधनुष, महिला शक्ति केंद्र, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, महिला ई-हाट, प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, महिला समाख्या कार्यक्रम, स्वाधार गृह योजना जैसी महत्त्वपूर्ण योजनाओं के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि ये महत्त्वाकांक्षी योजनायें बेटियों एवं महिलाओं के सशक्तीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने शहरी और ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण के विभिन्न प्रारूपों की भी चर्चा की। जिनमें महिला उद्यमिता और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की बात प्रमुखता से कही। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक ईको सिस्टम बनाना होगा और समग्रता में सभी चुनौतियों को भी हल करना होगा। इसके लिए उन्हें आर्थिक सहायता, कौशल विकास, मेंटरशिप जैसे कई रास्ते भी सुझाए साथ ही घरेलू उद्योग, क्षमता वर्धन कार्यक्रम, पूंजी निवेश और पहुँच, सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की। शहरी क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण के लिए विभिन्न व्यावसायिक कौशल, काउसिलिंग, घरेलू कार्यों के साथ प्रबंधन एवं रोजगार के अवसरों में बढ़ोत्तरी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग जैसी मिश्रित प्रविधियों की चर्चा। उन्होंने कहा कि शासन व्यवस्था और राजनीति में भी महिला नेतृत्व और उनकी भागीदारी बढ़ाने के सुदृढ़ प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए पारदर्शी एवं समान प्रतिनिधित्व, सुनिश्चित राजनीतिक भागीदारी के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण और जेंडर भेद को समाप्त करने एवं महिलाओं को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों की आवश्यकता है। उन्होंने उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्व की स्थिति को आंकड़ों के माध्यम से प्रस्तुत किया और बढ़ती महिला नेतृत्व एवं भागीदारी को प्रदर्शित करने वाले उदाहरण भी प्रस्तुत किये। उन्होंने भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले से लेकर कादम्बिनी गांगुली, इंदिरा गांधी, मेघना मल्होत्रा जैसे महत्त्वपूर्ण हस्ताक्षरों का भी उल्लेख किया। उन्होंने उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्व की भागीदारी बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा कि आज भारत में उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्व 10 प्रतिशत से भी कम है जबकि उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 50 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि इतिहास में भले ही हम यह नहीं कर पाए लेकिन भविष्य के द्वार खुले हैं। उन्होंने डॉ. हरीसिंह गौर विवि सहित देश के कई विश्वविद्यालयों में प्रथम कुलपति के रूप में महिला नेतृत्व के कदम को सुखद बताते हुए कहा कि इस परिवर्तन से डॉ. हरीसिंह गौर विवि में छात्राओं और महिला शिक्षिकाओं में बढ़ोत्तरी हुई है। विवि के विद्यापरिषद, कार्यपरिषद, विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष सहित प्रशासनिक और अन्य महत्त्वपूर्ण पदों पर भी महिला भागीदारी और नेतृत्व में बढ़ोत्तरी हुई है। यह बढ़ोत्तरी व्यापक स्तर पर सामाजिक बदलाव में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने जेंडर समानता, नीतियों में परिवर्तन, महिला छात्रवृत्ति, एनरोलमेंट, विभिन्न क्षेत्रों में महिला प्रोत्साहन, साझेदारी कार्यक्रम, महिला शिक्षा को जरूरी कदम बताया। इस अवसर पर देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, आईआईटी के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, निदेशक और प्रतिनिधि उपस्थित थे।

उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्व से सुनिश्चित होगी विकसित भारत की संकल्पना : कुलपति

सागर दिनकर

सागर। शिक्षा मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आई आई टी दिल्ली के डोगरा सभागार में वूमेन लीडर्स शेपिंग एकेडमिक एक्सीलेंस फॉर विकसित भारत 2047 विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. धर्मेन्द्र प्रधान, शिक्षा मंत्री भारत सरकार, केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री डॉ. सुकांता मजूमदार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उपाध्यक्ष प्रो. दीपक श्रीवास्तव थे। इस अवसर पर डॉक्टर हरीसिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इन विजनिंग द फ्यूचर ऑफ़ वूमेन इन हायर एजुकेशन लीडरशिप फॉर विकसित भारत 2047 विषय पर उद्बोधन दिया।

उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि देश की वर्क फ़ोर्स में 35-40 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। वर्ष 2047 तक 110 मिलियन अतिरिक्त संख्या के साथ यह आंकड़ा 45 प्रतिशत तक पहुँच जायेगी। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी यह कहा है कि विकसित भारत की संकल्प यात्रा में महिलाओं की महती और केंद्रीय भूमिका है। महिलाओं के महत्त्वपूर्ण भागीदारी और योगदान से विकसित भारत की संकल्पना अवश्य पूरी होगी। उन्होंने भारत सरकार के महिला सशक्तीकरण के लिए संचालित बेटी बचाओ,-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, उड़ान, सुकन्या समृद्धि योजना, मिशन इन्द्रधनुष, महिला शक्ति केंद्र, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, महिला ई-हाट, प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, महिला समाख्या कार्यक्रम, स्वाधार गृह योजना जैसी महत्त्वपूर्ण योजनाओं के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि ये महत्त्वाकांक्षी योजनायें बेटियों एवं महिलाओं के सशक्तीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने शहरी और ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण के विभिन्न प्रारूपों की भी चर्चा की जिनमें महिला उद्यमिता और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की बात प्रमुखता से कही। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक ईको सिस्टम बनाना होगा और समग्रता में सभी चुनौतियों को भी हल करना होगा। इसके लिए उन्हें आर्थिक सहायता, कौशल विकास, मेंटरशिप जैसे कई रास्ते भी सुझाए साथ ही घरेलू उद्योग,

क्षमता वर्धन कार्यक्रम, पूंजी निवेश और पहुँच, सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की।

शहरी क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण के लिए विभिन्न व्यावसायिक कौशल, काउंसिलिंग, घरेलू कार्यों के साथ प्रबंधन एवं रोजगार के अवसरों में बढ़ोत्तरी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग जैसी मिश्रित प्रविधियों की चर्चा। उन्होंने कहा कि शासन व्यवस्था और राजनीति में भी महिला नेतृत्व और उनकी भागीदारी बढ़ाने के सुदृढ़ प्रयासों की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि इसके लिए पारदर्शी एवं समान प्रतिनिधित्व, सुनिश्चित राजनीतिक भागीदारी के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण और जेंडर भेद को समाप्त करने एवं महिलाओं को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों की आवश्यकता है।

उन्होंने उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्व की स्थिति को आंकड़ों के माध्यम से प्रस्तुत किया और बढ़ती महिला नेतृत्व एवं भागीदारी को प्रदर्शित करने वाले उदाहरण भी प्रस्तुत किये। उन्होंने भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले से लेकर कादम्बिनी गांगुली, इंदिरा गांधी, मेघना मल्होत्रा जैसे महत्त्वपूर्ण हस्ताक्षरों का भी उल्लेख किया।

विश्वविद्यालयः बुंदेलखण्ड की लोक संस्कृति जानने विद्यार्थियों ने किया संग्रहालय का अवलोकन

नवसिन्धु समाचार/सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन हेतु आईटीईपी प्रथम सेमेस्टर के छात्रों द्वारा बुन्देलखण्ड की लोककला एवं संस्कृति के अध्ययन हेतु सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय एवं जिला पुरातत्व संग्रहालय का क्षेत्र भ्रमण किया गया. जिसमें छात्रों को बुन्देलखण्ड की प्राचीनतम लोककला एंव संस्कृति से जुडी तकरीबन 300 वर्ष पुरातन धरोहर के संग्रहित वस्तुओं से संबंधित ज्ञान संग्रहालय के संस्थापक अध्यक्ष श्री दामोदर अग्निहोत्री के द्वारा दिया गया. यह भ्रमण पाठ्यक्रम की आवश्यकतानुसार संचालित किया गया. कार्यक्रम के निर्देशक विभागाध्यक्ष, प्रो. अनिल कुमार जैन ने भी छात्रों के साथ भ्रमण में भाग लिया. भारतीय ज्ञान परंपरा के भ्रमण श्रृंखला की समन्वयक एवं कक्षा प्रभारी डॉ. चिन्तन वर्मा एवं पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि जैन ने भी छात्रों के साथ भ्रमण में भाग लिया तथा शिक्षाशास्त्र विभाग से डॉ. रमाकांत एवं डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे. छात्रों के ज्ञानार्जन हेतु डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति एवं कार्यक्रम की मुख्य संरक्षक प्रो. नीलिमा गुप्ता का प्रोत्साहन प्राप्त हुआ.

देशबन्धु

विद्यार्थियों ने संग्रहालय का भ्रमण कर ली इतिहास की जानकारी

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन हेतु आईटीईपी प्रथम सेमेस्टर के छात्रों ने बुन्देलखण्ड की लोककला एवं संस्कृति के अध्ययन हेतु सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय एवं जिला पुरातत्व संग्रहालय का क्षेत्र भ्रमण किया गया। जिसमें छात्रों को बुन्देलखण्ड की प्राचीनतम लोक कला एंव संस्कृति से जुडी तकरीबन 300 वर्ष पुरातन धरोहर के संग्रहित वस्तुओं से संबंधित ज्ञान संग्रहालय के संस्थापक अध्यक्ष दामोदर अग्निहोत्री के द्वारा दिया गया। यह भ्रमण पाठ्यक्रम की आवश्यकतानुसार संचालित किया गया। कार्यक्रम के निर्देशक विभागाध्यक्ष, प्रो. अनिल कुमार जैन, भारतीय ज्ञान परंपरा के भ्रमण श्रृंखला की समन्वयक एवं कक्षा प्रभारी डॉ. चिन्तन वर्मा एवं पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि जैन ने भी छात्रों के साथ भ्रमण में भाग लिया तथा शिक्षाशास्त्र विभाग से डॉ. रमाकांत एवं डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

'उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्व 10% से भी कम है जबकि महिलाओं की भागीदारी 50% है'

भास्कर संवाददाता | सागर

शिक्षा मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में नई दिल्ली में ''वूमेन लीडर्स : शेपिंग एकेडमिक एक्सीलेंस फॉर विकसित भारत 2047'' विषय पर कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री डॉ. सुकांता मजूमदार, यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार, उपाध्यक्ष प्रो. दीपक श्रीवास्तव थे। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने ''इन विज़निंग द फ्यूचर ऑफ वूमेन इन हायर एजुकेशन लीडरशिप फॉर विकसित भारत 2047'' विषय पर संबोधित किया।

उन्होंने कहा देश की वर्क फोर्स में 35 से 40 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। वर्ष 2047 तक 110 मिलियन अतिरिक्त संख्या के साथ यह आंकड़ा 45 प्रतिशत तक पहुंच

जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी यह कहा है कि विकसित भारत की संकल्प यात्रा में महिलाओं की महती और केंद्रीय भूमिका है। महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी और योगदान से विकसित भारत की संकल्पना अवश्य पूरी होगी।

उन्होंने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक ईको सिस्टम बनाना होगा और समग्रता में सभी चुनौतियों को भी हल करना होगा। इसके लिए उन्हें आर्थिक सहायता, कौशल विकास, मेंटरशिप जैसे कई रास्ते भी सुझाए। साथ ही घरेलू उद्योग, क्षमता वर्धन कार्यक्रम, पूंजी निवेश और पहुंच, सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की। शहरी क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण के लिए विभिन्न व्यावसायिक कौशल, काउंसिलिंग, घरेलू कार्यों के साथ प्रबंधन एवं रोजगार के अवसरों में बढ़ोत्तरी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग जैसी मिश्रित प्रविधियों की चर्चा की। उन्होंने कहा शासन व्यवस्था और राजनीति में भी महिला नेतृत्व और उनकी भागीदारी बढ़ाने के सुदृढ़ प्रयासों की आवश्यकता है। इसके लिए पारदर्शी एवं समान प्रतिनिधित्व, सुनिश्चित राजनीतिक भागीदारी के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण और जेंडर भेद को समाप्त करने एवं महिलाओं को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज भारत में उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्व 10 प्रतिशत से भी कम है। जबकि उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 50 प्रतिशत है। इतिहास में भले ही हम यह नहीं कर पाए लेकिन भविष्य के द्वार खुले हैं। उन्होंने डॉ. हरीसिंह गौर विवि सहित देश के कई विश्वविद्यालयों में महिला नेतृत्व को सुखद बताया।

उपलब्धि सागर के वरिष्ठ रंगकर्मी रवींद्र दुबे कक्का इस अवार्ड को 29 दिसंबर को मुंबई में प्राप्त करेंगे

बुंदेली लोक वाद्ययंत्र पर बनी डाक्यूमेंट्री को मिलेगा एक और पुरस्कार

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर: डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के ईएमआरसी द्वारा बनाई गई डाक्यूमेंट्री फिल्म तंबूरा तान ले बंदे को एक और अवार्ड मिला है। इसके स्क्रिप्ट लेखक एवं निर्देशक प्रोड्यूसर भरतेश जैन हैं। यह डाक्यूमेंट्री 2023 में बनी थी, जो कि बुंदेलखंड अंचल के बुंदेली परिवेश में यहां के लोक वाद्ययंत्र तंबूरा पर लोगों द्वारा वादन और गायन पर बनने वाली फिल्म है। डायरेक्टर जैन बताते हैं कि इसको बनाने का मुख्य आशय तंबूरा पर आधारित लोकसंगीत, लोक भजनों और लोकगीतों के प्रदर्शन का है। यह अवार्ड 29 दिसंबर रविवार को मुंबई में होने वाले इंटरटेनमेंट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिया जाएगा। इस फिल्म में अभिनय करने वाले शहर के रेडियो, टीवी कलाकार, अभिनेता, वरिष्ठ रंगकर्मी रवींद्र दुबे कक्का लेने जा रहे हैं।

तंबूरा तान ले बंदे डाक्यूमेंट्री का दृश्य। ● नवदुनिया

गौरतलब है कि बुंदेलखंड की लोक संस्कृति को लेकर तम्बूरा तान ले बंद डाक्यूमेंट्री को 13वें दादा साहेब फाल्के फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का अवार्ड भी मिल चुका है।

कलाकारों की बात कही गई है: निर्देशक भरतेश जैन ने बताया कि इस वृत्तचित्र में तंबूरा के माध्यम से सम्पूर्ण लोक संगीत एवं लोक कलाकारों की बात कही गई है। इसे लगातार सराहा जा रहा है। यही इसके निर्माण की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

सत्य का मार्ग बतलाने तंबूरा की तान पर गाए जाते हैं गीत : वरिष्ठ रंगकर्मी रवींद्र दुबे कक्का ने बताया बुंदेलखंड में काया गीत, निर्गुणी गीत ग्रामीणों और निर्मोही साधु-संन्यासियों सहित अन्य कलाकारों द्वारा अपने कामकाज से फुर्सत होकर स्वयं के साथ-साथ अन्य सभी को आनंदित करते हुए शाश्वत सत्य का मार्ग बतलाने नित्य प्रतिदिन तंबूरा की तान पर गाए जाते हैं। तंबूरा विशुद्ध रूप से लोक वाद्ययंत्र है और इसका वादन लोक संगीत में भी शुमार है। ऐ बंदे तूने संसार के दुख देखे हैं अब तंबूरा में तान लेकर संसार के प्रति निम्मोंही हो जा और तंबूरा तान ले बंदे..।

भास्कर खास • फिल्म को दादा साहेब फाल्के फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का अवार्ड भी मिल चुका है

बुंदेली लोक वाद्ययंत्र पर बनी डॉक्यूमेंट्री को 19वां अंतरराष्ट्रीय अवार्ड

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के ईएमआरसी द्वारा बनाई गई डॉक्यूमेंट्री फिल्म तंबूरा तान ले बंदे को 19वां इंटरनेशनल अवार्ड मिला है। इसके स्क्रिप्ट आलेख एवं निर्देशन प्रोड्यूसर भरतेश जैन हैं। यह डॉक्यूमेंट्री 2023 में बनी थी, जो कि बुंदेलखंड अंचल के बुंदेली परिवेश में यहां के लोक वाद्ययंत्र तंबूरा पर लोगों द्वारा वादन और गायन पर बनने वाली डॉक्यूमेंट्री फिल्म है। डायरेक्टर जैन बताते हैं कि इसको बनाने का मुख्य आशय तंबूरा पर आधारित लोकसंगीत, लोक भजनों और लोकगीतों के प्रदर्शन का है। यह 19वां अवार्ड 29 दिसंबर रविवार को मुंबई में होने वाले इंटरटेनमेंट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिया जा रहा है। जिसे इस फिल्म में अभिनय करने वाले शहर के रेडियो, टीवी कलाकार, अभिनेता, वरिष्ठ रंगकर्मी रवींद्र दुबे कक्का लेने जा रहे हैं। गौरतलब है कि बुंदेलखंड की लोक संस्कृति को लेकर 'तम्बूरा तान ले बंदे' डॉक्युमेंट्री को 13वें दादा साहेब फाल्के फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का अवार्ड भी मिल चुका है, जो अपने आप में गौरव का विषय है। निर्देशक भरतेश जैन ने बताया कि इस वृत्तचित्र में तंबूरा के माध्यम से सम्पूर्ण लोक संगीत एवं लोक कलाकारों की बात कही गई है। इसे लगातार सराहा जा रहा है। यही इसके निर्माण की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

सत्य का मार्ग बतलाने तंबूरा की तान पर गाए जाते हैं गीत

वरिष्ठ रंगकर्मी रवींद्र दुबे कक्का ने बताया बुंदेलखंड में काया गीत, निर्गुणी गीत ग्रामीणों और निर्मोही साधु-संन्यासियों सहित अन्य कलाकारों द्वारा अपने कामकाज से फुर्सत होकर स्वयं के साथ-साथ अन्य सभी को आनंदित करते हुए शाश्वत सत्य का मार्ग बतलाने नित्य प्रतिदिन तंबूरा की तान पर गाए जाते हैं। तंबूरा विशुद्ध रूप से लोक वाद्ययंत्र है और इसका वादन लोक संगीत में भी शुमार है। ऐ बंदे तूने संसार के दुख देखे हैं अब तंबूरा में तान लेकर संसार के प्रति निर्मोही हो जा और तंबूरा तान ले बंदे...।

लोक संस्कृति से जुड़ने का विकल्प भी

डॉक्यूमेंट्री फिल्म का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को लोक-संस्कृति से रूबरू कराकर उससे जोड़ने का भी है। वर्तमान तकनीकी के विस्तार युग में लोक संस्कृति से जुड़ने का विकल्प भी इस फिल्म के निर्माण की अवधारणा बन सकी है, जो स्थानीय परंपरागत कलाकारों को जोड़कर लोक कलाओं के संरक्षण और संवर्धन सहित लोककलाकारों को भी यथोचित सबलता और सम्मान प्रदान कराने का लघु प्रयास है। अभी तक इस डॉक्युमेंट्री फिल्म को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के 18 अवार्ड प्राप्त होने का गौरव प्राप्त हो चुका है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के 62 वें स्थापना दिवस का रंगारंग आयोजन

सागर, देशबन्धु। केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 में केन्द्रीय विद्यालय संगठन का 62 वां स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्जवलन से हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रबंध समिति के नामित अध्यक्ष नवीन कांगो एवं विशिष्ट अतिथि रेनू यादव पूर्व प्रधानाध्यापिका केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 सागर शामिल हुई। मुख्य अतिथियों का स्वागत प्राचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा के साथ विद्यालय के शिक्षक महेंद्र सिंह राजपूत द्वारा हरित पौधा प्रदान करके किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. नवीन कांगो जो कि स्वयं केन्द्रीय विद्यालय के छात्र रह चुके हैं उन्होंने अपनी यादो को साझा कर केन्द्रीय विद्यालय के गौरवपूर्ण इतिहास की जानकारी प्रदान की, इसी के साथ रेनु यादव ने अपने लगभग 35 वर्ष के अनुभव को साझा करते हुये विद्यार्थियो को भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने के लिये प्रेरित किया। छात्रों ने इस अवसर पर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिनमें केन्द्रीय विद्यालय गीत, भारत नाट्यम, कथक, कुमायूं लोक नृत्य आदि कार्यक्रम शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक आनंद कुमार जैन के साथ कक्षा नवमी की छात्रा शिवांगी सिंह कुर्मी एवं रक्षा तिवारी ने किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ विद्यालय के कक्षा छटवीं के छात्र रुद्रांश डे ने विज्ञान मॉडल की प्रस्तुति दी जिसमें विज्ञान पर आधारित विभिन्न धारणायें जैसे की ट्रांसफार्मर, सर्किट, मोबाइल चार्जर आदि के बारे में बड़े ही रोचक ढंग से दर्शाया एवं समझाया जिसे अतिथियों सहित कार्यक्रम में मौजूद पालकों एवं सभी कर्मचारियों द्वारा सराहा गया। छात्रों को योग का महत्व बताने के लिये विद्यालय की कक्षा चौथी की छात्रा निशिका दुबे द्वारा योग पर आधारित एक प्रस्तुति दी गई। स्थापना दिवस का समापन विद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन मे शिक्षकों और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के शिक्षक मनोज कुमार नेमा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

उस्ताद जाकिर हुसैन की स्मृति में स्वरांजलि कार्यक्रम का आयोजन

सदियों तक गूंजता रहेगा 'वाह ताज'

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में प्रख्यात तबला वादक पद्म विभूषण उस्ताद जाकिर हुसैन के आकस्मिक निधन पर स्वरांजलि अर्पित की गई।

डॉ. राहुल स्वर्णकार ने उस्ताद जाकिर हुसैन के कृतित्व पर कहा कि वर्तमान में उस्ताद जाकिर तबला के पर्याय माने जाते रहे हैं। तबला को जितनी प्रसिद्धि उस्ताद जाकिर हुसैन ने दिलाई है उतनी किसी ने नही। शास्त्रीय संगीत जगत उनके योगदान को भुला नहीं सकता। सदियों तक वाह ताज हमारे कानों में गूंजता रहेगा। विभागीय छात्र अनिकेत आठया एवं विकास रविदास ने झपताल एवं तीनताल में तबला एकल वादन प्रस्तुत किया, जिसमें पेशकार, कायदा, रेला, टुकड़े एवं चक्रदार प्रस्तुत किए। विभागीय शोध छात्रा स्तुति खंपरिया ने राग पूरिया धनाश्री में तीनताल में बड़ा ख्याल एवं छोटा ख्याल प्रस्तुत किया। तबला पर संगत शैलेंद्र सिंह राजपूत एवं हारमोनियम पर संगत अतुल पथरौल एवं मयंक विश्वकर्मा ने की। कार्यक्रम का संचालन आकाश जैन ने किया। इस अवसर डॉ. विभूति मलिक, मनमोहन श्रृंगी ऋषि, डॉ. हरिओम सोनी, यश गोपाल श्रीवास्तव, गगन राज, सत्यम नामदेव, अनुकृति रावत, तेजस पटेल ने संस्मरण सुनाए।

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत फिट इंडिया सप्ताह का शुभारम्भ

सागर। शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के तहत फिट इंडिया सप्ताह 2024 का प्रारंभ दिनांक 16 दिसंबर 2024 को शारीरिक शिक्षा विभाग खेल मैदान में प्रो.डी.के. नेमा के मुख्य आतिथ्य में एवं निदेशक शारीरिक शिक्षा डॉ. विवेक बी साठे की अध्यक्षता में हुआ संचालन महेंद्र कुमार ने किया। पहले दिन की शुरुआत मनोरंजन खेलों से की गई जिसके तहत हॉप एंड रन थ्री लेग रनए निशानेबाजी एंड कैच द बॉल इन बास्केट जैसे खेलों में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और खूब मनोरंजन किया इन खेलों के समन्वयक अनवर ख़ान एवं विनय शुक्ला रहे। इसी क्रम में 17 दिसंबर 2024 को छात्र-छात्राओं ने पोस्टर मेकिंग एवं क्विज कांटेस्ट में भाग लेकर इस अभियान को सफल बनाया इस कांटेस्ट की समन्वयक सहायक निदेशक डॉ सुमन पटेल रही इस अवसर डॉ मनोज जैनए डॉ रंजन मोहंतीए दीपक दुबे उपस्थित रहे दिनांक 18 दिसंबर 2024 को पारंपरिक खेलों का आयोजन दोपहर 3: 00 बजे किया जाएगा।

राज एक्सप्रेस
बुधवार, 18 दिसम्बर, 2024

केंद्रीय विवि में फिट इंडिया सप्ताह का हुआ शुभारंभ

सागर (आरएनएन)। शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के तहत फिट इंडिया सप्ताह 2024 का शुभारंभ शारीरिक शिक्षा विभाग खेल मैदान में प्रो डीके नेमा के मुख्य आतिथ्य में एवं निदेशक शारीरिक शिक्षा डॉ विवेक बी साठे की अध्यक्षता में हुआ। संचालन महेंद्र कुमार ने किया। पहले दिन की शुरुआत मनोरंजन खेलों से की गई जिसके तहत हॉप एंड रन, थ्री लेग रन, निशानेबाजी एंड कैच द बॉल इन बास्केट जैसे खेलों में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और खूब मनोरंजन किया। इन खेलों के समन्वयक अनवर खान एवं विनय शुक्ला रहे। इसी क्रम में दूसरे दिन मंगलवार को छात्र-छात्राओं ने पोस्टर मेकिंग एवं क्विज कांटेस्ट में भाग लेकर इस अभियान को सफल बनाया। इस कांटेस्ट की समन्वयक सहायक निदेशक डॉ सुमन पटेल रही। इस अवसर डॉ मनोज जैन, डॉ रंजन मोहंती, दीपक दुबे उपस्थित रहे।

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत विश्वविद्यालय में पारंपरिक खेलों का किया गया आयोजन

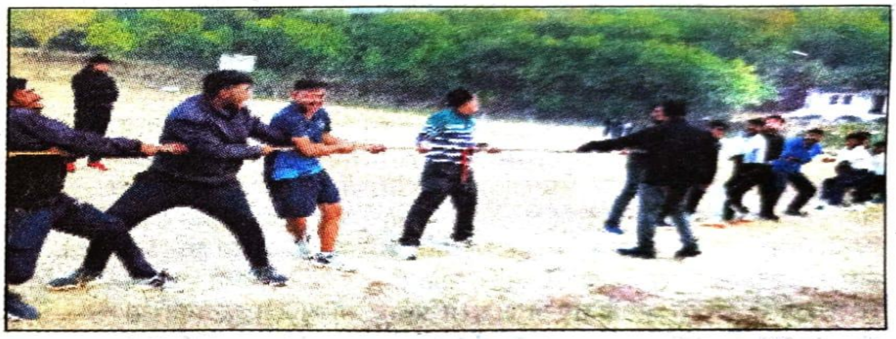

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के तहत फिट इंडिया सप्ताह 16 दिसंबर को शारीरिक शिक्षा विभाग खेल मैदान पर प्रारंभ हुआ। निदेशक शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. विवेक बी साठे के मार्गदर्शन में तीसरे दिन पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गिल्ली डंडा, पिट्ठू, रस्साकशी में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इन खेलों के समन्वयक महेंद्र कुमार एवं विनय शुक्ला रहे। इस अवसर पर डॉ. सुमन पटेल, अनवर खान, डॉ. मनोज जैन, डॉ. रंजन मोहंती, दीपक दुबे उपस्थित रहे।

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 में मनाया गया वार्षिक खेल दिवस

आचरण संवाददाता

सागर। केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 में गुरुवार को वार्षिक खेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय प्रबंधन समिति के नामित अध्यक्ष प्रो. नवीन कांगो एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. विवेक बी. साठे निर्देशक शारीरिक शिक्षा विभाग (डॉ. हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय) का विद्यालय प्राचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा द्वारा हरित पौधा प्रदान कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथियों द्वारा वार्षिक खेल समारोह का मशाल (जो ऊर्जा और जोश का प्रतीक है) जलाकर विधिवत उद्घाटन किया गया । इस अवसर पर बच्चों ने स्वागत गीत जैसे आपका स्वागत हैं से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के प्राचार्य ने अपने भाषण द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया। झंडा रोहण कर वार्षिक खेल उत्सव का आगाज किया गया । इस अंतर सदनीय प्रतियोगिता में चार सदन शिवाजी, टैगोर, अशोका व रमन सदनों के छात्र छात्राओं द्वारा मार्च पास्ट कर विद्यालय के वार्षिक खेल दिवस में पूरे तन मन से प्रतिभाग करने की शपथ ली गई । इस अवसर पर छात्र- छात्राओं ने एरोबिक नृत्य के माध्यम से बच्चों से लेकर बड़ों को खेलों में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें100 मी, 200 मी दौड़,रिले दौड के अलावा क्रिकेट, चेस,गोला फेंक आदि भी सम्मिलित की गई।

इसमें पहले स्थान पर अशोका सदन, दूसरे स्थान पर टैगोर सदन तथा तीसरे स्थान पर रमन सदन रहा। विद्यालय के अध्यापक-अध्यापिकाओं के लिए भी 100 मी. दौड़ एवं क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. नवीन कांगो ने अपने संबोधन में खेल को बच्चों के शारीरिक विकास के लिए आवश्यक बताया। वहीं प्रोफेसर साठे ने बच्चों को खेल गतिविधियों में सहभागिता हेतु प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। इस दौरान प्राचार्य ने विद्यालय के शिक्षकों की बच्चों के प्रति समर्पण भाव की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के शिक्षक योगेन्द्र कुमारद्वारा सभी प्रतिभागियों को उत्साहवर्धन करने वाले दर्शक व विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं तथा सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों, अतिथियों एवं खेल प्रभारी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन झंडा उतार कर राष्ट्रगान के साथ हुआ। सभी विद्यार्थियों को विद्यालय द्वारा अल्पाहार वितरण किया गया। खेल दिवस का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य ,वरिष्ठ शिक्षक मनोज कुमार नेमा के मार्गदर्शन एवं शिक्षकों और विद्यार्थियों की सक्रीय भागीदारी से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ।

प्रतियोगिता केंद्रीय विद्यालय में मनाया गया वार्षिक खेल दिवस, बच्चों ने दिखाया दमखम

खेल को बच्चों के शारीरिक विकास के लिए आवश्यक

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्र.4 में गुरुवार को वार्षिक खेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय प्रबंधन समिति के नामित अध्यक्ष प्रो. नवीन कांगो एवं विशिष्ट अतिथि शारीरिक शिक्षा विभाग के निर्देशक प्रो. विवेक बीसाठे का विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा ने हरित पौधा प्रदान कर स्वागत किया। मुख्य अतिथियों द्वारा वार्षिक खेल समारोह का मशाल जलाकर विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने स्वागत गीत जैसे "आपका स्वागत है" से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के प्राचार्य ने अपने भाषण द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया। झंडा रोहण कर वार्षिक खेल उत्सव का आगाज किया गया।

विजेताओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। • नवदुनिया

इस अंतर सदनीय प्रतियोगिता में चार सदन शिवाजी, टैगोर, अशोका व रमन सदनों के छात्र छात्राओं द्वारा मार्च पास्ट कर विद्यालय के वार्षिक खेल दिवस में पूरे तन मन से प्रतिभाग करने की शपथ ली गई। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने एरोबिक नृत्य के माध्यम से बच्चों से लेकर बड़ों को खेलों में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें 100 मी, 200 मी दौड़, रिले दौड़ के अलावा क्रिकेट, चेस, गोला फेंक आदि भी सम्मिलित की गई।

शिक्षकों के बीच हुई दौड़

इसमें पहले स्थान पर अशोका सदन, दूसरे स्थान पर टैगोर सदन व तीसरे स्थान पर रमन सदन रहा। विद्यालय के अध्यापक-अध्यापिकाओं के लिए भी 100 मी . दौड़ एवं क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो . नवीन कांगो ने कहा कि खेल को बच्चों के शारीरिक विकास के लिए आवश्यक है। वहीं प्रोफेसर साठे ने बच्चों को खेल गतिविधियों में सहभागिता हेतु प्रोत्साहित किया। श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। इस दौरान योगेन्द्र कुमार, मनोज कुमार नेमा मौजूद रहे।

सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय ने भेंट की डॉ. गौर से संबंधित सामग्री

डॉ. गौर से जुड़ी स्मृतियाँ अमूल्य धरोहर हैं- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

जनचिंगारी- 9302303212

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय का अवलोकन किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति ने कहा कि डॉ. गौर और उनके द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से जुडी स्मृतियाँ हमारे लिए अमूल्य धरोहर हैं। विश्वविद्यालय में स्थित नव निर्मित डॉ. गौर संग्रहालय में इन स्मृतियों को सहेजा जाएगा. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है कि डॉ. गौर और विश्वविद्यालय से जुड़ी दुर्लभ सामग्री एकत्रित की जाएँ. उन्होंने अपील भी की कि यदि किसी के पास डॉ. गौर से जुड़ी स्मृति सामग्री या दस्तावेज हों तो वे विश्वविद्यालय स्थित गौर संग्रहालय में प्रदान कर सकते हैं. उन्होंने सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय के अवलोकन के दौरान बुंदेली संस्कृति से जुडी दुर्लभ एवं प्राचीन सामग्रियों के बारे में जानकारी ली. संग्रहालय में पुराने सिक्के, औजार, तकनीकी उपकरण, फोन, खेती के औजार, बुंदेली संस्कृति के वस्त्र, समाचार-पत्र, वाद्य यंत्र, बर्तन, मापक-यंत्र, आभूषण, घड़ी जैसी वस्तुओं का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के गौर संग्रहालय में बुंदेलखंड की संस्कृति और कला से संबंधित सामग्रियों की भी प्रदर्शनी लगाई जा रही है.

संग्रहालय के संस्थापक एवं अध्यक्ष दामोदर अग्निहोत्री ने कुलपति को विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. गौर से जुड़ी सामग्री भेंट की. उन्होंने विश्वविद्यालय पर केन्द्रित कई स्मृति दस्तावेज भी सौंपे. भेंट की गई मूलप्रतियों में डॉ. गौर द्वारा सागर में विश्वविद्यालय की स्थापना, प्रारंभिक तैयारियों एवं सागर के बहुमुखी विकास हेतु उनके सतत् प्रयासों को सफल बनाने हेतु अपील के दस्तावेज, खादी कपड़े पर हस्तनिर्मित डॉ. गौर का दुर्लभ चित्र, सागर विश्वविद्यालय के 1948 में आयोजित प्रथम दीक्षांत समारोह में पं. रविशंकर शुक्ल जी का समाचार पत्र में प्रकाशित भाषण, वर्ष 1969 में प्रकाशित विश्वविद्यालय की पत्रिका का मुख पृष्ठ आदि सम्मिलित हैं. उन्होंने डॉ. हरीसिंह गौर द्वारा लिखित दुर्लभ पत्र, विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह 1948 की विशेष खबर, महात्मा गांधी जी के निधन पर डॉ. गौर साब द्वारा दी गई श्रद्धांजलि, विश्वविद्यालय में पृथ्वीराज कपूर के सम्मान से सम्बंधित दस्तावेज भी सौंपे।

डॉ. गौर से जुड़ी स्मृतियाँ अमूल्य धरोहर हैं : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

■ सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय ने भेंट की डॉ. गौर से संबंधित सामग्री

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय का अवलोकन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति ने कहा कि डॉ. गौर और उनके द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से जुडी स्मृतियाँ हमारे लिए अमूल्य धरोहर हैं। विश्वविद्यालय में स्थित नव निर्मित डॉ. गौर संग्रहालय में इन स्मृतियों को सहेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है कि डॉ. गौर और विश्वविद्यालय से जुड़ी दुर्लभ सामग्री एकत्रित की जाएँ। उन्होंने अपील भी की कि यदि किसी के पास डॉ. गौर से जुड़ी स्मृति सामग्री या दस्तावेज हों तो वे विश्वविद्यालय स्थित गौर संग्रहालय में प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय के अवलोकन के दौरान बुंदेली संस्कृति से जुडी दुर्लभ एवं प्राचीन सामग्रियों के बारे में जानकारी ली। संग्रहालय में पुराने सिक्के, औजार, तकनीकी उपकरण, फोन, खेती के औजार, बुंदेली संस्कृति के वस्त्र, समाचार-पत्र, वाद्य यंत्र, बर्तन, मापक-यंत्र, आभूषण, घड़ी जैसी वस्तुओं का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के गौर संग्रहालय में बुंदेलखंड की संस्कृति और कला से संबंधित सामग्रियों की भी प्रदर्शनी लगाई जा रही है। संग्रहालय के संस्थापक एवं अध्यक्ष दामोदर अग्निहोत्री ने कुलपति को विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. गौर से जुड़ी सामग्री भेंट की। उन्होंने विश्वविद्यालय पर केन्द्रित कई स्मृति दस्तावेज भी सौंपे। भेंट की गई मूलप्रतियों में डॉ. गौर द्वारा सागर में विश्वविद्यालय की स्थापना, प्रारंभिक तैयारियों एवं सागर के बहुमुखी विकास हेतु उनके सतत प्रयासों को सफल बनाने हेतु अपील के दस्तावेज, खादी कपड़े पर हस्तनिर्मित डॉ. गौर का दुर्लभ चित्र, सागर विश्वविद्यालय के 1948 में आयोजित प्रथम दीक्षांत समारोह में पं. रविशंकर शुक्ल जी का समाचार पत्र में प्रकाशित भाषण, वर्ष 1969 में प्रकाशित विश्वविद्यालय की पत्रिका का मुख पृष्ठ आदि सम्मिलित हैं। उन्होंने डॉ. हरीसिंह गौर द्वारा लिखित दुर्लभ पत्र, विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह 1948 की विशेष खबर, महात्मा गांधी जी के निधन पर डॉ. गौर साब द्वारा दी गई। श्रद्धांजलि, विश्वविद्यालय में पृथ्वीराज कपूर के सम्मान से सम्बंधित दस्तावेज भी सौंपे।

इस अवसर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, गौर पीठ के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो, निदेशक फैकल्टी अफेयर्स प्रो. अजीत जायसवाल, शिक्षा अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रो. अनिल जैन, डॉ. रमाकांत, डॉ. चिंतन वर्मा, प्रवीण राठौर एवं विवि के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छतरपुर, शनिवार 21 दिसम्बर 2024

विश्वविद्यालयः बायोटेक्नोलॉजी विभाग के डॉ. उपाध्याय को उत्कृष्ट शोध के लिए मिला फेलो अवार्ड

परिहार गर्जना न्यूज। सागर. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के सहायक प्रो. डॉ चन्द्रमा प्रकाश उपाध्याय को मंगलायतन विश्वविद्यालय अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में एसोसिएशन आफ़ बायोटेक्नोलॉजी एंड फार्मेसी द्वारा आयोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में सोसाइटी फेलो के रूप में गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. डॉ उपाध्याय को यह सम्मान उनके कृषि बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट रिसर्च के लिए दिया गया. विदित हो कि सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजी एंड फार्मेसी अपने वार्षिक अधिवेशन में देश-विदेश के आठ वैज्ञानिकों को बायोटेक्नोलॉजी और फार्मेसी के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध करने वाले वैज्ञानिकों को नामित कर सम्मानित करती है. इस सोसाइटी के देश और विदेश में पाँच हज़ार से ज़्यादा सदस्य पंजीकृत हैं. सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी प्रोफ़ संभाशिवा राव (पूर्व कुलपति नागालैंड केंद्रीय विश्वविद्यालय) ने शुभकामनाएं व्यक्त कीं. मुख्य अतिथि जॉर्जिया विश्वविद्याल के निदेशक प्रॉफ़ टी स्वामी ने यह सम्मान प्रदान किया. इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश और दुनिया के लगभग दो सौ से ज़्यादा वैज्ञानिकों ने भाग लिया जिसमे अमेरिका, कनाडा, जापान, ब्राजील, कोरिया आदि देशों के वैज्ञानिक शामिल हुए. डॉ. उपाध्याय की इस उपलब्धि पर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शुभकामनाएं दी हैं. विश्वविद्यालय के शिक्षक समुदाय ने भी उन्हें बधाई प्रेषित की है.

उत्कृष्ट शोध के लिए डॉ. उपाध्याय को मिला फेलो अवार्ड

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विवि बायोटेक्नोलॉजी विभाग के सहायक प्रो. डॉ. चन्द्रमा प्रकाश उपाध्याय को मंगलायतन विवि अलीगढ़ के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सोसाइटी फेलो के रूप में गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम एसोसिएशन आफ बायोटेक्नोलॉजी एंड फार्मेसी ने आयोजित किया था। डॉ. उपाध्याय को यह सम्मान उनके कृषि बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट रिसर्च के लिए दिया गया। यह संस्था देश-विदेश के आठ वैज्ञानिकों को उत्कृष्ट शोध करने पर नामित कर सम्मानित करती है।

विवि के भौतिकी विभाग में पहला पूर्व छात्र मिलन समारोह संपन्न

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरिसिंह गौर विवि के भौतिकी विभाग में पहला पूर्व छात्र मिलन समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य पूर्व छात्रों, वर्तमान विद्यार्थियों और शिक्षकों को एक मंच पर लाकर विभागीय प्रगति में योगदान सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके बाद विवि के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर को पुष्पांजलि अर्पित की गई। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने माहौल को जीवंत कर दिया। समारोह में प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों और अतिथियों ने भाग लिया, जिनमें प्रो. एनपी दीक्षित पूर्व कुलपति दुर्ग विवि, देवेंद्र सिंह पूर्व विधायक और भारत भार्गव वरिष्ठ वैज्ञानिक शामिल थे। उन्होंने अपने अनुभव साझा किये और विभाग के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आश्वासन दिया। विभागाध्यक्ष प्रो. आशीष वर्मा ने स्वागत भाषण में विभाग की उपलब्धियों और पूर्व छात्रों की भूमिका पर जोर दिया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अपने संबोधन में पूर्व छात्रों की सफलता को सराहते हुये कहा कि उनकी भागीदारी विभाग को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

सन् 1970 से 2023 तक के लगभग 120 पूर्व छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इनमें अशोक कुमार सिंह, डॉ. रमाशंकर वर्मा, नरेंद्र सिंघाई, डॉ. उमाकांत मिश्रा, डॉ. प्रशांत शुक्ला, डॉ. रेखा गर्ग सोलंकी सहित कई प्रतिष्ठित नाम शामिल रहे। उन्होंने अपनी पेशेवर यात्राओं और अनुभवों को साझा कर वर्तमान विद्यार्थियों को प्रेरित किया। अतिथियों को सम्मानित कर धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर शोध छात्रा ऋतु आर्या ने एंकरिंग की। यह आयोजन विभाग और पूर्व छात्रों के संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिये प्रेरणा स्रोत बना। इसने विभागीय प्रगति में पूर्व छात्रों की भूमिका को नई पहचान दी और इसे विश्वविद्यालय की परंपरा में एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में अंकित किया।

फिट इंडिया मूवमेंट सप्ताह का समापन

विजेताओं का किया गया सम्मान

सागर @ पत्रिका. शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. हरिसिंह गौर विवि द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के तहत शनिवार को योग एवं मेडिटेशन में छात्र- छात्राओं ने हिस्सा लिया। साथ ही समापन के अवसर पर पुरस्कार वितरित किए। प्रो. अनिल जैन, डॉ. विवेक बी साठे एवं डॉ. रेखा गर्ग सोलंकी के आतिथ्य में पुरस्कार वितरित किए। आभार सहायक निदेशक डॉ. सुमन पटेल ने माना। संचालन महेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर विनय शुक्ला, अनवर खान एवं डॉ. मनोज जैन उपस्थित रहे ।

शूटिंग पुरुष वर्ग में - प्रथम स्थान- आदेश साहू, द्वितीय स्थान- शतायु लोधी , तृतीय स्थान- दीपक दुबे

महिला वर्ग में शूटिंग- प्रथम स्थान- मेघा सोर एवं प्रांजलि जॉइंट विनर

कैच द बॉल बास्केट पुरुष वर्ग- प्रथम स्थान - हिमांशु पटेल एवं स्टीव, द्वितीय- आदेश साहू, नरेंद्र उइके, तृतीय- अमित दांगी, अभय तिवारी

कैच द बॉल बास्केट महिला वर्ग- प्रथम स्थान- उन्नति सेन, सिमरन तिवारी, द्वितीय स्थान- मेघा सोर, मुस्कान जड़िया, तृतीय- प्रांजलि, ऋषिता

थ्री लेग रेस पुरुष वर्ग - प्रथम स्थान- पुष्पेंद्र अहीरवार, हिमांशु पटेल, द्वितीय स्थान- सत्यम पटेल, शतायु लोधी, तृतीय स्थान- स्टीव , आदित्य राजपूत रहे।

पत्रिका {सोसायटी} SOCIETY

पूर्व छात्रों की उपलब्धि विवि के विकास के लिए अहम: कुलपति

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में पहला पूर्व छात्र मिलन समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। यह आयोजन विभाग के पूर्व छात्रों, वर्तमान विद्यार्थियों और शिक्षकों को एक मंच पर लाने का एक प्रयास था। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता न पूर्व छात्रों की उपलब्धियों को सराहा और उनके योगदान को विश्वविद्यालय के विकास के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों की भागीदारी से विभाग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। विभागाध्यक्ष प्रो. आशीष वर्मा ने स्वागत भाषण दिया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के पूर्व कुलपति प्रो. एनपी दीक्षित, महरौनी पूर्व विधायक देवेंद्र सिंह एवं वैज्ञानिक भारत भार्गव ने अपने-अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर अशोक कुमार सिंह, प्रदीप हजारी, डॉ. एमएन बापट, डॉ. रमाशंकर वर्मा, मुरलीधर डेहरबार, नरेंद्र सिंघई, डॉ. उमाकांत मिश्रा, डॉ. एलएल दुबे, डॉ. चित्रा लाल एवं रमेश आदि मौजूद रहे।

'ध्यान के माध्यम चंचल मन को हम एकाग्र करते हैं'

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सागर. साधक जब तल्लीन होकर खो जाता है तब एक विशिष्ट घटना घटित होती है, यही ध्यान है। ध्यान के माध्यम से चंचल मन को एकाग्र करते हैं। यह बात देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के योग विशेषज्ञ डॉ. कामता प्रसाद साहू ने प्रथम विश्व ध्यान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. हरिसिंह गौर विवि के योग विभाग में किया गया। शिक्षा अध्ययन शाला के अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार जैन ने कहा कि विश्व में शांति और सौहार्द स्थापित करना है तो भारतीय ज्ञान परंपरा की महती आवश्यकता है। ऐसे में ज्ञान के सागर में भारत ने दो बूंद सेवा के रूप में 2015 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और अब 2024 विश्व ध्यान दिवस की संकल्पना के समर्पित किए हैं। डॉ. नितिन कोरपाल ने संचालन किया। डॉ. महेंद्र शर्मा ने ध्यान का अभ्यास कराया। इस अवसर पर डॉ. ब्रजेश ठाकुर, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. रमाकांत, प्रज्ञा साव, चेतना सरकार, ख्याति गोस्वामी, दीक्षा भारद्वाज सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित थे।

अनुशासन व फिटनेस बनाए रखने की दी सलाह

योगाभ्यास ● फिट इंडिया सप्ताह के समापन अवसर पर खिलाड़ियों को बांटे गए पुरस्कार

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विवि के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के तहत शनिवार को योग एवं मेडिटेशन में विद्यार्थियों ने शामिल होकर योगाभ्यास किया। इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह प्रो. अनिल जैन अधिष्ठाता स्कूल आफ़ एजुकेशन के मुख्य आतिथ्य व निदेशक शारीरिक शिक्षा डा. विवेक बी साठे की अध्यक्षता में हुआ।

मुख्य अतिथि ने अपने उदबोधन में सभी खिलाड़ियों को अनुशासन में रहने एवं अपनी फिटनेस को बनाए रखंने सलाह और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथि ने सभी खिलाड़ियों को फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत शपथ दिलाकर मेडल प्रदान किए।

आभार सहायक निदेशक डां. सुमन पटेल ने माना एवं संचालन महेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर विनय शुक्ला, अनवर ख़ान, डा. मनोज जैन उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के समापन अवसर अवसर पर खिलाड़ियों को पुरस्कार बांटे गए। ● नवदुनिया

प्रतियोगिता के अंतिम दिन विद्यार्थियों ने योगाभ्यास किया। ● नवदुनिया

फिट इंडिया सप्ताह के खेलों का परिणाम

शूटिंग पुरुष वर्ग में : प्रथम स्थान आदेश साहू, द्वितीय स्थान शतायु लोधी व तृतीय स्थान दीपक दुबे। **महिला वर्ग शूटिंग में :** प्रथम स्थान- मेघा सोर एवं प्रांजलि जाइंट विनर। **कैच द बाल बास्केट पुरुष वर्ग :** प्रथम स्थान हिमांशु पटेल एवं स्टीव, द्वितीय स्थान- आदेश साहू, नरेंद्र उइके, तृतीय स्थान- अमित दांगी, अभय तिवारी। **कैच द बाल बास्केट महिला वर्ग :** प्रथम स्थान- उन्नति सेन, सिमरन तिवारी, द्वितीय स्थान- मेघा सोर, मुस्कान जड़िया, तृतीय स्थान प्रांजलि, ऋषिता रही। **थ्री लेग रेस पुरुष वर्ग में :** प्रथम स्थान- पुष्पेंद्र अहीरवार, हिमांशु पटेल, द्वितीय स्थान- सत्यम पटेल, शतायु लोधी, तृतीय स्थान- स्टीव, आदित्य राजपूत थे। **थ्री लेग रेस महिला वर्ग में:** प्रथम स्थान- उन्नति सेन, मुस्कान जड़िया, द्वितीय स्थान- स्तुति शर्मा,सपना थी। **हाप एंड रन पुरुष वर्ग में :** प्रथम स्थान अरुण, द्वितीय स्थान समीर तिवारी, तृतीय स्थान- रुद्राक्ष दुबे । **महिला वर्ग में** प्रथम स्थान सपना, द्वितीय स्थान- उन्नति सेन, तृतीय स्थान- सिमरन कुमारी थी। **गिल्ली डंडा :** प्रथम स्थान- शैलेन्द्र गौड़, द्वितीय स्थान- अमित दांगी, तृतीय स्थान- अनुराग जैन थे। **पिट्टू पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान** हर्ष यादव, द्वितीय स्थान- धनजय गौतम व तृतीय स्थान- अमन दुबे। **पिट्टू महिला वर्ग में :** प्रथम स्थान- सिमरन कुमारी, द्वितीय स्थान- उन्नति सेन व तृतीय स्थान- मुस्कान जड़िया थी। **पोस्टर मेकिंग में :** प्रथम स्थान स्वास्तिका ठाकुर, द्वितीय स्थान- जतिन जाटव व तृतीय स्थान- स्तुति शर्मा थी। **क्विज प्रतियोगिता :** प्रथम स्थान टीम- हर्ष यादव, सुयश सिंह, राम नारायण, शिवांशु यादव, मधुर साहू, मनहर मौर्य रहे। द्वितीय स्थान : नरेंद्र उइके, उदय शंकर, पुष्पेंद्र अहीरवार, अंशुमन, गोविंद अहीरवार, विक्रम व तृतीय स्थान में भारत रजक, आदित्य राजपूत आकान्त सिंह मुरली मनोहर, सर्वेश थे।

विवि में 53 साल के बाद जुटे भौतिकी विभाग के पूर्व छात्र, सांझा किए अनुभव

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विवि के भौतिकी विभाग में पूर्व छात्र मिलन समारोह।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग का पहला पूर्व छात्र मिलन समारोह शनिवार को मनाया गया। समारोह में 53 साल पुराने पुरा छात्र एक साथ जुटे। कार्यक्रम में 1970 से 2023 के 120 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। छात्रों ने अपनी शैक्षणिक और पेशेवर यात्राओं को सांझा करते हुए विभाग के साथ अपने जुड़ाव को याद किया। उन्होंने वर्तमान विद्यार्थियों को अपने अनुभवों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया और विभाग के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का वादा किया। पूर्व छात्रों ने विभाग के विकास में अपने सुझाव एवं योगदान का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत पंजीकरण प्रक्रिया और अनौपचारिक परिचय से हुई। इसके बाद मां सरस्वती और विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर को पुष्पांजलि दी गई। विशिष्ट अतिथि प्रो. एनपी दीक्षित, पूर्व कुलपति हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग, देवेंद्र सिंह पूर्व विधायक मेहरौनी, भारत भार्गव वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अभियंता ने अपने-अपने अनुभव सांझा किए। विभागाध्यक्ष प्रो. आशीष वर्मा ने इस आयोजन को विभाग और पूर्व छात्रों के बीच एक सेतु के रूप में परिभाषित किया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि पूर्व छात्रों की भागीदारी से विभाग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। यह आयोजन न केवल पूर्व छात्रों और विभाग के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने का माध्यम बना। बल्कि एक प्रेरणादायक पहल साबित हुई। इसने वर्तमान विद्यार्थियों को अपने भविष्य के लिए मार्गदर्शन और प्रेरणा दी और विभाग की प्रगति के लिए पूर्व छात्रों की सहभागिता का मार्ग प्रशस्त किया। संचालन शोध छात्रा ऋतु आर्या ने किया। कार्यक्रम में अशोक कुमार सिंह, प्रदीप हजारी, डॉ. एमएन बापट, डॉ. रमाशंकर वर्मा, मुरलीधर डेहरबार, नरेंद्र सिंघाई, डॉ. उमाकांत मिश्रा, डॉ. एलएल दुबे, डॉ. चित्रा लाल, रमेश बिडवई, प्रीतांशु विश्वास सहित पुरा छात्र- छात्राएं एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

विवि में आयोजन | भौतिकी विभाग में पहला पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित, पूर्व छात्रों की भागीदारी पर जोर

'विभाग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है'

कार्यक्रम को संबोधित करती हुई कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता । • नवदुनिया

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में पूर्व छात्र मौजूद रहे । • नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में पहला पूर्व छात्र मिलन समारोह बड़े उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। यह आयोजन विभाग के पूर्व छात्रों, वर्तमान विद्यार्थियों और शिक्षकों को एक मंच पर लाने का एक प्रयास था, जिसका उद्देश्य पुराने संबंधों को पुनर्जीवित करना और विभाग की प्रगति में पूर्व छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत पंजीकरण प्रक्रिया और अनौपचारिक परिचय से हुई। मां सरस्वती और विवि के संस्थापक डा. गौर को पुष्पांजलि अर्पित की गई। विभागाध्यक्ष प्रो. आशीष वर्मा ने अपने स्वागत भाषण में विभाग की उपलब्धियों और प्रगति का उल्लेख करते हुए पूर्व छात्रों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने पूर्व छात्रों की उपलब्धियों को सराहा और उनके योगदान को विवि के विकास के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों की भागीदारी से विभाग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत ने कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास का वातावरण निर्मित किया। विशिष्ट अतिथी प्रो. एनपी दीक्षित, पूर्व कुलपति हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग, देवेंद्र सिंह, पूर्व विधायक भारत भार्गव इन सभी अतिथियों ने अपने-अपने अनुभव सांझा किए और विभाग के विकास में अपने सुझाव एवं योगदान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में पूर्व छात्रों ने अपनी शैक्षणिक और पेशेवर यात्राओं को सांझा करते हुए विभाग के साथ अपने जुड़ाव को याद किया। उन्होंने वर्तमान विद्यार्थियों को अपने अनुभवों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया और विभाग के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का वादा किया। कार्यक्रम में छात्रा ऋतु आर्या, अशोक कुमार सिंह, प्रदीप हजारी, एमएन बापट, रमाशंकर वर्मा, मुरलीधर डेहरबार, नरेंद्र सिंघाई, उमाकांत मिश्रा, एलएल दुबे, चित्रा लाल, रमेश बिडवई, प्रीताशु विश्वास, प्रो. रणवीर कुमार, संध्या पटेल, रेखा गर्ग सोलंकी, प्रशांत शुक्ला, महेश्वर पांडा, शिशिर जैन, प्रवीण कुमार लिटोरिया, प्रिंस सेन उपस्थित रहे।

गणित दिवस पर हुई क्विज प्रतियोगिता

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विवि के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में रविवार को गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गणित दिवस मनाया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. आरके गंगेले ने बताया कि क्विज प्रतियोगिता में 150 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। मुख्य वक्ता प्रो. वीएन मिश्रा, डॉ. केएस माथुर, जवाहरलाल नेहरू , प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. वीएन मिश्रा, डॉ. केएस माथुर एवं डॉ. दीना सुनील ने श्रीनिवास रामानुजन एक असाधारण व्यक्तित्व पर व्याख्यान दिया। क्विज विजेता में प्रथम पुरस्कार विकुल यादव, द्वितीय पुरस्कार पारस प्रजापति एवं तृतीय पुरस्कार हर्ष मिश्रा व शरद कुमार विश्वकर्मा को दिया गया। इस अवसर पर कंप्यूटर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक बंसल, डॉ. रंजीत रजक, डॉ. आरके पाण्डेय, डॉ. कविता श्रीवास्तव, डॉ. विपिन कुमार तथा गणित विभाग के समस्त शोध छात्र एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। संचालन डॉ. एस कुमार एवं शिवानी खरे ने किया।

दैनिक दबंग बुन्देलखण्ड
सच का साहस.......
सागर

गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गणित दिवस का आयोजन

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में विश्वविख्यात गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गणित दिवस का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. आर. के. गंगेले बताया कि गणित दिवस के इस उपलक्ष्य में विद्यार्थियों हेतु एक क्विज का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 150 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस क्विज के विजेताओं को राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. वी.एन. मिश्रा, अध्यक्ष गणित विभाग ट्राइबल विश्वविद्यालय, अमरकंटक तथा डॉ. के.एस. माथुर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने इस अवसर पर व्याख्यान दिये। विभागाध्यक्ष प्रो. आर.के. गंगेले द्वारा मुख्य अतिथी प्रो. अजीत जायसवाल एवं विशिष्ट वक्ताओं प्रो. वी.एन. मिश्रा, डॉ. के.एस. माथुर, एवं डॉ. दीना सुनील का स्वागत व अभिनंदन किया गया। प्रो. वी.एन. मिश्रा ने रामानुजन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर भाषण देकर विद्यार्थियों को उनके गणितिय समस्याओं के समाधान बताने के विशिष्ट दृष्टिकोण का विश्लेषण किया। उन्होंने श्रीनिवास रामानुजन एक असाधारण व्यक्तित्व का व्याख्यान दिया। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के डॉ. के.एस. माथुर ने गणितीय माडलिंग पर व्याख्यान दिया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय ट्राइबल विश्वविद्यालय के डॉ. दीना सुनील ने क्वांटम कम्प्यूटिंग के वर्तमान अनुप्रयोग पर तथा डॉ. आर.के. पाण्डेय ने रामानुजन के द्वारा हल की गई गणितीय प्रमेयों का सत्यापन करने की तकनीक का प्रदर्शन किया। इस उपलक्ष्य पर लगभग 150 विद्यार्थी क्विज में सम्मिलित हुए। इसके विजेताओं में प्रथम पुरस्कार विकुल यादव, द्वितीय पुरस्कार पारस प्रजापति एवं तृतीय पुरस्कार हर्ष मिश्रा व शरद कुमार विश्वकर्मा को प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक बंसल विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विभाग, डॉ. रंजीत रजक, डॉ. आर.के. पाण्डेय, डॉ. कविता श्रीवास्तव, डॉ. विपिन कुमार तथा गणित विभाग के समस्त शोध छात्र एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। इस प्रोग्राम का संचालन डॉ. एस. कुमार एवं कु. शिवानी खरे ने किया। इस अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। जिसमें शोधार्थियों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार कु. शिवानी चौरसिया, कु. साक्षी गौतम, मनोहर चौधरी, कु. दीप्ती पाण्डे तथा कु. निधि यादव एवं द्वितीय पुरस्कार रमेश कुमार केसरी, हर्षित खरे एवं हीरा अहिरवार को दिया गया। छात्रों की श्रेणी में कु. युक्ता विजयवर्गीय (एम. एस. सी) एवं अनुराग लोधी (बी. ए.) को पुरस्कृत किया गया। अंत में विभागाध्यक्ष प्रो. आर.के. गंगेले ने प्रोग्राम के सफल आयोजन हेतु सभी का आभार प्रकट किया।

पुण्यतिथि पर भजनों की प्रस्तुति

नवभारत न्यूज

सागर 25 दिसंबर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉक्टर सर हरीसिंह गौर की पुण्यतिथि पर गौर समाधि स्थल पर भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया गया.

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने गौर समाधि पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी. संगीत विभाग की शोधार्थी अनुकृति रावत, स्तुति खम्परिया ने भजनों की प्रस्तुति दी. विद्यार्थी पलक विश्वकर्मा, मानवी श्रीवास्तव, वर्षा रानी, गौरी पांडे, करिश्मा दीक्षित, नमन जैन ने गांधी जी के भजन वैष्णव जन तो तेने कहिये की प्रस्तुति दी. तबले पर संगत शैलेंद्र सिंह राजपूत एवं शोधार्थी आकाश जैन ने की.

डॉ. राहुल स्वर्णकार एवं डॉ. अवधेश तोमर के निर्देशन में भजन प्रस्तुति हुई. कार्यक्रम में प्रो. पीके कठल, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. डीके नेमा, प्रो. आशीष वर्मा, प्रो अजीत जायसवाल, प्रो. यूके पाटिल, प्रो. जेके जैन, प्रो. आरके त्रिवेदी, प्रो. राजेंद्र यादव, डॉ. मोहन टीए, प्रो. नेत्रपाल सिंह, डॉ. एसपी गादेवार, डॉ. संजय शर्मा, सतीश कुमार, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. केशव टेकाम, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. ऋतु यादव मौजूद रहीं.

विश्वविद्यालय : डॉ. गौर की पुण्य तिथि पर भजन प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि दी*

नवसिन्धु समाचार | सागर

सागर. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के महान शिक्षाविद, प्रख्यात विधिवेता संविधान सभा सदस्य एवं विश्वविद्यालय के संस्थापक दानवीर डॉक्टर सर हरीसिंह गौर की पुण्यतिथि 25 दिसम्बर, 2024 को प्रातः 9:00 बजे गौर समाधि स्थल पर भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया गया. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने गौर समाधि पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी. विश्वविद्यालय के संगीत विभाग की शोधार्थी अनुकृति रावत ने कबीरदास के भजन 'माया महा ठगनी हम जानी, स्तुति खम्परिया ने 'चदरिया झीनी रे झीनी', 'क्रोध ने छोड़ा..झूठ न छोड़ा..सत्य वचन क्यों छोड़ दिया..नाम जपन क्यों छोड़ दिया' भजन की प्रस्तुति दी. विभाग के विद्यार्थी पलक विश्वकर्मा, मानवी श्रीवास्तव, वर्षा रानी, गौरी पांडे, करिश्मा दीक्षित, नमन जैन ने गांधी जी के भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिये' की प्रस्तुति दी. तबले पर संगत शैलेन्द्र सिंह राजपूत एवं शोधार्थी आकाश जैन ने की। डॉ. राहुल स्वर्णकार एवं डॉ. अवधेश तोमर के निर्देशन में भजन प्रस्तुति हुई. कार्यक्रम में प्रो. पी.के. कठल, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो. आशीष वर्मा, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. यू. के. पाटिल, प्रो. जे. के जैन, प्रो. आर. के. त्रिवेदी, प्रो. राजेंद्र यादव, डॉ. मोहन टी. ए., प्रो. नेत्रपाल सिंह, डॉ. एस.पी.गादेवार, डॉ. संजय शर्मा, उपकुलसचिव सतीश कुमार, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. केशव टेकाम, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. ऋतु यादव, डॉ. अलीम खान, डॉ. रजनीश, डॉ. विवेक जायसवाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

डॉ. गौर की पुण्य तिथि पर भजन प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि दी

ज्योति शर्मा,भास्कर केसरी
सागर।

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के महान शिक्षाविद, प्रख्यात विधिवेता संविधान सभा सदस्य एवं विश्वविद्यालय के संस्थापक दानवीर डॉक्टर सर हरीसिंह गौर की पुण्यतिथि 25 दिसम्बर को सुबह 9 बजे गौर समाधि स्थल पर भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने गौर समाधि पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी। विश्वविद्यालय के संगीत विभाग की शोधार्थी अनुकृति रावत ने कबीरदास के भजन माया महा ठगनी हम जानी, स्तुति खम्परिया ने 'चदरिया झीनी रे झीनी', 'क्रोध ने छोड़ा..झूठ न छोड़ा..सत्य वचन क्यों छोड़ दिया,नाम जपन क्यों छोड़ दिया' भजन की प्रस्तुति दी। विभाग के विद्यार्थी पलक विश्वकर्मा, मानवी श्रीवास्तव, वर्षा रानी, गौरी पांडे, करिश्मा दीक्षित, नमन जैन ने गांधी जी के भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिये' की प्रस्तुति दी। तबले पर संगत शैलेन्द्र सिंह राजपूत एवं शोधार्थी आकाश जैन ने की। डॉ. राहुल स्वर्णकार एवं डॉ. अवधेश तोमर के निर्देशन में भजन प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम में प्रो. पी.के. कठ्ल, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो. आशीष वर्मा, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. यू. के. पाटिल, प्रो. जे. के जैन, प्रो. आर. के. त्रिवेदी, प्रो. राजेंद्र यादव, डॉ. मोहन टी. ए., प्रो. नेत्रपाल सिंह, डॉ. एस.पी.गादेवार, डॉ. संजय शर्मा, उपकुलसचिव सतीश कुमार, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. केशव टेकाम, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. ऋतु यादव, डॉ. अलीम खान, डॉ. रजनीश, डॉ. विवेक जायसवाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

जेंडर संवेदनशील समाज ही उत्कृष्ट राष्ट्र का निर्माण कर सकता है : कुलपति

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के नई चेतना 3.0 कार्यक्रम के तहत जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध जागरूकता अभियान का समापन कार्यक्रम विवि के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवनारायण खरे, सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश एवं वर्तमान में धर्मशास्त्र विधि विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर, विशिष्ट अतिथि खुशबू दांगी (न्यायाधीश सागर) और सामाजिक कार्यकर्ता संजना सिंह थी।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा किए गए सात दिवसीय कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि जेंडर संवेदनशील समाज ही राष्ट्र निर्माण कर सकता है। आज जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध बहुत से कानून हैं, लेकिन उसके बारे में जागरूकता की कमी है। उन्होंने कहा कि कई बार क़ानून का सही ढंग से उपयोग भी नहीं हो पाता। बदलते समय में समाज को अपनी मानसिकता में बदलाव लाना होगा तभी जेंडर आधारित भेदभाव समाप्त होंगे। शिक्षकों और विद्यार्थियों का यह दायित्व है कि वे समाज को जागरूक करें. तभी हर जेंडर को समाज में बराबरी का स्थान मिलेगा।

मुख्य अतिथि शिवनारायण खरे ने बताया कि जेंडर आधारित हिंसा के बहुत से मामले उनके सामने आए जिसका निष्पादन किया। उन्होंने भारत सरकार की योजना नयी चेतना के तहत बनाए गए केन्द्रों के बारे में जानकारी दी जिसमें हिंसा ग्रस्त महिलाओं की हर प्रकार से सहायता प्रदान की जाती है। इसमें चिकित्सा, विधि और पुलिस आदि की सहायता सम्मिलित है। कार्यक्रम के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें प्रथम पुरस्कार निकिता विश्वकर्मा, द्वितीय पुरस्कार जतिन जाटव और तृतीय पुरस्कार अनीशा सिंह को प्राप्त हुआ संचालन डा. अपर्णा श्रीवास्तव औ धन्यवाद ज्ञापन डा. नवीन सिंह किया। कार्यक्रम में विवि प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी ए कर्मचारी गण मौजूद रहे।

अनुपयोगी वस्तुओं से बनी क्राफ्ट प्रदर्शनी लगाई

विद्यार्थियों ने अनुपयोगी वस्तुओं से बनी क्राफ्ट प्रदर्शनी लगाई गई। • नवदुनिया

महिलाओं को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ा

विशिष्ट अतिथि खुशबू दांगी ने बताया कि अपने सेवा के दौरान कई पीड़ित महिलाओं के अनुभव सुनने पड़े जिसमें महिलाओं को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ा। उन्होंने घरेलू हिंसा, पास्को एक्ट कार्य स्थलों पर होने वाले शोषण, दहेज़ से संबंधित कानूनों सहित कई कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि संजना सिंह ने बताया कि ट्रांसजेंडर होने के कारण बचपन से ही उन्हें भेदभाव का शिकार होना पड़ा। उन्होंने कहा कि लिंग निर्धारण प्रकृति के हाथ में हैं। उसमें किसी भी व्यक्ति गलती नहीं होती और न ही कोई चाहकर उसे बदल सकता है। उन्होंने बताया कि परिवार, समाज और पढ़ाई के दौरान अध्यापकों और सहपाठियों द्वारा कई प्रकार से भेदभाव सहन करना पड़ा लेकिन सभी संघर्षों का उन्होंने डटकर सामना किया।

दैनिक दबंग बुन्देलखण्ड
सच का साहस.......
सागर

जेंडर संवेदनशील समाज ही उत्कृष्ट राष्ट्र का निर्माण कर सकता है : कुलपति

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शिक्षा विभाग तत्त्वावधान में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के नई चेतना 3.0 कार्यक्रम के तहत जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध जागरूकता अभियान का समापन कार्यक्रम विवि के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवनारायण खरे, सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश एवं वर्तमान में धर्मशास्त्र विधि विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर, विशिष्ट अतिथि खुशबू दांगी (न्यायाधीश सागर) और सामाजिक कार्यकर्ता संजना सिंह थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। स्वागत वक्तव्य देते शिक्षा अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार जैन ने सात दिवसीय कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. चिंतन ने कार्यक्रम का संयोजन किया। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा किये गये सात दिवसीय कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि जेंडर संवेदनशील समाज ही राष्ट्र निर्माण कर सकता है। आज जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध बहुत से कानून हैं लेकिन उसके बारे में जागरूकता की कमी है। उन्होंने कहा कि कई बार कानून का सही ढंग से उपयोग भी नहीं हो पाता। बदलते समय में समाज को अपनी मानसिकता में बदलाव लाना होगा तभी जेंडर आधारित भेदभाव समाप्त होंगे। शिक्षकों और विद्यार्थियों का यह दायित्व है कि वे समाज को जागरूक करें। तभी हर जेंडर को समाज में बराबरी का स्थान मिलेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में होने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश के आंकड़े जेंडर समानताको प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में जेंडर संवेदनशीलता और जागरूकता के लिए वे लगातार प्रयास करेंगी कि इस तरह के कार्यक्रम आयोजित हों ताकि समाज में बदलाव लाया जा सके। विशिष्ट अतिथि खुशबू दांगी ने अपने विधिक जीवन के कई अनुभव साझा किये। उन्होंने बताया कि अपने सेवा के दौरान कई पीड़ित महिलाओं के अनुभव सुनने पड़े जिसमें महिलाओं को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ा। उन्होंने घरेलू हिंसा, पास्को एक्ट कार्य स्थलों पर होने वाले शोषण, दहेज से संबंधित कानूनों सहित कई कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने संविधान में मौजूद समानता के अधिकारों और नागरिक कर्तव्यों का भी उल्लेख किया।

विशिष्ट अतिथि संजना सिंह ने अपने जीवन के व्यक्तिगत अनुभव साझा किये। उन्होने बताया कि ट्रांसजेंडर होने के कारण बचपन से ही उन्हें भेदभाव का शिकार होना पड़ा। उन्होंने कहा कि लिंग निर्धारण प्रकृति के हाथ में हैं। उसमें किसी भी व्यक्ति गलती नहीं होती और न ही कोई चाहकर उसे बदल सकता है. उन्होंने बताया कि परिवार, समाज और पढ़ाई के दौरान अध्यापकों और सहपाठियों द्वारा कई प्रकार से भेदभाव सहन करना पड़ा लेकिन सभी संघर्षों का उन्होंने डटकर सामना किया। आज समाज में उन्हें समानजनक स्थान मिला है। वर्ष 2016 में मध्य प्रदेश सरकार ने स्वच्छता ब्रांड अम्बेसडर बनाया और वर्तमान में वे चुनाव आयोग की आइकॉन हैं। उन्होंने कहा कि समाज मांगलिक कार्यों में किन्नर समाज को बुलाया जाता है लेकिन उसके बाद उनके उपेक्षा की जाती है। मुख्य अतिथि शिवनारायण खरे ने अपनी 28 वर्षों की विधिक सेवा के अनुभव साझा किये। उन्होंने बताया कि जेंडर आधारित हिंसा के बहुत से मामले उनके सामने आये जिसका निष्पादन किया। उन्होंने भारत सरकार की योजना नयी चेतना के तहत बनाए गए केन्द्रों के बारे में जानकारी दी जिसमें हिंसा ग्रस्त महिलाओं की हर प्रकार से सहायता प्रदान की जाती है. इसमें चिकित्सा, विधि और पुलिस आदि की सहायता सम्मिलित है। उन्होंने घरेलू हिंसा निवारण अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम के साथ मातृत्व अवकाश आदि के प्रावधानों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कई केस स्टडी के माध्यम से उन्होंने बताया कि महिलाओं के संघर्ष से समाज में समानता में वृद्धि हुई है। उन्होंने ट्रांसजेंडर व्यक्ति अधिकार संरक्षण अधिनियम 2019 और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए स्थापित होने वाले गरिमा ग्रह के बारे में भी जानकारी दी।

विद्यार्थियों ने लगाई क्राफ्ट प्रदर्शनी

शिक्षा शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने अनुपयोगी वस्तुओं से बनी क्राफ्ट प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शित वस्तुओं में घरेलू उपयोग एवं घरेलू साज-सज्जा की सामग्री थी जिसका अतिथियों ने अवलोकन किया। क्राफ्ट आर्ट शिक्षा शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम का हिस्सा है। इस कार्यक्रम के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें प्रथम पुरस्कार निकिता विश्वकर्मा, द्वितीय पुरस्कार जतिन जाटव और तृतीय पुरस्कार अनीशा सिंह को प्राप्त हुआ. संचालन डॉ अपर्णा श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन डॉ नवीन सिंह ने किया। कार्यक्रम में विवि के प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे।

भोपाल-शनिवार 28 दिसम्बर-2024
भास्कर केसरी
सागर
4

जेंडर संवेदनशील समाज ही उत्कृष्ट राष्ट्र का निर्माण कर सकता है : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

ज्योति शर्मा, भास्कर केसरी

सागर डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग तत्त्वावधान में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के नई चेतना 3.0 कार्यक्रम के तहत जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध जागरूकता अभियान का समापन कार्यक्रम विवि के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवनारायण खरे, सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश एवं वर्तमान में धर्मशास्त्र विधि विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर, विशिष्ट अतिथि खुशबू दांगी (न्यायाधीश सागर) और सामाजिक कार्यकर्ता संजना सिंह थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। स्वागत वक्तव्य देते शिक्षा अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार जैन ने सात दिवसीय कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. चिंतन ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा किये गये सात दिवसीय कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि जेंडर संवेदनशील समाज ही राष्ट्र निर्माण कर सकता है। आज जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध बहुत से कानून है लेकिन उसके बारे में जागरूकता की कमी है उन्होंने कहा कि कई बार कानून का सही ढंग से उपयोग भी नहीं हो पाता। बदलते समय में समाज को अपनी मानसिकता में बदलाव लाना होगा तभी जेंडर आधारित भेदभाव समाप्त होंगे। शिक्षकों और विद्यार्थियों का यह

दायित्व है कि वे समाज को जागरूक करें। तभी हर जेंडर को समाज में बराबरी का स्थान मिलेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में होने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश के आंकड़े जेंडर समानताको प्रदर्शित करते हैं उन्होंने कहा कि समाज में जेंडर संवेदनशीलता और जागरूकता के लिए वे लगातार प्रयास करेंगी कि इस तरह के कार्यक्रम आयोजित हों ताकि समाज में बदलाव लाया जा सके।

विशिष्ट अतिथि खुशबू दांगी ने अपने विधिक जीवन के कई अनुभव साझा किये। उन्होंने बताया कि अपने सेवा के दौरान कई पीड़ित महिलाओं के अनुभव सुनने पड़े जिसमें महिलाओं को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ा। उन्होंने घरेलू हिंसा, पास्को एक्ट कार्य स्थलों पर होने वाले शोषण, दहेज से संबंधित कानूनों सहित कई कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी दी उन्होंने संविधान में मौजूद समानता के अधिकारों और नागरिक कर्तव्यों का भी उल्लेख किया।

विशिष्ट अतिथि संजना सिंह ने अपने जीवन के व्यक्तिगत अनुभव साझा किये। उन्होंने बताया कि ट्रांसजेंडर होने के कारण बचपन से ही उन्हें भेदभाव का शिकार होना पड़ा। उन्होंने कहा कि लिंग निर्धारण प्रकृति के हाथ में है। उसमें किसी भी व्यक्ति गलती नहीं होती और न ही कोई चाहकर उसे बदल सकता है उन्होंने बताया कि परिवार, समाज और पढ़ाई के दौरान अध्यापकों और सहपाठियों द्वारा कई प्रकार से भेदभाव सहन करना पड़ा लेकिन सभी संघर्षों का उन्होंने डटकर सामना किया। आज समाज में उन्हें सम्मानजनक स्थान मिला है। वर्ष 2016 में मध्य प्रदेश सरकार ने स्वच्छता ब्रांड अम्बेसडर बनाया और वर्तमान में वे चुनाव आयोग की आइकॉन हैं उन्होंने कहा कि समाज मांगलिक कार्यों में किन्नर समाज को बुलाया जाता है लेकिन उसके बाद उनके उपेक्षा की जाती है।

मुख्य अतिथि शिवनारायण खरे ने अपनी 28 वर्षों की विधिक सेवा के अनुभव साझा किये उन्होंने बताया कि जेंडर आधारित हिंसा के बहुत से मामले उनके सामने आये जिसका निष्पादन किया उन्होंने भारत सरकार की योजना नयी चेतना के तहत बनाए गए केन्द्रों के बारे में जानकारी दी जिसमें हिंसा ग्रस्त महिलाओं की हर प्रकार से सहायता प्रदान की जाती है। इसमें चिकित्सा, विधि और पुलिस आदि की सहायता सम्मिलित है उन्होंने घरेलू हिंसा निवारण अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम के साथ मातृत्व अवकाश आदि के प्रावधानों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कई केस स्टडी के माध्यम से उन्होंने बताया कि महिलाओं के संघर्ष से समाज में समानता में वृद्धि हुई है उन्होंने ट्रांसजेंडर व्यक्ति अधिकार संरक्षण अधिनियम 2019 और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए स्थापित होने वाले गरिमा ग्रह के बारे में भी जानकारी दी।

विद्यार्थियों ने लगाई क्राफ्ट प्रदर्शनी

शिक्षा शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने अनुपयोगी वस्तुओं से बनी क्राफ्ट प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शित वस्तुओं में घरेलू उपयोग एवं घरेलू साज-सज्जा की सामग्री थी जिसका अतिथियों ने अवलोकन किया। क्राफ्ट आर्ट शिक्षा शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम का हिस्सा है।

इस कार्यक्रम के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें प्रथम पुरस्कार निकिता विश्वकर्मा, द्वितीय पुरस्कार जतिन जाटव और तृतीय पुरस्कार अनीशा सिंह को प्राप्त हुआ। संचालन डॉ अपर्णा श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन डॉ नवीन सिंह ने किया। कार्यक्रम में विवि के प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे।

दैनिक
दबंग बुन्देलखण्ड
सच का साहस.......
सागर

अध्ययन एवं शोध का प्रासंगिक का क्षेत्र है वन प्रबंधन : डॉ.एस.पी. सिंह

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अर्थशास्त्र विभाग और अंतर्राष्ट्रीय संयोजन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में कुलपति प्रो. डॉ. नीलिमा गुप्ता के निर्देशन में भारतीय वन प्रबंधन संस्थान भोपाल द्वारा आउटरीच कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य वन प्रबंधन और संबंधित विषयों के क्षेत्र में अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने और ज्ञान का प्रसार करने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम में भारतीय वन प्रबंधन संस्थान भोपाल के डॉ. एस. पी. सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. केशव टेकाम ने स्वागत भाषण दिया।

डॉ. एस. पी. सिंह ने विद्यार्थियों को वन प्रबंधन के अकादमिक क्षेत्र और शोध आयामों के बारे में महत्त्वपूर्ण चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह प्रबंधन का एक नया क्षेत्र हैं जिसमें विद्यार्थी अपना कैरियर बना सकते हैं। उन्होंने संस्थान में अध्ययन के पाठ्यक्रमों और शोध पाठ्यक्रमों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि पूरे विश्व में पर्यावरण और वनों के संरक्षण की बात की जा रही है। जीव जगत के अस्तित्व के लिए वन संपदा की प्रचुर मात्रा आवश्यक है। प्रबंधन के कई आयामों पर बहुत से पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं लेकिन वन प्रबंधन भी आज के समय में महत्त्वपूर्ण विषय के रूप में उभर रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय और भारतीय वन प्रबंधन संस्थान के बीच अकादमिक और शोध साझेदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर भी दिए। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. आर. वेंकटमुनि रेड्डी ने कार्यक्रम का संयोजन करते हुए कहा कि शिक्षा के प्रसार, अंतरानुशासनिक विषय के प्रति विद्यार्थियों के रुझान को बढ़ाने, शैक्षणिक साझेदारी जैसी पहल के लिए दोनों संस्थानों की साझा प्रतिबद्धता से नए आयाम विकसित होंगे। इस तरह की पहल से अनुसंधान और नवाचार के सहयोगात्मक प्रयासों से उत्कृष्टता बढेंगी। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक डॉ. वीना थावरे, डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ. एकता श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने भागीदारी की।

अध्ययन एवं शोध का प्रासंगिक का क्षेत्र है वन प्रबंधन- डॉ. एस. पी. सिंह

जन जागरण संदेश

गणेश प्रसाद शर्मा सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभाग और अंतर्राष्ट्रीय संयोजन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में कुलपति प्रो. डॉ. नीलिमा गुप्ता के निर्देशन में भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (ह्वह्वपत्रिकारु) भोपाल द्वारा आउटरीच कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य वन प्रबंधन और संबंधित विषयों के क्षेत्र में अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने और ज्ञान का प्रसार करने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम में भारतीय वन प्रबंधन संस्थान भोपाल के डॉ. एस. पी. सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. केशव टेकाम ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. एस. पी. सिंह ने विद्यार्थियों को वन प्रबंधन के अकादमिक क्षेत्र और शोध आयामों के बारे में महत्त्वपूर्ण चर्चा की उन्होंने कहा कि यह प्रबंधन का एक नया क्षेत्र हैं जिसमें विद्यार्थी अपना कैरियर बना सकते हैं उन्होंने संस्थान में अध्ययन के पाठ्यक्रमों और शोध पाठ्यक्रमों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि पूरे विश्व में पर्यावरण और वनों के संरक्षण की बात की जा रही है। जीव जगत के अस्तित्व के लिए वन संपदा की प्रचुर मात्रा आवश्यक है। प्रबंधन के कई आयामों पर बहुत से पाठ्यक्रम संचालित किये जाते

हैं लेकिन वन प्रबंधन भी आज के समय में महत्त्वपूर्ण विषय के रूप में उभर रहा है उन्होंने विश्वविद्यालय और भारतीय वन प्रबंधन संस्थान के बीच अकादमिक और शोध साझेदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा की. उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर भी दिए। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. आर. वेंकटमुनि रेड्डी ने कार्यक्रम का संयोजन करते हुए कहा कि शिक्षा के प्रसार, अंतरानुशासनिक विषय के प्रति विद्यार्थियों के रुझान को बढ़ाने, शैक्षणिक साझेदारी जैसी पहल के लिए दोनों संस्थानों की साझा प्रतिबद्धता से नए आयाम विकसित होंगे।इस तरह की पहल से अनुसंधान और नवाचार के सहयोगात्मक प्रयासों से उत्कृष्टता बढेंगी। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक डॉ. वीना थावरे, डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ. एकता श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने भागीदारी की।

वर्ष 2024 में अकादमिक प्रगति, शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों से समृद्ध रहा विश्वविद्यालय

जनचिंगारी- 9302303212

विश्वविद्यालय इतिहास में पहली बार हुई मध्यक्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के लिए वर्ष 2024 उपलब्धियों से भरा रहा. अकादमिक क्षेत्र में प्रगति करते हुए विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा, पत्रकारिता, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, संगीत, प्रदर्शनकारी कला, अर्थशास्त्र सहित कई विषयों में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत हुई. इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया. 25 राज्यों के विद्यार्थी इस समय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं. पिछले वर्ष की तुलना में नियमित शिक्षकों और नियमित कर्मचारियों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है. पिछले वर्ष की तुलना में नियमित शिक्षकों की संख्या में लगभग 20 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हुई है. जहाँ विद्यार्थियों की सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करते हुए कई नवीन भवन निर्मित हुए वहीं विद्यार्थियों और शिक्षकों ने शोध में नए कीर्तिमान स्थापित किये हैं. शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने वर्ष भर कई क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं और कई क्षेत्रों में पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त किये हैं. विश्वविद्यालय ने कई रैंकिंग एजेंसियों के सर्वे में अच्छी रैंकिंग हासिल की है. विश्वविद्यालय में इस वर्ष पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव का आयोजन किया गया जो ऐतिहासिक आयोजन रहा. इस युवा उत्सव में विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 1000 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की. गतिविधियों, उपलब्धियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन की लम्बी श्रृंखला है जिनको रेखांकित किया जा सकता है.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने वर्ष 2024 की उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि हम डॉ. गौर द्वारा स्थापित ज्ञान के मंदिर में नित नए नवाचारी कार्य कर रहे हैं.

आधारभूत संरचनाओं का विकास

विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ बने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान, ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग के नवीन भवनों का उपयोग प्रारम्भ हो गया है. पर्यावरण विज्ञान विभाग, संचार एवं पत्रकारिता विभाग, स्वदेशी अध्ययन केंद्र, विज्ञान की एकीकृत प्रयोगशाला, फार्मेसी विभाग के नवीन भवन बनकर उपयोग के लिए तैयार हैं. अंग्रेजी एवं यूरोपीय विभाग का विस्तारित भवन शीघ्र ही बनकर तैयार होने जा रहा है. नवनिर्मित सरस्वती बालिका छात्रावास और आर्यभट्ट बालक छात्रावास विद्यार्थियों के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।

अकादमिक विकास एवं शोध साझेदारी की दिशा में प्रयास

पूरे वर्ष विश्वविद्यालय के अकादमिक विभागों में विशेष व्याख्यानों, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. भारत सरकार द्वारा निर्देशित विभिन्न महत्वपूर्ण दिवसों, जननायकों पर केंद्रित कार्यक्रमों, जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों, विभिन्न महापुरुषों की जयंती एवं कई ज्ञानवर्धक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

उपलब्धियां विश्वविद्यालय में इस साल पहली बार मध्यक्षेत्र युवा उत्सव का शानदार आयोजन किया गया।

इस साल अकादमिक व शैक्षणिक गतिविधियों से समृद्ध रहा विश्वविद्यालय

डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में साल भर कई कार्यक्रम हुए हैं। ● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के लिए वर्ष 2024 उपलब्धियों से भरा रहा है। अकादमिक क्षेत्र में प्रगति करते हुए विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा, पत्रकारिता, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, संगीत, प्रदर्शनकारी कला, अर्थशास्त्र सहित कई विषयों में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत हुई। इस वर्ष रिकार्ड संख्या में विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। 25 राज्यों के विद्यार्थी इस समय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं।

पिछले वर्ष की तुलना में नियमित शिक्षकों की संख्या में लगभग 20 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हुई है, जहां विद्यार्थियों की सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करते हुए कई नवीन भवन निर्मित हुए वहीं विद्यार्थियों और शिक्षकों ने शोध में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने वर्ष भर कई क्षेत्रों में उपलब्धियां, कई क्षेत्रों में पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त किए हैं। विश्वविद्यालय ने कई रैंकिंग एजेंसियों के सर्वे में अच्छी रैंकिंग हासिल की है। विश्वविद्यालय में इस वर्ष पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव का आयोजन किया गया जो ऐतिहासिक आयोजन रहा। इस युवा उत्सव में विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग एक हजार प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने वर्ष 2024 की उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि हम डा. गौर द्वारा स्थापित ज्ञान के मंदिर में नित नए नवाचारी कार्य कर रहे हैं। एक तरफ जहां अकादमिक भवनों, प्रयोगशालाओं और अन्य ढांचागत सुविधाओं का विकास हो रहा है वहीं शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियां भी जारी हैं। आने वाले वर्ष में हम इसी तरह सभी आयामों पर और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे और सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करेंगे।

वर्ष 2024 में अकादमिक प्रगति, शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों से समृद्ध रहा विश्वविद्यालय*

गौर गरिमा और शैक्षिक समृद्धि के संकल्प पथ पर अग्रसर विश्वविद्यालय* <

,नवबिन्दु समाचार सागर डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के लिए वर्ष 2024 उपलब्धियों से भरा रहा. अकादमिक क्षेत्र में प्रगति करते हुए विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा, पत्रकारिता, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, संगीत, प्रदर्शनकारी कला, अर्थशास्त्र सहित कई विषयों में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत हुई. इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया. 25 राज्यों के विद्यार्थी इस समय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं. पिछले वर्ष की तुलना में नियमित शिक्षकों और नियमित कर्मचारियों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है. पिछले वर्ष की तुलना में नियमित शिक्षकों की संख्या में लगभग 20 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हुई है. जहां विद्यार्थियों की सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करते हुए कई नवीन भवन निर्मित हुए वहीं विद्यार्थियों और शिक्षकों ने शोध में नए कीर्तिमान स्थापित किये हैं. शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने वर्ष भर कई क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं और कई क्षेत्रों में पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त किये हैं. विश्वविद्यालय ने कई रैंकिंग एजेंसियों के सर्वे में अच्छी रैंकिंग हासिल की है. विश्वविद्यालय में इस वर्ष पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव का आयोजन किया गया जो ऐतिहासिक आयोजन रहा. इस युवा उत्सव में विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 1000 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की. गतिविधियों, उपलब्धियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन की लम्बी श्रृंखला है जिनको रेखांकित किया जा सकता है.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने वर्ष 2024 की उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि हम डॉ. गौर द्वारा स्थापित ज्ञान के मंदिर में नित नए नवाचारी कार्य कर रहे हैं. एक तरफ जहां अकादमिक भवनों, प्रयोगशालाओं और अन्य ढांचागत सुविधाओं का विकास हो रहा है वहीं शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियां भी जारी हैं. आने वाले वर्ष में हम इसी तरह सभी आयामों पर और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे और सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करेंगे. विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी, विद्यार्थी लगातार इस दिशा में कार्य कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि सागर शहर एवं बुंदेलखंड अंचल के गणमान्य नागरिकों का भी अपार सहयोग और स्नेह विश्वविद्यालय को लगातार मिल रहा है. निश्चित ही हम राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय मानक के संस्थान बनेंगे.

आधारभूत संरचनाओं का विकास
विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ बने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान, ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग के नवीन भवनों का उपयोग प्रारम्भ हो गया है. पर्यावरण विज्ञान विभाग, संचार एवं पत्रकारिता विभाग, मालवीय अध्ययन केंद्र, विज्ञान की एकीकृत प्रयोगशाला, फार्मेसी विभाग के नवीन भवन बनकर उपयोग के लिए तैयार हैं. अंग्रेजी एवं यूरोपीय विभाग का विस्तारित भवन शीघ्र ही बनकर तैयार होने जा रहा है. नवनिर्मित सरस्वती बालिका छात्रावास और आर्यभट्ट बालक छात्रावास विद्यार्थियों के लिए उपयोग में लाया जा रहा है.

अकादमिक विकास एवं शोध साझेदारी की दिशा में प्रयास
पूरे वर्ष विश्वविद्यालय के अकादमिक विभागों में विशेष व्याख्यानों, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. भारत सरकार द्वारा निर्देशित विभिन्न महत्वपूर्ण दिवसों, जयन्तियों पर केंद्रित कार्यक्रमों, जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों, विभिन्न महापुरुषों की जयंती एवं कई अन्य साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. अग्निवीरों के शैक्षणिक उन्नयन की दिशा में विश्वविद्यालय ने तत्परता से कार्य करते हुए 491 अग्निवीरों को प्रवेश देकर उनके परिणाम जारी किये. स्पेन, नेपाल, ताइवान, जर्मनी जैसे देशों के विश्वविद्यालयों और उत्कृष्ट संस्थानों के साथ अकादमिक एवं शोध साझेदारी कार्यक्रमों की संभावनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है. साथ ही देश के महत्वपूर्ण अकादमिक एवं शोध संस्थाओं के साथ अकादमिक साझेदारी की गई जिससे विश्वविद्यालय की शोध गुणवत्ता मानक बन सके.

डॉ. गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न दिलाने की पहल एवं गौर संग्रहालय की स्थापना
डॉ. हरीसिंह गौर को भारत के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' दिलाने की मुहिम में भी विश्वविद्यालय ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए डॉ. गौर को भारत रत्न प्रदान किये जाने हेतु आवश्यक कदम उठाये. विश्वविद्यालय के मैत्री कैफ़े में 'कला, संस्कृति और शौर्य' पर केंद्रित 'गौर संग्रहालय' की स्थापना की गई जिसमें संग्रहालय में डॉ. गौर से सम्बंधित साहित्य एवं उनसे जुड़ी सामग्री, उनके जीवन से जुड़ी दुर्लभ जानकारियाँ एवं सामग्री, जनजातीय संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी एवं सामग्री की प्रदर्शनी, बुंदेलखंड और मध्य प्रदेश के वीर सेनानियों के पोर्ट्रेट एवं जानकारियाँ, मध्य प्रदेश की जैव विविधता का परिचय देने संबंधी पोर्ट्रेट, मध्य प्रदेश से सम्बंधित पुरातात्विक जानकारियाँ एवं सामग्री आदि का प्रदर्शन किया जा रहा है.

जागरूकता कार्यक्रम और सृजनात्मक अभिव्यक्तियों में भागीदारी
पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आवश्यक पहल करते हुए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तो वहीं विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर 'गौर-गौरैया आवासीय कॉलोनी' प्रकल्प का सृजन किया गया. स्वच्छता अभियान, नशे से मुक्ति अभियान, सतर्कता जागरूकता अभियान जैसे अभियान भी संचालित किये गये. सांस्कृतिक परिषद् के तत्वावधान में न केवल सृजनात्मक अभिव्यक्तियों का प्रदर्शन हुआ बल्कि विद्यार्थियों ने कई नाटकों और नुक्कड़ नाटकों का भी प्रदर्शन किया.

शिक्षा एवं स्वास्थ्य की दिशा में सामुदायिक भागीदारी, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन
सामुदायिक कार्यक्रमों के तहत विश्वविद्यालय ने आस-पास के गाँवों में शिक्षा जागरूकता, स्वास्थ्य जागरूकता, मतदान जागरूकता जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया. विश्वविद्यालय 'मेरा पहला वोट देश के नाम' जैसे लोकप्रिय अभियान का महत्वपूर्ण केंद्र बना. विश्वविद्यालय में पर्यटन की संभावनाओं का विस्तार करते हुए कई स्पॉट्स चिन्हित कर उन्हें विकसित किया जा रहा है. विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्ष भर कई स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें सामान्य बीमारियों से लेकर कैंसर जैसे रोगों का परीक्षण किया गया. इसी क्रम में 'सुमंगल' कार्यक्रम की शुरुआत की गई है. महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला क्लब द्वारा लोकप्रिय गौर मेला का आयोजन किया गया.

मातृभाषा एवं राजभाषा के प्रयोग एवं संस्कृति संरक्षण की दिशा में सृजनात्मक पहल
मातृभाषा के अधिकाधिक उपयोग को दृष्टिगत रखते हुए एक तरफ जहां मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया वहीं विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने 14 भारतीय भाषाओं में ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकें लिखीं. इसी क्रम में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रस्तुतियां दीं. हिंदी के प्रभावी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया. भारतीय ज्ञान परंपरा को आत्मसात करते हुए परंपरागत वेश-भूषा में विश्वविद्यालय का 32 वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया.

ई-सुविधाओं का विस्तार, कौशल दक्षता के लिए नवाचारी पहल
विश्वविद्यालय में आईटी उपकरणों के सुरक्षित उपयोग से संबंधित सुविधाओं का विस्तार किया गया. साथ ही केंद्रीय पुस्तकालय में पुस्तकों की आगत-निर्गत प्रक्रिया को डिजिटल रूप में शुरू किया गया. विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की डिग्री ऑनलाइन जारी करते हुए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की और इसके लिए विश्वविद्यालय की कुलपति को भारत सरकार के शिक्षा मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया. विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के तकनीकी कौशल एवं दक्षता हेतु माइक्रोबायोलॉजी कार्यशाला, पर्यावरण और ग्रीन टेक्नोलॉजी पर केंद्रित संगोष्ठी, विज्ञान प्रदर्शनी, फोटोग्राफी कार्यशाला, वेस्ट टू बेस्ट कार्यक्रम के तहत अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने जैसे नवाचारी कार्यक्रम आयोजित किये गये. विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की दिशा में फिट इंडिया अभियान के तहत साप्ताहिक कार्यक्रम चलाये गये जिसमें विविध खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं. दिव्यांग विद्यार्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय में दिव्यांगजन अधिगम संसाधन केंद्र की शुरुआत की गई. विश्वविद्यालय में पहली बार समर स्किल पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये जिसमें तकनीक और कौशल से संबंधित अल्पकालिक पाठ्यक्रम चलाये गये.

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भागीदारी, सम्मान एवं उपलब्धियां
विश्वविद्यालय ने न केवल अपने परिसर में कार्यक्रमों का आयोजन किया बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित की. विश्वविद्यालय की कुलपति ने यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली, श्रीलंका और स्पेन के विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भागीदारी की विद्वत व्याख्यान दिए. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को एनसीसी के कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित किया गया. श्रीलंका के केलानिया विश्वविद्यालय में मछी जल जीवों पर किये गये शोध कार्यों के लिए उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित भी किया गया. बीइंग यू एजुकेशन द्वारा जारी सूची में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को शिक्षा में सबसे प्रभावशाली महिलाओं में स्थान मिला है। विश्वविद्यालय के पांच शिक्षकों को विश्व के दो प्रतिशत सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिकों की सूची में स्थान मिला. विश्वविद्यालय के कई शिक्षकों को उनके लेखन, अकादमिक योगदान, शोध के लिए सम्मानित किया गया.

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में सम्मानजनक स्थान
विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग को एनआईआरएफ की रैंकिंग में शीर्ष दस में शामिल किया गया. सिमागो इंस्टीट्यूशंस और रैंकिंग 2024 द्वारा किये गए सर्वेक्षण में बायोकेमिस्ट्री, जेनेटिक्स और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी विषय में विश्वविद्यालय की देश में 32वीं रैंकिंग है और नवाचारी शोध में देश भर के संस्थानों में टॉप 40 में शामिल हुआ है. भारत की प्रतिष्ठित अंग्रेजी पत्रिका 'द वीक' और प्रसिद्ध शोध संस्था 'हंसा रिसर्च' के साझा सर्वे में मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज एवं रिसर्च में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय वेस्ट जोन में शीर्ष तीन में, देश के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में छठी रैंक, ऑल इण्डिया में टॉप 30 में शामिल हुआ. एडुरैंक संस्था द्वारा अलग-अलग अध्ययन क्षेत्रों के अंतर्गत उपाधियों में होने वाले शोध एवं प्रकाशन को मानक मानते हुए की गई रैंकिंग में बायोलॉजी अनुशासन में फार्माकोलॉजी से संबंधित अध्ययन एवं शोध में विश्वविद्यालय ने टॉप 10 में जगह बनाई है. बायोटेक्नोलॉजी विषय में देश भर में 17 वीं रैंकिंग है. इसी तरह बायोमेडिकल इंजीनियरिंग से संबंधित अध्ययन एवं शोध में देश भर में 25वीं और नैनो टेक्नोलॉजी 33वीं रैंकिंग मिली है.

विद्यार्थियों को मिले राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप, पदक एवं पुरस्कार
एक तरफ जहाँ दर्शनशास्त्र विभाग के शोधार्थियों को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् की पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप एवं जूनियर रिसर्च फेलोशिप मिली वहीं प्राणिशास्त्र विभाग के शोधार्थी को जर्मनी की प्रतिष्ठित अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फेलोशिप भी मिली. जापान के क्योटो विश्वविद्यालय द्वारा रसायन शास्त्र विभाग की शोधार्थी का चयन पोस्ट डॉक्टोरल के लिए हुआ. प्रौढ़ शिक्षा विभाग की शोधार्थी को नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय द्वारा समावेशी शिक्षा पर शोध-पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया. विधि विभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त किये. पंजाब में आयोजित अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में सात विधाओं में विद्यार्थियों ने पदक प्राप्त किये. ग्रिडि में आयोजित युवा उत्सव में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई विधाओं में पुरस्कार जीते. फार्मेसी, रसायन विज्ञान, जैव विज्ञान जैसे विषयों के शोधार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित संगोष्ठियों में बेस्ट पेपर एवं बेस्ट पोस्टर के लिए कई पुरस्कार मिले. भूगर्भशास्त्र विभाग के विद्यार्थी बड़ी संख्या में यूपीएससी द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर वैज्ञानिक एवं अन्य तकनीकी पदों पर नियुक्त हुए. कम्प्यूटर साइंस विभाग, वाणिज्य विभाग, प्रबंधन अध्ययन विभाग जैसे विषयों के विद्यार्थियों ने कैम्पस प्लेसमेंट के माध्यम से रोजगार प्राप्त किये. मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र जैसे विषयों के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को काफी संख्या में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, विभिन्न राज्यों के राजकीय महाविद्यालयों, विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में शिक्षक के रूप में रोजगार प्राप्त हुए हैं. इस वर्ष 108 विद्यार्थियों ने यूजीसी नेट की परीक्षा में सफलता पाई है और 20 से अधिक छात्रों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप भी प्रदान की गई है.

डिजिटलाइज़ेशन एवं नवाचार की नई पहचान

वर्ष 2024 में अकादमिक प्रगति, शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों से समृद्ध रहा विश्वविद्यालय

मातृभाषा एवं राजभाषा के प्रयोग एवं संस्कृति संरक्षण की दिशा में सृजनात्मक पहल

मातृभाषा के अधिकाधिक उपयोग को दृष्टिगत रखते हुए एक तरफ जहां मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया वहीं विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने 14 भारतीय भाषाओं में ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकें लिखीं. इसी क्रम में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रस्तुतियां दीं। हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। भारतीय ज्ञान परंपरा को आत्मसात करते हुए परंपरागत वेश-भूषा में विश्वविद्यालय का 32 वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में सम्मानजनक स्थान

विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग को एडुटेक की रैंकिंग में शीर्ष दस में शामिल किया गया. सिमागो इंस्टीट्यूशंस ऑफ रैंकिंग्स 2024 द्वारा किये गए सर्वेक्षण में बायोकेमिस्ट्री, जेनेटिक्स और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिसर्च में विश्वविद्यालय की देश में 32वीं रैंकिंग है और नवाचारी शोध में देश भर के संस्थानों में टॉप 40 में शामिल हुआ है. भारत की ख्यातिलब्ध अंग्रेजी पत्रिका 'द वीक' और प्रसिद्ध शोध संस्था 'हंसा रिसर्च' के साझा सर्वे में मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज एंड रिसर्च में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय वेस्ट जोन में शीर्ष तीन में, देश के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में छठी रैंक, आल इण्डिया में टॉप 30 में शामिल हुआ। राष्ट्रीय संस्था द्वारा अलग-अलग अध्ययन क्षेत्रों के अंतर्गत उपाधियों में होने वाले शोध एवं प्रकाशन को मानक मानते हुए की गई रैंकिंग में बायोलॉजी अनुशासन में फार्माकोलॉजी से संबंधित अध्ययन एवं शोध में विश्वविद्यालय ने टॉप 10 में जगह बनाई है। बायोटेक्नोलॉजी विषय में देश भर में 17 वीं रैंकिंग है. इसी तरह बायोमेडिकल इंजीनियरिंग से संबंधित अध्ययन एवं शोध में देश भर में 25वीं और नैनो टेक्नोलॉजी 33वीं रैंकिंग मिली है।

सत्ता सुधार ■ सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के लिए वर्ष 2024 उपलब्धियों से भरा रहा। अकादमिक क्षेत्र में प्रगति करते हुए विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा, पत्रकारिता, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, संगीत, प्रदर्शनकारी कला, अर्थशास्त्र सहित कई विषयों में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत हुई. इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया।25 राज्यों के विद्यार्थी इस समय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं।पिछले वर्ष की तुलना में नियमित शिक्षकों और नियमित कर्मचारियों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है. पिछले वर्ष की तुलना में नियमित शिक्षकों की संख्या में लगभग 20 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हुई है।जहाँ विद्यार्थियों की सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करते हुए कई नवीन भवन निर्मित हुए वहीं विद्यार्थियों और शिक्षकों ने शोध में नए कीर्तिमान स्थापित किये हैं।शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने वर्ष भर कई क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की है और कई क्षेत्रों में पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त किये हैं. विश्वविद्यालय ने कई रैंकिंग एजेंसियों के सर्वे में अच्छी रैंकिंग हासिल की है। विश्वविद्यालय में इस वर्ष पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव का आयोजन किया गया जो ऐतिहासिक आयोजन रहा। इस युवा उत्सव में विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 1000 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की. गतिविधियों, उपलब्धियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन की लम्बी श्रृंखला है जिनको रेखांकित किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने वर्ष 2024 की उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि हम डॉ. गौर द्वारा स्थापित ज्ञान के मंदिर में नित नए नवाचारी कार्य कर रहे हैं।एक तरफ जहां अकादमिक भवनों, प्रयोगशालाओं और अन्य ढांचागत सुविधाओं का विकास हो रहा है वहीं शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियां भी जारी हैं।आने वाले वर्ष में हम इसी तरह सभी आयामों पर और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे और सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करेंगे।विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी, विद्यार्थी लगातार इस दिशा में कार्य कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि सागर शहर एवं बुंदेलखंड अंचल के गणमान्य नागरिकों का भी अपार सहयोग और स्नेह विश्वविद्यालय को लगातार मिल रहा है. निश्चित ही हम राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय मानक के संस्थान बनेंगे।

ई सुविधाओं का विस्तार, कौशल दक्षता के लिए नवाचारी पहल

विश्वविद्यालय में आईटी उपकरणों के सुरक्षित उपयोग से संबंधित सुविधाओं का विस्तार किया गया।शिक्षा मंत्रालय की प्रेरणा से विश्वविद्यालय ने समर्थ पोर्टल के समस्त 44 मॉड्यूल लागू कर विश्वविद्यालय को डिजिटल कर समस्त केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए प्रेरणास्रोत बना। साथ ही केंद्रीय पुस्तकालय में पुस्तकों की आगत-निर्गत प्रक्रिया को डिजिटल रूप में शुरू किया गया. विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की डिग्री ऑनलाइन जारी करते हुए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की और इसके लिए विश्वविद्यालय की कुलपति को भारत सरकार के शिक्षा मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया. विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के तकनीकी कौशल एवं दक्षता हेतु माइक्रोस्कोपी कार्यशाला, पर्यावरण और ग्रीन टेक्नोलॉजी पर केंद्रित संगोष्ठी, विज्ञान प्रदर्शनी, फोटोग्राफी कार्यशाला, वेस्ट टू बेस्ट कार्यक्रम के तहत अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने जैसे नवाचारी कार्यक्रम आयोजित किये गये. विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की दिशा में फिट इण्डिया अभियान के तहत साप्ताहिक कार्यक्रम चलाये गये जिसमें विविध खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।दिव्यांग विद्यार्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय में दिव्यांगजन अधिगम संसाधन केंद्र की शुरुआत की गई।विश्वविद्यालय में पहली बार समर स्किल पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये जिसमें तकनीक और कौशल से संबंधित अल्पकालिक पाठ्यक्रम चलाये गये।

आधारभूत संरचनाओं का विकास

विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ बने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान, ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग के नवीन भवनों का उपयोग प्रारम्भ हो गया है. पर्यावरण विज्ञान विभाग, संचार एवं पत्रकारिता विभाग, स्वदेशी अध्ययन केंद्र, विज्ञान की एकीकृत प्रयोगशाला, फार्मेसी विभाग के नवीन भवन बनकर उपयोग के लिए तैयार हैं।अंग्रेजी एवं यूरोपीय विभाग का विस्तारित भवन शीघ्र ही बनकर तैयार होने जा रहा है।नवनिर्मित सरस्वती बालिका छात्रावास और आर्यभट्ट बालक छात्रावास विद्यार्थियों के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।

अकादमिक विकास एवं शोध साझेदारी की दिशा में प्रयास

पूरे वर्ष विश्वविद्यालय के अकादमिक विभागों में विशेष व्याख्यानों, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।भारत सरकार द्वारा निर्देशित विभिन्न महत्त्वपूर्ण दिवसों, जननायकों पर केंद्रित कार्यक्रमों, जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों, विभिन्न महापुरुषों की जयंती एवं कई ज्ञानवर्धक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अग्निवीरों के शैक्षणिक उन्नयन की दिशा में विश्वविद्यालय ने तत्परता से कार्य करते हुए 491 अग्निवीरों को प्रवेश देकर उनके परिणाम जारी किये।स्पेन, नेपाल, ताइवान, जर्मनी जैसे देशों के विश्वविद्यालयों और उत्कृष्ट संस्थानों के साथ अकादमिक एवं शोध साझेदारी कार्यक्रमों की संभावनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है. साथ ही देश के महत्त्वपूर्ण अकादमिक एवं शोध संस्थाओं के साथ अकादमिक साझेदारी की गई जिससे विश्वविद्यालय की शोध गुणवत्ता मानक बन सके।

गौर संग्रहालय की स्थापना

डॉ. हरीसिंह गौर को भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न दिलाने की मुहिम में भी विश्वविद्यालय ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए डॉ. गौर को भारत रत्न प्रदान किये जाने हेतु आवश्यक कदम उठाये।विश्वविद्यालय के वैली कैंपस में कला, संस्कृति और शौर्य पर केंद्रित गौर संग्रहालय की स्थापना की गई जिसमें संग्रहालय में डॉ. गौर से सम्बंधित साहित्य एवं उनसे जुड़ी सामग्री, उनके जीवन से जुड़ी दुर्लभ जानकारियाँ एवं सामग्री, जनजातीय संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी एवं सामग्री की प्रदर्शनी, बुंदेलखंड और मध्य प्रदेश के वीर सेनानियों के पोर्टेट एवं जानकारियाँ, मध्य प्रदेश की जैव विविधता का परिचय देने संबंधी पोर्टेट, मध्य प्रदेश से सम्बंधित भूगर्भशास्त्रीय जानकारियाँ एवं सामग्री आदि का प्रदर्शन किया जा रहा है।

जागरूकता कार्यक्रम और सृजनात्मक अभिव्यक्तियों में भागीदारी

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आवश्यक पहल करते हुए एक पेड़ माँ के नाम अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तो वहीं विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर गौर-गौरैया आवासीय कॉलोनी प्रकल्प का सृजन किया गया।स्वच्छता अभियान, नशे से मुक्ति अभियान, सतर्कता जागरूकता अभियान जैसे अभियान भी संचालित किये गये। सांस्कृतिक परिषद् के तत्वावधान में न केवल सृजनात्मक अभिव्यक्तियों का प्रदर्शन हुआ बल्कि विद्यार्थियों ने कई नाटकों और नुक्कड़ नाटकों का भी प्रदर्शन किया।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य की दिशा में सामुदायिक भागीदारी, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन

सामुदायिक कार्यक्रमों के तहत विश्वविद्यालय ने आस-पास के गाँवों में शिक्षा जागरूकता, स्वास्थ्य जागरूकता, मतदान जागरूकता जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया।विश्वविद्यालय मेरा पहला वोट देश के नाम जैसे लोकप्रिय अभियान का महत्त्वपूर्ण केंद्र बना. विश्वविद्यालय में पर्यटन की संभावनाओं का विस्तार करते हुए कई स्पॉट्स चिन्हित कर उन्हें विकसित किया जा रहा है. विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्ष भर कई स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें सामान्य बीमारियों से लेकर कैंसर जैसे रोगों का परीक्षण किया गया।इसी क्रम में पुमंतु कार्यक्रम की शुरुआत की गई है. महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला क्लब द्वारा लोकप्रिय गौर मेला का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भागीदारी, सम्मान एवं उपलब्धियां

विश्वविद्यालय ने न केवल अपने परिसर में कार्यक्रमों का आयोजन किया बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित की. विश्वविद्यालय की कुलपति ने यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली, श्रीलंका और स्पेन के विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भागीदारी की विद्वत व्याख्यान दिए।विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को एनसीसी के कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित किया गया।श्रीलंका के केलानिया विश्वविद्यालय में नदी जल जीवों पर किये गये शोध कार्यों के लिए उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित भी किया गया।डीडब्ल्यू एजुकेशन द्वारा जारी सूची में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को शिक्षा में सबसे प्रभावशाली महिलाओं में स्थान मिला है। विश्वविद्यालय के पांच शिक्षकों को विश्व के दो प्रतिशत सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिकों की सूची में स्थान मिला। विश्वविद्यालय के कई शिक्षकों को उनके लेखन, अकादमिक योगदान, शोध के लिए सम्मानित किया गया.

विद्यार्थियों को मिले राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप, पदक एवं पुरस्कार

एक तरफ जहाँ दर्शनशास्त्र विभाग के शोधार्थियों को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् की पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप एवं जूनियर रिसर्च फेलोशिप मिली वहीं प्राणिशास्त्र विभाग के शोधार्थी को जर्मनी की प्रतिष्ठित अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फेलोशिप भी मिली।जापान के क्योटो विश्वविद्यालय द्वारा रसायन शास्त्र विभाग की शोधार्थी का चयन पोस्ट डॉक्टोरल के लिए हुआ. प्रौढ़ शिक्षा विभाग की शोधार्थी को नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय द्वारा समावेशी शिक्षा पर शोध-पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। विधि विभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त किये. पंजाब में आयोजित अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में सात विधाओं में विद्यार्थियों ने पदक प्राप्त किये। विदिशा में आयोजित युवा उत्सव में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई विधाओं में पुरस्कार जीते।फार्मेसी, रसायन विज्ञान, जैव विज्ञान जैसे विषयों के शोधार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित संगोष्ठियों में बेस्ट पेपर एवं बेस्ट पोस्टर के लिए कई पुरस्कार मिले।भूगर्भशास्त्र विभाग के विद्यार्थी बड़ी संख्या में यूपीएससी द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर वैज्ञानिक एवं अन्य तकनीकी पदों पर नियुक्त हुए. कम्प्यूटर साइंस विभाग, वाणिज्य विभाग, प्रबंधन अध्ययन विभाग जैसे विषयों के विद्यार्थियों ने कैम्पस प्लेसमेंट के माध्यम से रोजगार प्राप्त किये. मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र जैसे विषयों के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को काफी संख्या में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, विभिन्न राज्यों के राजकीय महाविद्यालयों, विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में शिक्षक के रूप में रोजगार प्राप्त हुए हैं।इस वर्ष 108 विद्यार्थियों ने यूजीसी नेट की परीक्षा में सफलता पाई है और 20 से अधिक छात्रों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप भी प्रदान की गई है।

ऐतिहासिक उपलब्धि — डॉ. हरिसिंह गौर विवि में वर्ष 2024 में हुए नवाचार, एआइ की पढ़ाई से गढ़ रहे छात्रों का भविष्य

देश के 40 टॉप संस्थानों में शामिल हुआ विश्वविद्यालय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

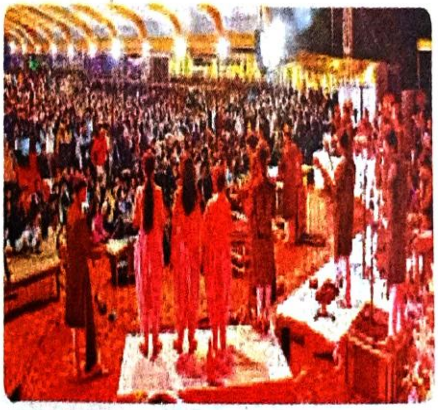

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में वर्ष 2024 में कई नवाचार किए गए। विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा, पत्रकारिता, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, संगीत, प्रदर्शनकारी कला, अर्थशास्त्र सहित कई विषयों में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत हुई। इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। 25 राज्यों के विद्यार्थी इस समय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि समर्थ पोर्टल के समस्त 44 मॉड्यूल लागू कर विश्वविद्यालय को डिजिटल कर समस्त केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए प्रेरणास्रोत बना। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की डिग्री ऑनलाइन जारी करते हुए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग को एडुरैंक की रैंकिंग में शीर्ष दस में शामिल किया गया। नवाचारी शोध में देश भर के संस्थानों में टॉप 40 में शामिल हुआ है।

एक तरफ जहां दर्शनशास्त्र विभाग के शोधार्थियों को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद की पोस्ट डॉक्टोरल फैलोशिप एवं जूनियर रिसर्च फैलोशिप मिली वहीं प्राणिशास्त्र विभाग के शोधार्थी को जर्मनी की प्रतिष्ठित अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फैलोशिप भी मिली। जापान के क्योटो विश्वविद्यालय द्वारा रसायन शास्त्र विभाग की शोधार्थी का चयन पोस्ट डॉक्टोरल के लिए हुआ। प्रौढ़ शिक्षा विभाग की शोधार्थी को नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय द्वारा समावेशी शिक्षा पर शोध-पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। विधि विभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त किए।

गौर संग्रहालय की हुई स्थापना

डॉ. हरिसिंह गौर को भारत के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' दिलाने की मुहिम में चलाई गई। विश्वविद्यालय के वैली कैंपस में 'कला, संस्कृति और शौर्य' पर केंद्रित 'गौर संग्रहालय' की स्थापना की गई जिसमें संग्रहालय में डॉ. गौर से संबंधित साहित्य एवं उनसे जुड़ी सामग्री, उनके जीवन से जुड़ी दुर्लभ जानकारियां एवं सामग्री, जनजातीय संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी एवं सामग्री की प्रदर्शनी, बुंदेलखंड और मध्य प्रदेश के वीर सेनानियों के पोर्ट्रेट शामिल किए गए।

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)